रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-सेना और पुलिस का एक ही मिशन राष्ट्र की रक्षा करना
- 12

दिवाली पर 6.05 लाख करोड़ रुपये की हुई रिकॉर्ड बिक्री
- 12

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए ट्रंप के प्रस्ताव से यूरोपीय देश सहमत नहीं
- 13

पंत फिट, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी करेंगे
- 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

20.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.17

सूर्यास्त 05.36

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 08:17 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

बुधवार, 22 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 332, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

रेलवे ने देश में स्थापित किए 80 वार रूम

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में ट्रेनों के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित करने और यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए देशभर में भारतीय रेलवे के 80 से अधिक वार रूम 24 घंटे काम कर रहे हैं। रेलवे बोर्ड की ओर से मंगलवार को जारी जानकारी के अनुसार मौजूदा समय में रेलवे बोर्ड से लेकर जोनल और डिविजनल स्तर तक 80 से अधिक वार रूम सक्रिय हैं। इन वार रूमों से देशभर में ट्रेनों की स्थिति, यात्रियों की संख्या और सुरक्षा गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। रेलवे ने कहा है कि त्योहारों के सीजन में ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि हो गई है, ऐसे में ये वार रूम यात्रियों की सुविधा के लिए वारदान साबित हो रहे हैं।

नौसेना कमांडरों का सम्मेलन आज से

नई दिल्ली। नौसेना के शीर्ष कमांडर बुधवार से तीन दिन तक यहां भविष्य की चुनौतियों से निपटने और हिन्द महासागर तथा हिन्द प्रशांत क्षेत्र के खतरों से निपटने की रणनीति पर गहन चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कमांडरों को संबोधित करेंगे। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि नौसेना के शीर्ष कमांडरों के तीन दिन के सम्मेलन का दूसरा संस्करण बुधवार को यहां शुरू होगा। इस सम्मेलन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुंबई में ऊंची इमारत में आग से चार की मौत

मुंबई। नवी मुंबई के वाशी इलाके में सोमवार देर रात एक 12 मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई जिससे चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि यह घटना वाशी के सेक्टर 14 स्थित रहेजा रेजीडेंसी बिल्डिंग में हुई। नगर निगम अग्निशमन विभाग के अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और आठ दमकल गाड़ियों तथा लगभग 40 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पाया।

गिलास में पटाखा फोड़ रहे युवक की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले की छिजारसी कॉलोनी में सोमवार रात को स्टील के गिलास में बम रखकर फोड़ने से घायल हुए 20 वर्षीय युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। नोएडा सेक्टर 63 थानाक्षेत्र की छिजारसी कॉलोनी में युवक स्टील के गिलास में बम रखकर फोड़ रहा था कि जोरदार धमाके से गिलास के चिथड़े उड़ गए और स्टील के टुकड़े उसके शरीर में कई जगह घुस गए।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया अन्याय का बदला : प्रधानमंत्री

नागरिकों के नाम लिखे पत्र में मोदी ने कहा-मर्यादा का पालन भी किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दीपावली के अवसर पर देश के नागरिकों को एक पत्र लिखा और ऑपरेशन सिंदूर की सफलताओं और नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई पर प्रकाश डाला। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने धर्म और मर्यादा को कायम रखते हुए बेटियों के साथ हुए अन्याय का बदला लिया। साथ ही कहा कि जब दुनिया संकटों से घिरी हुई है तब ऐसे समय में भारत स्थिरता के प्रतीक के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री ने जीएसटी दरों को कम करने के निर्णय को अपनी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिक हजारों करोड़ रुपये बचा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी अपनाने, सभी भाषाओं का सम्मान करने, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और योग को अपनाने का भी आग्रह किया।

मोदी ने स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसैन्य कर्मियों के साथ दिवाली मनाने के एक दिन बाद देशवासियों को लिखे एक पत्र में कहा कि ये सभी प्रयास हमें तेजी से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को ऊर्जा और उत्साह से भरे पावन पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद यह दूसरी दीपावली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम हमें मर्यादा का पालन करना सिखाते हैं और अन्याय से लड़ने का साहस भी देते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण हमने कुछ महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न केवल धर्म का पालन किया बल्कि अन्याय का बदला भी लिया। उन्होंने कहा कि यह दीपावली खास है क्योंकि पहली बार देश भर के कई जिलों में, जिनमें दूरदराज के इलाके भी शामिल हैं, दीप जलेंगे। उन्होंने कहा कि ये वे जिले हैं जहां नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद का जड़ से सफाया हो चुका है। हाल के दिनों में हमने कई लोगों को हिंसा का रास्ता छोड़कर, हमारे देश के संविधान में आस्था व्यक्त करते हुए विकास की मुख्यधारा में शामिल होते देखा है। यह राष्ट्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर देश

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के बीच, देश ने हाल के दिनों में अगली पीढ़ी के सुधारों की भी शुरुआत की है। मोदी ने कहा कि नवरात्र के पहले दिन जीएसटी की कम दरें लागू की गईं। इस जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिक हजारों करोड़ रुपये बचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेक संकटों से जूझ रही दुनिया में भारत स्थिरता और संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नागरिकों की प्राथमिक जिम्मेदारी राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना है।

स्वदेशी अपनाएं, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को दें बढ़ावा

मोदी ने नागरिकों से स्वदेशी अपनाने और गर्व से यह बताने कि यह स्वदेशी है का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइए हम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा दें। सभी भाषाओं का सम्मान करें। स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आइए हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आइए हम अपने भोजन में तेल का प्रयोग 10 प्रतिशत कम करें और योग को अपनाएं। ये सभी प्रयास हमें तेज़ी से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। कहा कि दीपावली हमें यह भी सिखाती है कि जब एक दीप दूसरे दीप को रौशन करता है तो उसकी रोशनी कम नहीं होती, बल्कि और बढ़ती है। इसी भावना के साथ आइए इस दीपावली हम समाज और आस-पास सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता के दीप जलाएं।

पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को सलाम

अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म : योगी

- मुख्यमंत्री ने कहा, शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य पूंजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

शहीद के परिजन को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को सलाम करते लोगों ने हुए कहा कि कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म है। बोले, यह केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन नहीं, बल्कि उन आदर्शों को याद करने का क्षण है, जिन्होंने वर्दी की मर्यादा और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। शहीद स्मारक उनकी अमर गाथा का साक्षी है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी।

रिजर्व पुलिस लाइन सोमवार को उस समय देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठी, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस 2025 पर उत्तर प्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर तीन वीर सपूतों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था और अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है। आधुनिक संसाधनों, तकनीक और संवेदना के नए युग में यूपी पुलिस को लगातार सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष से 7 प्रतिशत अधिक है। 'शोक शस्त्र' और 'सलामी शस्त्र' की कार्यवाही के दौरान पूरा परिसर देशभक्ति के स्वर से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश की सबसे बड़ी, सबसे अनुशासित और सबसे सक्षम फोर्स है। यह हमारे सुरक्षा, विश्वास और व्यवस्था की रीढ़ है।

नारी शक्ति की झलक और शौर्य का सम्मान

कार्यक्रम का शुभारंभ परेड कमांडर द्वारा मुख्यमंत्री को सलामी देने से हुआ। नारी शक्ति की प्रतीक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक (अभिसूचना मुख्यालय) आभा पांडेय ने शोक पुस्तिका वाहक की भूमिका निभाई और मुख्यमंत्री को शहीदों की स्मृति पुस्तिका सौंपी। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीरगति प्राप्त जवानों के अदम्य साहस और समर्पण का विवरण प्रस्तुत किया।

नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के जेलर, 84 की उम्र में निधन

मुंबई, एजेंसी

- पांच दशकों से फिल्मों में सक्रिय थे मशहूर हास्य अभिनेता असरानी

फिल्म शोले में सनकी जेलर की भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले और हास्य भूमिकाओं के लिए दिग्गज अभिनेता असरानी का सोमवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री मोदी सहित फिल्म जगत और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

पांच दशकों से अधिक समय तक कई फिल्मों में काम करने वाले गोवर्धन असरानी, जिन्हें असरानी के नाम से जाना जाता है, को शोले, नमक हराम और गुड्डी में उनके किरदारों के लिए याद किया जाता है। उनका निधन सोमवार को अपराह्न तीन बजे हुआ। चार दिन पहले उन्हें उपनगरीय जुहू स्थित भारतीय आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दीपावली के बाद दिल्ली पर छाई जहरीली धुंध की चादर

- गंभीर श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई कम हो गई राजधानी में दृश्यता

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन से पानी का छिड़काव।

दिल्ली में बीती रात बहुत से लोगों ने दिवाली पर उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्धारित समयसीमा से ज्यादा समय तक पटाखे चलाए जिसकी वजह से मंगलवार सुबह आसमान में धुंध छाई रही, दृश्यता कम हो गई और वायु गुणवत्ता रेड जोन में रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण ब्यूरो (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह आठ बजे 352 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। सुबह पांच बजे यह 346, सुबह छह बजे 347 और सुबह सात बजे 351 दर्ज किया गया।

उच्चतम न्यायालय ने दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में रात आठ बजे से 10 बजे के बीच हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। हालांकि, कई लोगों ने अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया और देर रात तक जश्न जारी रहा। सीपीसीबी के प्रति घंटे के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई रात 12 बजे 349 और एक बजे 348 था। सोमवार को राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 36 ने प्रदूषण का स्तर रेड जोन में दर्ज किया।

सुप्रीम कोर्ट निर्देशों के उल्लंघन पर 150 प्राथमिकी

दिल्ली पुलिस ने पटाखे फोड़ने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर 100 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, अवैध तरीके से पटाखों की बिक्री में करीब 50 मामले दर्ज किए गए हैं। उच्चतम न्यायालय ने पटाखे फोड़ने के लिए सुबह 6 बजे से 7 बजे तक तथा रात 8 बजे से 10 बजे तक की अनुमति दी थी।

कोलकाता और मुंबई की वायु गुणवत्ता भी खराब

दीपावली के बाद कोलकाता और मुंबई में हवा की गुणवत्ता भी खराब हुई है। कोलकाता में सोमवार रात काली पूजा के अवसर पर आतिशबाजी के बाद मंगलवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' रही। मुंबई में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भारी गिरावट आई और मंगलवार को यह खराब श्रेणी में पहुंच गया।

कोर्ट की टिप्पणी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा-अपराध साबित करने को साक्ष्य का होना आवश्यक

शारीरिक संबंध शब्द दुष्कर्म साबित करने को पर्याप्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि साक्ष्यों के बिना महज शारीरिक संबंध शब्द का इस्तेमाल दुष्कर्म या शील भंग के मामलों को स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति की अपील को स्वीकार करते हुए की, जिसमें उसने बलात्कार के मामले में अपनी दोषसिद्धि और 10 वर्ष के कारावास को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने उसे आरोपों से बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने 17 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा कि इस मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों में, 'शारीरिक संबंध' शब्द का प्रयोग, बिना किसी सहायक साक्ष्य के, यह मानने के लिए पर्याप्त नहीं होगा कि अभियोजन पक्ष अपराध को उचित संदेह से परे साबित करने में सक्षम रहा है। अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपीलकर्ता की दोषसिद्धि कायम रखने योग्य नहीं है।

अदालत ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण मामला बताते हुए कहा कि वह मामले का निर्णय उसके गुण-दोष के आधार पर करने के लिए बाध्य है। फैसले में कहा गया है कि पीड़ित बच्ची और उसके माता-पिता ने बार-बार कहा कि शारीरिक संबंध स्थापित किए गए थे, हालांकि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं थी कि इस अभिव्यक्ति का क्या मतलब था। अदालत ने कहा कि कथित कृत्य का कोई और विवरण नहीं दिया गया है। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष या अधीनस्थ अदालत ने पीड़ित से कोई प्रश्न नहीं पूछा, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि याचिकाकर्ता पर लगाए गए अपराध के आवश्यक तत्व सिद्ध हुए हैं या नहीं।

आईपीसी और पॉक्सो एक्ट में नहीं शारीरिक संबंध की परिभाषा

अदालत 2023 में दर्ज एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें 16 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसके रिश्ते के भाई ने 2014 में शादी का झूठा झांसा देकर एक साल से अधिक समय तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। व्यक्ति ने अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी और उच्च न्यायालय ने उसकी अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला केवल मौखिक साक्ष्य पर आधारित है, जो कि पीड़ित बच्ची और उसके माता-पिता की गवाही है तथा रिकॉर्ड में कोई फॉरेंसिक साक्ष्य नहीं है। अदालत ने कहा कि शारीरिक संबंध शब्द का प्रयोग या परिभाषा न तो आईपीसी के तहत दी गई है और न ही पॉक्सो अधिनियम के तहत। न्यायाधीश ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि नाबालिग पीड़िता का शारीरिक संबंध शब्द से क्या तात्पर्य है और क्या इसमें शील भंग का प्रयास शामिल था।

आज बंद हो जाएंगे गंगोत्री धाम के कपाट

देहरादून। चार धामों में से एक गंगोत्री धाम के कपाट बुधवार को बंद हो जाएंगे। मंदिर प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उत्तरकाशी जिला प्रशासन के अनुसार, बुधवार (22 अक्टूबर) को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होंगे।

कपाट बंद करने का शुभ मुहूर्त 11:36 बजे हैं। विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद मां गंगा की विग्रह डोली भोगमूर्ति शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना होगी। रात को डोली मुखबा गांव से करीब दो किमी पहले मार्कण्डेय मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी। इसके बाद 23 अक्टूबर की दोपहर विग्रह डोली मुखबा गांव पहुंचेगी जहां भोगमूर्ति को मंदिर में शीतकाल के लिए स्थापित किया जाएगा।

भारतीय वायुसेना की तीसरी रैंकिंग पर बौखलाया चीन

बीजिंग, एजेंसी

- कहा-कागज पर नहीं, वास्तविक क्षमता पर होना चाहिए आकलन

दुनिया की वायुसेनाओं की एक नई रैंकिंग में भारत को अमेरिका और रूस के बाद तीसरा स्थान दिया गया है और चीन से आगे रखा गया है। इस रैंकिंग ने नई चर्चा छेड़ दी है। चीन नई रैंकिंग को पचा नहीं पा रहा है।

एक चीनी विशेषज्ञ ने कहा कि सैन्य शक्तियों को कागज पर नहीं, बल्कि वास्तविक क्षमताओं के आधार पर रैंक किया जाना चाहिए, संभावित गलत गणनाएं किसी का भला नहीं करेंगी। यह रैंकिंग वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (डब्ल्यूडीएमएए) द्वारा तैयार की गई है, जो 103 देशों और 129 वायु सेवाओं को कवर करती है, जिसमें सेना, नौसेना और मरीन एविएशन ब्रांच शामिल हैं।

चीनी सैन्य मामलों के विशेषज्ञ झांग जुनशी ने कहा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। कहा कि केवल सैन्य बलों की वास्तविक युद्धक्षेत्र क्षमताएं ही सार्थक तुलना का आधार बनाती हैं, न कि उनकी कागजी ताकत।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

शहर में आज

- अग्रवाल सभा भवन में गिरिराज महोत्सव अन्नकूट का आयोजन शाम 04 बजे।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत शहर समेत विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

प्रशिक्षण में शामिल हुए 75 युवाओं को बांटा प्रमाण पत्र

पीलीभीत, अमृत विचार : सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी की ओर से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया।इसमें 75 युवाओं ने भाग लिया, जिनमें 15 लड़कियां और 60 लड़के शामिल रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना रहा। युवाओं को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। कमांडेंट शेर सिंह चौधरी ने युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। कहा कि यह कार्यक्रम सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट, दी तहरीर

पीलीभीत, अमृत विचार : सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम चलतुआ में रास्ते के विवाद में दो पक्ष भिड़ गए। घटना सोमवार देर शाम हुई। दोनों पक्ष से लोग जमा हुए और एक दूसरे पर हमला कर दिया। एक पक्ष से पूजा ने तहरीर दी। जिसमें बताया कि गांव के ही कुछ लोगों से रास्ते का पुराना विवाद है। इसे लेकर आए दिन अभद्रता की जाती है। इसी को लकर दोबारा हमला कर दिया गया। जबकि दूसरे पक्ष ने भी मारपीट करने का आरोप लगाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पशुशाला से लौट रहे ग्रामीण के साथ मारपीट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव प्रतापपुर के रहने वाले बाबूराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 अक्टूबर की रात करीब दो बजे पशुशाला से लौट रहे थे। रास्ते में गांव के ही अनिल कुमार, टीकाराम, शिवकुमार ने गाली गलौज की। विरोध करने पर हमला कर पीटा। पत्नी जावित्री देवी, पुत्र विमल और विकास शोर सुनकर मौके पर आ गए। बीच बचाव कराने का प्रयास किया तो उनको भी पीटा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

दीपावली की रात वायु गुणवत्ता सूचकांक पहुंचा 220 के पार

लोग देर रात तक जलाते रहे पटाखे, विशेषज्ञ के मुताबिक 72 घंटे रहेगा असर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: दिवाली की रात जीवनदायिनी हवा अस्वस्थकर श्रेणी में पहुंच गई। देर रात तक कानफोडू पटाखों की आवाज सुनाई देती रही। घंटों तक चली आतिशबाजी ने जनपद की आबोहवा में जहर घोल दिया। वायु गुणवत्ता सूचकांक सामान्य दिनों की अपेक्षा दोगुने स्तर से भी ऊपर जा पहुंचा। विशेषज्ञों का कहना है कि हवा की गति कम होने के चलते इसका असर 72 घंटे तक रहने की संभावना है।

तराई की हरी भरी वादियों में बसा यह जिला पर्यावरण के मामले में बेहतर माना जाता है। मगर, बदलते वक्त के साथ जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते यहां के पर्यावरण को ग्रहण लगता जा रहा है। खासकर दीपावली की रात की बात करें तो लोग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को ही भूल बैठे। पूर्व बरसों में हर साल ही दिवाली से पूर्व जागरूकता कार्यक्रमों की बाढ़ सी आ जाती थी। कोई मिट्टी के दीयों का वितरण तो कोई पटाखे आदि न दागने के प्रति जागरूकता करता दिखता था। मगर, इस बार जिले में जागरूकता की अलख जगाने वाले शायद पर्यावरण का ख्याल रखना ही भूल गए। दिवाली की रात करीब साढ़े आठ करोड़ के पटाखे दागकर पर्यावरण की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। शहर से लेकर गांव-देहात तक देर रात तक पटाखों दागने का सिलसिला चलता रहा। दिवाली के अगले दिन मंगलवार सुबह सड़कों और गलियों में पड़ा पटाखों का मलबा और वातावरण में फैली रसायनों की गंध इसकी साफ गवाही देते दिखी। इससे जिले का पर्यावरण का खासा नुकसान पहुंचा।

सोमवार रात नौ बजे एक्यूआई 131, सुबह तड़के पहुंचा 224 पर

विशेषज्ञों के मुताबिक दिवाली की रात वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 220 के पार जा पहुंचा। जोकि अति संवेदनशील की श्रेणी में आता है। वहीं दिवाली के अगले दिन यानी मंगलवार सुबह करीब सात बजे एक्यूआई 164 दर्ज किया गया है। हवा जहरीली होने का सिलसिला सोमवार रात करीब 09 बजे शुरू हो गया। उस दौरान 131 पर पहुंच गया, जबकि इससे पूर्व एक्यूआई लेवल महज 95 पर था। रात 12 बजे के आसपास एक्यूआई 194 पर जा पहुंचा। आतिशबाजी का सिलसिला ऐसा चला कि मंगलवार तड़के एक्यूआई को स्तर 224 तक पहुंच गया। विशेषज्ञों की मानें तो 201-300 वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत ही अस्वस्थकर माना जाता है। इससे पूरी आबादी के ही प्रभावित होने की अधिक संभावना है। ऐसे में विशेषज्ञ जिले की हवा में जहर घुलना तय मान रहे हैं। उनका मानना है कि आतिशबाजी की वजह से जहरीली हुई हवा का असर 72 घंटे तक बना रहेगा। जबकि सप्ताह भर पहले जिले का वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 के आसपास दर्ज किया गया था।

दीपावली की रात आतिशबाजी के दौरान उठता धुंआ। ● अमृत विचार

- मरीजों, बच्चों और खासकर बुजुर्गों को परेशानी का करना पड़ सकता है सामना

> पर्यावरण को लेकर अब भी लोग जागरूक नहीं है। जाहिर सी बात है कि इसका असर पर्यावरण पर पड़ना ही है। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक भी सामान्य दिनों की अपेक्षा अपने दोगुने स्तर पर पहुंच गया। हवा की गति कम होने से इसे सामान्य होने में 72 घंटे लग सकते हैं। लोग खासकर बच्चे व बुजुर्ग विशेष सावधानी बरतें। – **लक्ष्मीकांत शर्मा**, पर्यावरणविद्

यह है वायु गुणवत्ता सूचकांक का पैमाना

एक्यूआई	श्रेणी
0-50	अच्छा
51-100	मध्यम
101-150	संवेदनशील
151-200	अति संवेदनशील
201-300	अस्वस्थकर
300 से अधिक	खतरनाक

स्कूटी टकराने के विरोध में मारपीट तीन लोग घायल

पीलीभीत, अमृत विचार : नौगवां चौराहे पर स्कूटी टकराने के बाद मारपीट हो गई। युवक को घेरकर दूसरी स्कूटी पर सवार युवकों ने पिटाई कर दी। बचाने आए चाचा और भाई को भी पीटा। स्कूटी में भी तोड़फोड़ की गई।

- नौगवां चौराहे पर हुई घटना, स्कूटी में भी तोड़फोड़

सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के नौगवां पकड़िया वार्ड नंबर एक निवासी आर्यन सिंह पुत्र रतिभान सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 अक्टूबर की रात साढ़े नौ बजे वह अपने घर स्कूटी से जा रहे थे। तभी कुछ युवकों ने उसकी स्कूटी पर एक अन्य स्कूटी से टक्कर मार दी। जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिससे वह चोटिल हो गया।

स्कूटी में भी तोड़फोड़ की गई। उसके चाचा और भाई ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। इससे सभी लोग घायल हो गए। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जिसपर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवविवाहिता की मौत हत्या करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 18 दिन पहले किया था प्रेम विवाह, न्यूरिया क्षेत्र के पंडरी गांव का मामला
- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा, मृतका के पिता ने पुलिस को दी तहरीर

अमृत विचार : ससुराल में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। जबकि ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि घर की सफाई करते वक्त उसे करंट लग गया था। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। इधर, मृतका के परिवार वालों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बताते हैं कि थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम पंडरी निवासी 20 वर्षीय आरती देवी ने इसी माह दो अक्टूबर को गांव के ही सतीश कुमार के साथ प्रेम विवाह किया था। रविवार की रात में उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि दिवाली के अवसर पर रविवार को आरती घर की सफाई कर रही थी। इसी दौरान घर में लगी खिड़की की सफाई करते समय उसे बिजली का करंट लग गया। वह बेहोश होकर गिर पड़ी। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मायके पक्ष के लोगों को मिली तो वह मौके पर पहुंच गए। मृतका के पिता नेमचंद्र ने ससुराल पक्ष के लोगों पर पुत्री की हत्या कर देने का आरोप लगाया है। उन्होंने न्यूरिया थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर पहुंची न्यूरिया पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाया है। सीओ प्रशिक्षु गायत्री यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

ई-रिक्शा चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : गांव पतरसिया निवासी रामचंद्र ने तहरीर देकर बताया 10 वर्षीय पुत्र 19 अक्टूबर को बीसलपुर के गांव टिकरी माफी में कोचिंग पढ़कर ई रिक्शा से घर लौट रहा था। गांव मुड़िया हुलास निवासी ई रिक्शा चालक नन्हेलाल तेजी व लापरवाही से वाहन चलाता हुआ आया और पुत्र को गिरा दिया। जिस कारण उसके गंभीर चोटें आई। पुलिस ने ई रिक्शा चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

शहीद पुलिसकर्मियों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

शहीद स्मृति स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित करते एसपी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका नमन किया गया। पुलिस लाइन परिसर स्थित शहीद स्मृति स्थल पर कार्यक्रम हुआ। जिसमें कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद पुलिसकर्मियों को याद किया गया। एसपी अभिषेक यादव ने सलामी देकर नमन किया। पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, सीओ यातायात विधि भूषण मौर्य, प्रतिसार निरीक्षक संतोष राघव आदि मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप के पास निकले अजगर को जंगल में छोड़ा

अमरिया, अमृत विचार: ड्यूनी डैम मझोला मार्ग पर उदयपुर गांव के पास पेट्रोल पंप है। इसके नजदीक मंगलवार को एक अजगर दिखाई दिया। सूचना मिलने पर वन दरोगा शैलेंद्र कुमार टीम के साथ पहुंच गए। टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर लिया। अजगर करीब 12 फीट लंबा और 25 किलो वजन का था।

शांति और भाईचारे की कामना की

संवाददाता, मझोला

अमृत विचार: कस्बे के गुरुद्वारा श्रीगुरु कलगीघर सिंह सभा में मंगलवार को बंदी छोड़ दिवस बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। गुरुद्वारे परिसर में विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें क्षेत्रभर से संगत पहुंची।

दिवाली पर्व को लेकर गुरुद्वारे में दीप प्रज्ज्वलित किए गए। पूरे परिसर को आकर्षक लाइटों से सजाया गया। इसकी जगमगाहट और रंगीन चमक देखते ही बन रही थी। अरदास में शामिल होकर गुरु के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक कथाओं को सुना। हेड ग्रंथि गुरवंत सिंह ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। सेवा में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार बलविंदर सिंह ने बताया कि बंदी छोड़ दिवस को सिख इतिहास का पावन दिन बताते हुए विस्तार से जानकारी दी। अंत में गुरु का लंगर के रूप में प्रसाद वितरित किया गया। संगत ने देश में शांति, सद्भाव और भाईचारे की कामना की।

गुरुद्वारा श्रीगुरु कलगीघर सिंह सभा में प्रज्जवलित किए गए दीप। ● अमृत विचार

- गुरुद्वारा श्रीगुरु कलगीघर सिंह सभा में बंदी छोड़ दिवस मनाया

चोरी की ट्रॉली बरामद आरोपी को भेजा जेल

बरखेड़ा, अमृत विचार: पुलिस ने चोरी की गई ट्रॉली को बरामद कर लिया। घटना करने में इस्तेमाल किए गए ट्रैक्टर को भी कब्जे में लिया गया गया है। पकड़े गए आरोपी को चालान कर कोर्ट में पेश करके पुलिस ने जेल भेज दिया।

बता दें कि बीते दिनों एक ग्रामीण की ट्रॉली घर के बाहर से चोरी हो गई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सुरागरसी की। जिसके बाद पुलिस ने बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम गंगापुरी निवासी आकाश पुत्र सेवाराम को नरायनपुर मोड़ से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की गई ट्रॉली बरामद की गई। दरोगा श्रीषचंद्र ने बताया कि आरोपी ने जिस ट्रैक्टर की मदद से ट्रॉली चोरी की थी उसे भी कब्जे में लिया गया है।

कंडे की वटिहा में आग लगने पर हुआ विवाद

संवाददाता, बीसलपुर

- मारपीट में महिला सहित चार घायल, पुलिस जांच में जुटी

अमृत विचार: पड़ोसी की छत पर रखी कंडे की वटिया में लगी आग को महिला व उसके परिवार ने बुझाने का प्रयास किया। ये देख पड़ोसी ने आग लगाने का आरोप लगाते हुए महिला के परिवार से मारपीट की।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गांगूपुर निवासी महेंद्र पाल की पत्नी सोमवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अक्टूबर वह अपने परिवार के साथ छत पर खाना खा रही थी। इसी दौरान पड़ोसी कलयान राय की छत पर रखे कंडे की वटिहा में अचानक आग लग गई। आग देखकर सोमवती के परिवार के लोग पानी से वटिहा की आग बुझाने लगे। महिला के परिवार के लोगों को आग बुझता हुआ देख पड़ोसी कल्यानराय, मनोज कुमार, बबलू, गरीबदास, जंग बहादुर लाठी डंडे व अन्य हथियार लेकर घर में घुस आए। गाली गलौज करते हुए आग लगाने का आरोप लगाया। जब ये कहा गया कि कहीं से आई चिंगारी से हादसा हुआ है तो भी नहीं माना। आरोप है कि मनोज कुमार ने परिवार के जयप्रकाश के सिर पर बांके से वार कर दिया। कल्याण राय ने सोमवती पर लाठी से वार किया। परिवार के अन्य सदस्यों की भी पिटाई कीर गई और छत पर रखा मोबाइल भी ले गए। सोलर प्लेट, चारपाई समेत अन्य सामान में तोड़फोड़ की गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

देसी शराब की दुकान में चोरी, 42 पेटियां उड़ाईं

गजरौला, अमृत विचार : त्योहारी पर पुलिस के सख्त सुरक्षा बंदोबस्त के बीच चोर सक्रिय हुए। बिठौराकलां गांव में एक देसी शराब की दुकान से 42 पेटी शराब चोरी कर ले गए। सूचना मिलनेपर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की।

बता दें कि गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां में देसी शराब की दुकान है। यहां पर सेल्समैन शनिवार रात दुकान बंद करके गया था। इसके बाद चोरों ने दुकान को निशाने पर ले लिया। ग्रिल तोड़कर घुसे चोर 42 पेटी शराब चोरी कर ले गए।दूसरे दिन सोमवार सुबह जब कर्मचारी दुकान पर पहुंचे तो घटना का पता चला। प्रबंधक राकेश कुमार भी पहुंच गए और फिर पुलिस को बुलाया। एसओ ब्रजवीर सिंह ने बताया जल्द खुलासा किया जाएगा।

उर्स में उमड़े अकीदतमंद

जहानाबाद क्षेत्र में हुए उर्स में पहुंचे अकीदतमंद। ● अमृत विचार

जहानाबाद, अमृत विचार: कस्बा स्थित हुजूर शौकत मियां हुजूर का सालाना उर्स बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर चादरपोशी की रस्म अदा की गई। शाम में कव्वाली का प्रोग्राम आयोजित किया गया।

इसमें कव्वाल मासूम अली सुल्तानी बिलासपुरी ने अपनी कलाम पेश करके लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे कुल शरीफ हुआ। जिसके बाद फातेहा हुई और दुआ की गई। गद्दीनशीन शफीक मियां ने लोगों से आपस में भाईचारे और एकता से रहने की अपील की। कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन हुआ। बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। इस मौके पर कानूनगो वली अहमद, शकील खान नियाजी, मुस्तकीम खान नियाजी, डॉ. अकलीम खान, सुल्तान कुरैशी, रजी अहमद, फैसल खान आदि मौजूद रहे।

पीटीआर पर्यटन सत्र का काउंटाउन शुरू, तैयारियां जोरों पर

- महोफ गेट तक जाने वाले जर्जर मार्ग का निर्माण तेज, मुस्तफाबाद जाने वालों को बढ़ेगी दुश्वारियां

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र को लेकर काउंट डाउन शुरू हो चुका है। इको टूरिज्म स्पॉट चूका समेत टाइगर रिजर्व के सभी टूरिज्म प्वाइंटों को सजाने-संवारने की कार्य तेजी से चल रहा है। पर्यटन सत्र के दौरान प्रयोग किए जाने वाले जंगल मार्गों की साफ-सफाई कर दी गई है। वहीं सैलानियों को कोई असुविधा न हो, इसको लेकर शहर से महोफ गेट की ओर जाने वाले मार्ग के नवीनीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र इस बार पहली नवंबर से शुरू होने जा रहा है। आगामी पर्यटन सत्र को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन तेजी से तैयारियों में जुटा हुआ है। इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच, सप्त सरोवर समेत पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन स्थलों एवं सफारी मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से चल रहा है। सैलानियों के बीच आर्कषण का केंद्र बनने वाले चूका बीच में हटों के रंग-रोगन के साथ उन्हें आकर्षक लुक दिया जा रहा है। सैलानियों के स्वागत के लिए टाइगर रिजर्व के सिग्नेचर गेट भी तैयार किए जा रहे हैं। वन अफसर कराए जा रहे कार्यों पर नजर रखे हुए है ताकि आने वाले देशी एवं विदेशी सैलानियों को असुविधा का सामना न करना पड़ा।

महोफ गेट जाने वाले मार्ग का कराया जा रहा निर्माण। ● अमृत विचार

> आगामी पर्यटन सत्र को लेकर पीटीआर में तैयारियां तेज कर दी गई है। चूका बीच समेत अन्य स्थानों पर साफ-सफाई कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है। चूका बीच की हटों समेत सभी गेस्ट हाउस को भी सजाया संवारा जा रहा है। महोफ गेट तक जाने वाला मार्ग बनाया जा रहा है। इससे सैलानियों को खासी सुविधा मिलेगी।
> – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

महोफ गेट जाने वाला मार्ग देगा सहुलियत

पर्यटन सत्र के दौरान पीलीभीत टाइगर रिजर्व जाने वाले सैलानियों को दो स्थानों से प्रवेश दिया जाता है। इसमें एक महोफ गेट है। यहां शहर से वनकटी रोड होते हुए महोफ गेट नंबर एक पर पहुंचा जा सकता है। वहीं पूरनपुर-खटीमा मार्ग पर मुस्तफाबाद गेस्टहाउस पर मुस्तफाबाद गेट नंबर दो पर सैलानी प्रवेश करते हैं। महोफ गेट को गत वर्ष ही सैलानियों के लिए खोला गया था। मगर, इस बार जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते सैलानियों को मुस्तफाबाद गेट तक जाना दुश्वारियों भरा हो सकता है। वजह यह है कि मुस्तफाबाद जाने के लिए हरदोई ब्रांच नहर के डगा पुल और कलीनगर पुल के क्षतिग्रस्त होने के चलते इन दोनो को पुलों को बंद किया गया है। ऐसे में मुस्तफाबाद जाने वाले सैलानियों को इस बार हरदोई ब्रांच नहर पर बने तीसरे पुल से होकर ऊबड़-खाबड़ रास्तों से होकर जाना होगा। मुस्तफाबाद गेट तक जाने के लिए राह मुश्किल होती देख जिम्मेदारों ने इस बार पूरा फोकस महोफ गेट पर किया है। बनकटी रोड होते हुए महोफ गेट तक जाने वाले मार्ग के जर्जर हिस्से को दुरुस्त किया जा रहा है। यहां लोक निर्माण विभाग की ओर से करीब 1.7 किमी मार्ग का नवीनीकरण किया जा रहा है। ऐसे में इस मार्ग के बन जाने से सैलानी आसानी से महोफ गेट तक पहुंच सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

बरखेड़ा में चेयरमैन ने परिवारों को बांटी सामग्री

बरखेड़ा, अमृत विचार : नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल ने क्षेत्र के जरुरतमंद लोगों के घर पहुंचकर उन्हें मिठाई, लक्ष्मी गणेश की तस्वीरे समेत अन्य पूजन सामग्री वितरित की। उन्होंने दौलतपुर मार्ग पर स्थित अपने कार्यालय पर नगर पंचायत कर्मचारियों को भी मिष्ठान एवं उपहार वितरित किए।

जेठ और जेठानी पर कराई एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव लखनऊकलां की रहने वाली अंजली पत्नी सुरेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति बाहर गए थे। 18 अक्टूबर की सुबह उसकी जेठानी राखी पत्नी राजेश से कहासुनी हो गई। आरोप है कि जेठ ने गाली गलौज के बाद मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

पड़ोसी पर चोरी का शक जताया, रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अलकथान के रहने वाले नरोत्तम वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 अक्टूबर की रात में उसके घर में पुत्रवधू रीना देवी, बेटे निशपाल व मुनेंद्रपाल सो रहे थे। रात में चोर घर में रखें सोने व चांदी के जेवरात ले गए। पड़ोसी राजेंद्र कुमार व उसकी पत्नी सीमा देवी पर शक जताया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

गाली देने के बाद पीटा

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा बरखेड़ा के वार्ड नंबर तीन के रहने वाले अजय जोशी पुत्र ओमप्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अक्टूबर को घर के बाहर खड़े हुए थे। मोहल्ले के ही बादल, तनू उसके पास आए और गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की गई। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

लक्ष्मी-गणेश का पूजन कर दीयों से रोशन किए घर-प्रतिष्ठान

जिलेभर में सोमवार को धूमधाम से मनाई दीपावली, आतिशबाजी की रात भर गूंजती रही आवाज, बधाइयों का चलता रहा सिलसिला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिलेभर में सोमवार को धूमधाम से दिवाली मनाई गई। मां महालक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए लोगों ने घर-दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया। देर शाम शाम को शुभ मुहूर्त के बीच घर, दुकान में महालक्ष्मी व भगवान श्रीगणेश का विधि विधान से पूजन किया गया। लोगों ने पंचमेवा, फल, मोतीचूर के लड्डू अर्पित कर पूजा की और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए दीप जलाए। जिसकी रोशनी से घर आंगन चमक उठे। आकर्षक झालरों से शहर और गांव ऐसे रोशन हुए कि मानों आसमान से तारे जमीं पर उतर आए हों। हर घर-आंगन उजियारा रहा। पूजन के बाद जमकर आतिशबाजी हुई।

सुबह से ही लोगों ने अपने घर और प्रतिष्ठानों पर साफ सफाई करने के बाद दिवाली पूजन की तैयारियां शुरू कर दी थी। दिन भर लोग बाजार में फूल, गन्ना, मिष्ठान, आतिशबाजी आदि सामान की खरीदारी करते दिखे। शाम होते ही लोगों ने घर, आंगन, खेत-खलिहानों के साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दीप प्रज्जवलित कर मां लक्ष्मी का आवाहन किया गया। घरों के द्वार-आंगन में रंगोली सजाई गई। आकर्षक झालरों से भी सजावट की गई। बिजली की रंग-बिरंगी झालरों से सजीं इमारतें दुल्हन सरीखी नजर आ रही थीं। वहीं प्राकृतिक के साथ फूलों से भी आकर्षक साज-सज्जा की गई। जिसकी वजह से पूरे शहर का नजारा देखने लायक था। शुभ

दीपावली की रात रोशनी से जगमगाता नौगवां चौराहा। ● अमृत विचार

मुहूर्त में वरुण के प्रतीक रूप में कलश की स्थापना हुई। रिद्धि और सिद्धि के प्रतीक के रूप में दो दीपक जलाए गए। विधि-विधान पूर्वक पूजन करने वालों ने नवग्रह का भी आह्वान किया। साथ ही महालक्ष्मी और गणेश को मिष्ठान, आभूषण समेत विविध पकवान भी अर्पित किए गए। पूजन करने के बाद इष्ट देवों के निमित्त दीपदान किए गए। इसके बाद घर से लेकर आंगन और मंदिरों को दीप से सजाया गया। व्यापारियों ने लक्ष्मी, गणेश की पूजा कर दुकानों पर दीप जलाकर माता महालक्ष्मी से कृपा बनाए रखने की कामना की। पूजा अर्चना कर लोगों में मिठाइयां बांटी गईं। हवन-पूजन और दीयों से घर प्रतिष्ठान सजाने के बाद जमकर आतिशबाजी की। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने आतिशबाजी करते हुए खूब वीडियो बनाकर अपलोड किए। घर प्रतिष्ठान रोशनी से जगमग दिखे।

दिवाली के मौके पर एक परिवार को मिठाई व अन्य सामग्री देने पहुंचे डीएम-एडीएम।

राज्यमंत्री ने परिवार समेत मनाया पर्व, अफसरों ने घर-घर बांटी खुशियां : राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने सपरिवार दिवाली पर्व मनाया। पूजन कर सुख समृद्धि की कामना की। जन सहयोग कार्यालय पर परिवार सहित हवन पूजन किया। परिचितों से मुलाकात की गई। कहा कि दीपों का पर्व दिवाली हमारे परंपरागत और आस्था का प्रतीक है। यह पर हमें जीवन के अंधकार को दूर कर रोशनी लाने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर उनकी पत्नी रश्मि गंगवार, पिता बाबूराम गंगवार, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, ऋषि श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। उधर, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एडीएम वित्त ऋतु पूनिया समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने जरूरतमंद परिवारों के घर-घर जाकर पर्व की खुशियां बांटी। विभिन्न वार्डों में जरूरतमंद परिवारों से मुलाकात कर बधाई दी। वहीं, मिष्ठान,फल, दीपक, लक्ष्मी -गणेश की मूर्ति भेंट की। इसके अलावा तहसील स्तर पर एसडीएम समेत अन्य अधिकारी जरुरतमंदों को उक्त सामग्री वितरित करते रहे।

कार्तिक अमावस्या पर कराया यज्ञ

दियोरिया कलां, अमृत विचार : आर्य समाज बढ़ैरा में शारदीय नवसस्येष्टि के (दिवाली) के अवसर पर विशेष यज्ञ कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हुआ। आचार्य शिशुपाल शास्त्री, सहायक आचार्य नरेश आर्य रहे। यजमान भुपेंद्र आर्य सपत्नीक शामिल हुए। आचार्य शिशुपाल शास्त्री ने यज्ञ के उपरांत अपने प्रवचनों के माध्यम से दिवाली के वैदिक स्वरूप का वर्णन किया। यज्ञ को वेद में विष्णु कहा गया है। जहां विष्णु की पूजा होती है वहां लक्ष्मी स्वयं आ जाती हैं। इस मौके पर झांझन लाल आर्य, मुरारीलाल आर्य, रामसागर आर्य, चंद्रपाल आर्य, भोजेंद्रपाल आर्य, सुरेश आदि मौजूद रहे।

बिलंसडा में भी छाई पर्व की रौनक

बिलसंडा, अमृत विचार : दिवाली पर्व नगर समेत क्षेत्र भर में मनाया गया। पर्व के दिन भी जमकर खरीदारी हुई। घर प्रतिष्ठान रंग बिरंगी रोशनी से जगमगा उठे। लक्ष्मी गणेश का पूजन करने के बाद घरों पर दीप प्रज्वलित किए गए। बच्चों और युवाओं में आतिशबाजी को लेकर खासा उत्साह रहा।

बीसलपुर में उत्साहपूर्वक मनाई गईं दीपावली

बीसलपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। संघ के सह विभाग कार्यवाह भद्रपाल गंगवार, दीपक अग्रवाल, प्रशांत मिश्रा आदि मौजूद रहे। व्यापार फैंस क्लब के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार गुप्ता ने मोहल्ला दुबे में दर्जनभर जरूरतमंद परिवारों को मिष्ठान वितरित किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित गायत्री शक्तिपीठ में गायत्री यज्ञ एवं दीपोत्सव पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजेंद्र कुमार, मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

खूब बिके फूल-माला

दिवाली के दिन फूलों का बाजार गर्म रहा। कमल के फूल 30 से लेकर 70 रुपये के बीच बिके। गेंदा के फूलों की माला 50 से 70 रुपये के बीच बिकी। वहीं थोक में गेंदा का फूल 250 रुपये किलो तक बिका। घरों को सजाने के लिए बनावटी फूलों और सजावट की दुकानों पर भी भीड़ दिखी। दिवाली पर फूलों और रंगोली से घर की सजावट मनमोहक रही। रंगोली सजाने में लोगों ने तरह-तरह के प्रयोग किए। कुछ ने रंग-बिरंगे फूलों से अपनी चौखट को सजाया तो कुछ ने रंगोली से मां लक्ष्मी और गणेश की आकृति बनाई।

दीपावली पर आतिशबाजी छुड़ातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

पटाखे की चिंगारी से लगी झोपड़ी में आग, जला सामान

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : दिवाली की खुशियों के बीच हादसे ने एक परिवार की चिंता बढ़ा दी। पटाखे की चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गई और सामान जल गया।

कस्बे के वार्ड नंबर दो के निवासी निवासी नत्थूलाल कश्यप के घर में रविवार शाम आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग ने देखते ही देखते झोपड़ी में रखे घरेलू सामान, कपड़े, बर्तन और फर्नीचर को अपनी लपटों में समेट लिया। नत्थूलाल कश्यप पुत्र मलखान सिंह ने बताया कि वह दिवाली के लिए बाजार में सामान लेने गए हुए थे। घर पर उनकी पत्नी सुनीता देवी, पुत्र अनमोल और पुत्री शालिनी मौजूद थीं। इसी दौरान किसी ने पास में पटाखा जलाया जिसकी चिंगारी छत पर रखी झोपड़ी पर जा गिरी। पुआल से बनी झोपड़ी ने तुरंत आग पकड़ ली। परिजन और पड़ोसियों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक झोपड़ी में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। गृहस्वामी नत्थूलाल ने बताया कि आगजनी में करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ।

आग लगने से घर का जला पड़ा सामान। ● अमृत विचार

दो छप्परों में लगी आग हजारों का नुकसान

पीलीभीत, अमृत विचार : कलीनगर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत मथना जप्ती के मौजा रानीगंज में सोमवार शाम दिवाली पर्व की खुशियां मनाने के दौरान गांव निवासी प्रमोद पुत्र टीकाराम और छोटेलाल पुत्र रामप्रसाद के छप्परपोश घरों में अचानक आग लग गई। चंद मिनटों में आग की लपटें आसमान तक पहुंच गईं। ग्रामीणों ने दीपावली के दौरान जलाए गए पटाखों से आग लगने की आशंका जताई है।

विवाहिता से मारपीट व छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचारः थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने तहरीर देकर बताया पुत्रवधू तीन अक्टूबर की शाम करीब छह बजे घर पर थी। पड़ोसी ने उसके दरवाजे पर नाली में गंदगी डाल दी। विरोध करने पर आरोपी देवदत्त, नन्हेंलाल, आत्माराम, राजेश, अमित, आरती देवी, जावित्री देवी ने लाठी डंडे से पुत्रवधू के साथ मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी। पुत्रवधू के साथ अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ की। जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

15 करोड़ रुपये की बिकी मिठाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **घी और काजू के बढ़े दामों से बढ़े मिठाई के रेट, फिर भी ग्राहकों ने दिल खोलकर की खरीदारी**

अमृत विचार : दिवाली पर इस बार मिठाई बाजार में महंगाई के बावजूद खरीदारों का उत्साह कम नहीं हुआ। जिले की लगभग 300 से अधिक मिठाई दुकानों पर दिवाली से पहले ही ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कारोबारी कई दिन पहले से स्टॉक तैयार कर चुके थे, लेकिन फिर भी दिवाली की शाम तक काउंटर खाली हो गए।

अनुमान है कि इस बार जिले में करीब 300 कुंतल से अधिक मिठाई बिकी, जिसका कारोबार करीब 15 करोड़ रुपये के बीच माना जा रहा है। कारोबारियों का कहना है कि इस साल घी, काजू और ड्राई फ्रूट के दामों में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई। घी में जहां 100 रुपये किलो से बढ़कर 150 रुपये किलो तक की बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं काजू के दाम 150 रुपये किलो से अधिक की बढ़ोत्तरी हुई है। इन कारणों से मावा और मेवा दोनों तरह की मिठाइयों के रेट बढ़ गए। इस बार मिठाई का रेट 550 से 650 रुपये किलो तक रहा। जबकि कंपनी ब्रांड इससे भी अधिक रेट रहा। इसके बावजूद ग्राहकों ने स्वाद से समझौता नहीं किया और मिठाई की खूब खरीदारी की। मिठाई कारोबारी पारस गुप्ता ने बताया कि महंगाई के चलते कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर की गई, लेकिन ग्राहकों का जोश पहले जैसा ही रहा। इस बार मेवा की मिठाई, काजू कतली, मोतीचूर के लड्डू, सोहन हलवा और ड्राई फ्रूट बर्फी की बिक्री सबसे अधिक रही। उन्होंने बताया कि पिछले साल की तुलना में बिक्री में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

पटाखा जलाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट, सात लोग घायल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला, दोनों पक्षों ने दी तहरीर**
- **पुलिस ने हालात काबू में किए गांव में तनाव होने से पुलिस तैनात**

अमृत विचार : दिवाली पर पटाखा जलाने को लेकर मामूली विवाद संघर्ष में बदल गया। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के मुजफ्फरनगर गांव में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले। घटना में दोनों ओर से सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए और दोनों पक्षों की तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के मुजफ्फनगर निवासी रामगोपाल वर्मा ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि सोमवार रात उनका परिवार घर के बाहर बच्चे का जन्मदिन मना रहा था। इसी दौरान वे लोग पटाखे जला रहे थे। इस बात को लेकर पड़ोसी मुकुट बिहारी व उनके परिजनों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि मुकुट बिहारी पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। मारपीट में रामगोपाल, विनोद कुमार, धर्मवीर, प्रमोद कुमार और रामपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के मुकुट बिहारी और मथुरा प्रसाद भी घायल हुए। ग्रामीणों और परिजनों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी पूरनपुर ले जाया गया, गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी पर कोतवाल पवन पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी की। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीरें मिली हैं। जांच कर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण पर किया हमला, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचारः थाना क्षेत्र के गांव ढल्लिया के रहने वाले जमुना प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 अक्टूबर को वह गांव में ही होली चौराहे पर खड़े थे।

इस बीच गांव के दीनदयाल, पप्पू के साथ आया और गाली गलौज की।विरोध करने पर हमला कर मारपीट की गई। भीड़ जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं, गांव नगरा अब्दुल्ला ताल्लुके मूसेपुर के रहने वाले अजय पुत्र द्वारिका प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 अक्टूबर की शाम साढ़े सात बजे गांव के भानू ने गाली गलौज की। जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर मारपीट की गई। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस जांच कर रही है।

8.50 करोड़ रुपये के पार हुआ आतिशबाजी कारोबार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **दो सालों की तुलना में बेहतर रहा कारोबार, कारोबारी खुश**
- **जिले में लगी थी 500 से अधिक दुकानें, कई दुकानों पर भी बचा माल**

अमृत विचार : दिवाली पर इस बार रोशनी और रौनक का संगम बन गया। जमीं से लेकर आसमां तक चमकते रंगीन नजारों ने हर किसी का मन मोह लिया। शहर से लेकर गांव तक गूंजे पटाखों की आवाज़ और चमकी आतिशबाजी ने रात को दिन में बदल दिया। दो सालों की सुस्ती के बाद इस बार बाजार में खूब रौनक रही। पटाखों, दीयों, सजावट और मिठाइयों की बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। जिलेभर में लगी 500 से अधिक दुकानों पर खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ ने कारोबारियों के चेहरे खिला दिए। आतिशबाजी कारोबारियों के अनुसार इस पर बार जिले भर में करीब 8.50 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है।

जिले में वैसे तो स्थायी तौर पर तीन लाइसेंस धारक आतिशबाजी कारोबारी है, लेकिन दिवाली के पर्व

छत पर अनार से निकलती सतरंगी छटा।

को लेकर प्रशासन की ओर से हर वर्ष अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाते हैं। इस दिवाली भी शहर में करीब 147 अस्थायी लाइसेंस बनाए गए थे। जिन्होंने रामलीला मैदान में आतिशबाजी की दुकान लगाई थी। इन दुकानों के लिए करीब पांच दिन का समय मिला। जिसमें उन्होंने जमकर बिक्री की। इसके अलावा पूरनपुर, कलीनगर, अमरिया, बीसलपुर और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों मे भी आतिशबाजी के अस्थायी बाजार सजाए गए। दुकानों पर मिट्टी वाले अनार के बजाय कागज अनार, स्काई शॉट, रॉकेट, सीता-गीता और ऊनी बम और चित्तमबरम फायर शॉट की खूब मांग रही। बच्चों के लिए झालर, चरखी और झूमर जैसी छोटी आतिशबाजियां भी हाथों हाथ बिकीं। इसके अलावा खास दिवाली वाले दिन आतिशबाजी की जमकर बिक्री हुई। आतिशबाजी के शौकीन युवाओं ने आसमान को सतरंगी रंगों से नहलाने के लिए रॉकेट, स्काई शॉट और साउंड सेट खरीदें। रात 12 बजे के बाद आतिशबाजी बाजार में सस्ते दामों पर बिक्री का दौर भी शुरु हुआ। जहां युवाओं की खूब खरीदारी की। कारोबार के लिहाज से भी यह दिवाली रिकॉर्ड तोड़ साबित हुई। अनुमान है कि महज एक रात में ही पीलीभीतवासियों ने 8.50 करोड़ रुपये से अधिक की आतिशबाजी आसमान में उड़ा दी। कारोबारी अजीम ने बताया कि इस बार दामों में बहुत अंतर नहीं था, लेकिन बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। शहर में करीब चार करोड़ और अन्य जगह का मिलाकर करीब 8.50 करोड़ का कारोबार होने की उम्मीद है। हालांकि इस बार कुछ दुकानदारों का माल भी बच गया। जिसका कारण यह रहा कि डिग्री कॉलेज, रामलीला मैदान और असम चौराहा से वाहनों को भीतर नहीं आने दिया गया। जिस वजह से अन्य क्षेत्र के लोग खरीदारी करने के लिए नहीं आ सके।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

गेहूं पिसवाने गए बुजुर्ग का नाले में मिला शव, हत्या करने की आशंका

जहानाबाद के ग्राम बिंदुआ का मामला, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि

संवाददाता, पीलीभीत/जहानाबाद

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। गेहूं पिसवाने के लिए बाजार जाने की बात कहकर वह घर से निकला था और फिर उसका शव नाले में उतराता मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। परिजन ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस शव पोस्टमार्टम कराकर जांच कर रही है। घटना के चलते मौके पर भीड़ लगी रही।

जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम बिंदुआ के रहने वाले 55 वर्षीय वृंदावन पुत्र छोटेलाल मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। इसके अलावा खेती भी करते थे। रविवार दोपहर करीब तीन बजे वह घर से साइकिल पर सवार होकर गेहूं पिसवाने के लिए ग्राम गौनेरा की तरफ गए थे। इसके बाद से वापस नहीं आए। देर शाम तक वापस न आने पर परिवार वालों को चिंता हुई। काफी खोजबीन करने के बाद भी श्रमिक का कुछ पता नहीं चल सका। दूसरे दिन सोमवार सुबह गांव के पास एक नाले में वृंदावन का शव उतराता मिला। ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलने पर पुलिस और परिवार वाले भी आ गए। शव की शिनाख्त की। इसके बाद परिवार ने हत्या की आशंका जताई। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर सुरागरसी कराई गई।जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से भी घटना को लेकर जानकारी की। उधर, परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा। पर्व के दिन हुई मौत से खुशियां मातम में तब्दील हो गई। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि नाले में बुजुर्ग का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है। प्रथम दृष्टया मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। मृतक की साइकिल का पता नहीं चल सका है। परिजन से कोई तहरीर नहीं मिली है।

घटनास्थल पर पड़ताल करती जहानाबाद पुलिस। ● अमृत विचार

- त्योहार के दिन हुई घटना से परिवार में छाया मातम, परिजनों का रोकर बुरा हाल

नहीं मिल सकी मृतक की साइकिल

परिवार वालों ने शव मिलने के बाद हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए डूबने से मौत बता रही है। मगर अभी भी एक रहस्य बरकरार है। परिजन का कहना था कि मृतक की साइकिल गायब है। वहीं, आटा भी मौके पर नहीं था। ऐसे में उसे कौन ले गया। इसी के चलते अनहोनी की आशंका जताई जा रही थी। मगर, साइकिल पुलिस अभी भी नहीं तलाश सकी है।

सिपाही से भिड़ गया युवक मारपीट का वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रामलीला मैदान में लगी आतिशबाजी की दुकान तक बाइक ले जाने को लेकर हुआ विवाद
- सूचना पर पहुंची पुलिस ने मारपीट करने वाले आरोपी पकड़ा सिपाही ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : दिवाली के दिन आतिशबाजी बाजार में ड्यूटी पर तैनात सिपाही को स्कूटी रोकना भारी पड़ गया। स्कूटी सवार दो युवकों ने सिपाही के साथ मारपीट की। हमला कर मौके से फरार भी हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और कुछ ही देर में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में सिपाही की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

थाना सनगढ़ी क्षेत्र के रामलीला मैदान में अस्थायी आतिशबाजी बाजार लगा हुआ था। सोमवार को दिवाली के दिन दोपहर तीन बजे थाना सुनगढ़ी में तैनात कांस्टेबल मनीष कुमार की ड्यूटी आतिशबाजी बाजार में लगी हुई थी। वह रामलीला मैदान गेट पर लगे बैरियर पर बाजार में खरीदारी करने आ रहे लोगों के वाहन पार्क करा रहे थे। इस दौरान एक स्कूटी पर सवार होकर दो लोग वहां पहुंचे और जबरन वाहन को अंदर ले जाने लगे। सिपाही ने जब उन्हें रोका तो दोनों युवक भड़क उठे और सिपाही से धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट करने लगे। इससे मौके पर हड़कंप मच गया। वहां मौजूद कुछ लोगों ने पूरे घटना क्रम का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

सिपाही की सूचना पर जब तक अतिरिक्त फोर्स मौके पर पहुंचा दोनों युवक वहां से भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम अमित कुमार लोधी पुत्र रामपाल सिंह, अजय यादव पुत्र राजपाल सिंह निवासी आवास विकास कॉलोनी बताया। पुलिस ने स्कूटी भी बरामद कर ली। सिपाही की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने का रिपोर्ट दर्ज की गई है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश कुमार त्यागी ने बताया कि दोनों युवकों का चालान कर दिया गया है।

अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलटा श्रमिक की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार: ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर एक ग्रामीण की मौत हो गई। दिवाली की शाम हुए हादसे से परिवार में कोहराम मचा रहा।

सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के ग्राम चतीपुर के रहने वाले सोनू शुक्ला (35) पुत्र राधेश्याम पिपरिया दुलई गांव के एक फार्मर के यहां काम करते थे। सोमवार को वह खेतपर गए थे। कुछ दूरी पर ट्रैक्टर स्टार्ट खड़ा था जोकि अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसकी चपेट में आकर सोनू घायल हो गए। बमुश्किल उन्हें बाहर निकाला गया। आनन-फानन में अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने मृत घोषसित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया।

विवाहिता की मौत, चार पर रिपोर्ट

संवाददाता, पीलीभीत/जहानाबाद

अमृत विचार: शादी के महज सात माह बाद विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंचे मायके वालों ने अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया। जहानाबाद पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मैदना के रहने वाले तिलकराम पुत्र मंगली प्रसाद ने जहानाबाद थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री ज्योति देवी की शादी 22 मार्च 2025 को क्षेत्र के ग्राम कल्यानपुर चक्रतीर्थ निवासी गनेश पुत्र धर्मदास से हुई थी। दिए गए दहेज से पति गनेश, जितेंद्र, सास नन्दो देवी, ससुर धर्मदास खुश नहीं थे। एक कार और पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज में मांगी जा रही थी। इसके पूरा न होने पर आए दिन प्रताड़ित किया जा रहा था। पुत्री जब भी मायके आती थी, तब इसके बारे में बताया करती थी। 19 अक्टूबर को बेटी की मौत की सूचना मिली। आरोप है कि ससुरालियों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर उनकी पुत्री को जहर देकर हत्या कर दी। जब वह मायके वालों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे तो पुत्री की मौत हो चुकी थी।पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि इस मामले में पति समेत चार आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विलाप करते मृतका के परिवार वाले। ● अमृत विचार

मृतका ज्योति देवी।

- कार और पांच लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का लगा आरोप

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां के रहने वाले 25 वर्षीय राजकुमार पुत्र रामप्रसाद सोमवार सुबह करीब नौ बजे बाइक की किश्त जमा करने के लिए जाने की बात कहकर घर से निकले थे। काम निपटाकर वापस घर आ रहे थे। इसी बीच खाग सराय और कैंच गांव के बीच पहुंचते ही उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए।कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। आरोप है कि एंबुलेंस पहुंचने में देरी हुई। फिर एंबुलेंस से घायल को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। दिवाली के दिन हादसे में युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में चीख पुकार मची रही। रिश्तेदार और ग्रामीणों ने गमगीन परिवार को ढांढस बंधाया। पुलिस ने सूचना मिलने पर जानकारी की। परिजन का रोकर बुरा हाल रहा। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। सीसीटीवी चेक कराए जा रहे हैं।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

- गजरौला पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम
- सीसीटीवी फुटेज चेक करने को लगाई टीमें

बरेली में हादसा युवक की गई जान

भुता (बरेली) ,अमृत विचार : बरेली बीसलपुर मार्ग पर एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से अस्पताल में भेजा। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई है। बरेली बीसलपुर मार्ग पर कस्बा पूरनपुर निवासी जिला पीलीभीत मेघनाथ (45) बाइक से घर जा रहा था। उसी समय अचानक अहिरोला तिराहे के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल बरेली भेजा। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई है। थाना भुता के गांव ग्राम कुआंडाँडा में अपने रिश्तेदारी में आया था।

खेत खाली करने को पराली जलाने की मची होड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: दिवाली पर्व निपटने के साथ ही जनपद में पराली जलाने के मामलों में एकाएक तेजी देखी गई। मंगलवार को जनपद में कई स्थानों पर पराली जलती देखी गई। यह दीगर बात है कि छुट्टी के चलते इन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं देखा गया। अफसरों की मानें तो अब तक जनपद में तीन पराली जलाने की घटनाएं प्रकाश में आई है। इन तीनों मामलों में संबंधित किसानों से जुर्माना वसूला जा चुका है।

जनपद में धान कटाई का कार्य लगभग अंतिम दौर में चल रहा है। धान की कटाई के बाद किसान खेतों में ही पराली को जला देते हैं, ताकि अगली फसल की बुवाई जल्द की जा सके। हालांकि पराली जलाना दंडनीय अपराध है, हर साल ही इसको लेकर सख्ती बरती जाती है। पराली जलाने वाले किसानों से जुर्माना भी वसूला जाता है। इधर, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने पराली जलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पराली जलाने की घटनाओं की मॉनीटरिंग सैटेलाइट के माध्यम की जा रही है। इसके बावजूद पराली जलाने की घटनाएं प्रकाश में आ रही है। मंगलवार को भी कमोवेश ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। वनकटी रोड पर जंगल के आसपास लोग खेतों में पराली जलाते देखे गए। दरअसल दिवाली पर्व संपन्न हो चुका है। अब किसान गेहूं बुवाई को लेकर खेत को खाली करने में जुट गए हैं। इसी वजह से कुछ किसान खेतों में पराली जला रहे हैं। जनपद में अब तक पराली की घटनाओं की बात करें तो 15 सितंबर से अब तक सैटेलाइट के माध्यम से जनपद में अब तक 07 सूचनाएं दी गई। जांच में तीन घटनाएं सही पाई गई। इस मामले में अब तीन किसानों ने पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला जा चुका है।

बनकटी रोड के किनारे खेतों में जलती पराली। ● अमृत विचार

- मंगलवार को कई स्थानों पर जलती दिखी पराली
- अब तक तीन किसानों से वसूला जा चुका जुर्माना

पराली जलाई तो 30 हजार तक देना होगा जुर्माना

यदि पराली जलाने की घटना प्रकाश में आती है तो संबंधित किसान को जुर्माना वसूलने का प्रावधान है। पर्यावरण क्षति पर 02 एकड़ से कम क्षेत्र के लिए 5000 रुपये प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ क्षेत्र के लिए 10,000 रुपये प्रति घटना एवं 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए 30,000 रुपये प्रति घटना अर्थदंड का प्रावधान किया गया है। गत वर्ष पराली जलाने पर जनपद के 75 किसानों से 2.10 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया था।

सैटेलाइट के माध्यम से सूचना मिलने पर टीमों द्वारा सत्यापन किया जाता है। अब तक पराली जलाने के दोषी पाए गए तीन किसानों से जुर्माना वसूला गया है। फसल प्रबंधन का प्रयोग से किसानों को खासा लाभ होगा। खेतों की उर्वरा शक्ति तो बढ़ेगी ही साथ ही पर्यावरण भी शुद्ध बना रहेगा। फसल अवशेष जलाने पर संबंधित किसानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। – **राम मिलन परिहार**, उप कृषि निदेशक

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने छह मोबाइल किए बरामद

रोशननगर, अमृत विचार : थाना प्रभारी सुनील मलिक के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी रूप से काम करते हुए करीब 75 हजार रुपये कीमत के छह मोबाइल बरामद कर उनके असली मालिकों को सुपुर्द किए हैं। बरामद मोबाइल धारक जफर निवासी नौगवां, पवन कुमार जड़ौरा, लोकेश शर्मा छितौनिया, चेतन मूड़ाभाई, अभिषेक बेहड़ा मुल्तान और शिवांशु कुमार कुंवरपुर माफी को सौंप दिए हैं। उधर, पुलिस ने कौरेया गांव में छापा मारकर पांच आरोपितों सुशील, शिवा, दीपक, सूरज और मोटी निवासी कौरेया को गिरफ्तार किया है। मौके से 52 ताश के पत्ते, 1040 रुपये फड़ से नकद और 350 रुपया उनकी तलाशी लेने के दौरान बरामद किए हैं।

रेलवे क्रॉसिंग के निकट मिला अज्ञात शव

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गोला बांकेगंज रेलवे ट्रैक पर जंगल स्थित कोंधवा क्रॉसिंग के पास क्षत विक्षत अज्ञात शव रेलवे ट्रैक के बाईं ओर पड़ा हुआ मिला है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सूचना कोतवाल अंबर सिंह, जीआरपी चौकी इंचार्ज विनोद कुमार सिंह पहुंच गए। उन्होंने राहगीरों एवं पास के गांव के लोगों से शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव सीलकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवा दिया है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि शव दो चार दिन पुराना लग रहा है। काफी प्रयास किए गए लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

पिटाई से मजदूर के कान का परदा फटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कांशीराम कॉलोनी निवासी रामू ने बताया कि वह घर पर सो रहा था। पड़ोसी कल्लू अपने साथियों पोंडा, सोफियान, लाला, ऋषि और कुछ अज्ञात के साथ कमरे में घुस आया। आरोप है कि आरोपियों ने उसे बाहर खींचकर लात-घूसों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसके कान का पर्दा फट गया और उसे सुनाई देना बंद हो गया। हाथ और आंख में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने बताया कि ये लोग रोजाना कॉलोनी में जुआ खेलने आते थे, इसलिए उसने रात में चैनल गेट पर ताला लगा दिया था। इससे नाराज होकर हमला किया। जब उसकी पत्नी बचाने के लिए आई तो उसे भी लात-घूसों से पीटकर गिरा दिया, जिससे उसके पैर में चोट आई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिलिंडर में लगी आग फायर ब्रिगेड ने बुझाई

भानपुर, अमृत विचार : सोमवार को भीरा थाना क्षेत्र के शाहपुर पलियापुरवा गांव निवासी सुधीर कोटेदार के घर में रसोई में गैस सिलेंडर में आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड आग पर काबू पाया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। फायर ब्रिगेड के एफएसओ राहुल कुमार वर्मा और एफएम सरताज आलम अपनी टीम के साथ आए।

रोशनी से जगमगाया शहर, रात भर होती रही आतिशबाजी

शहरवासियों ने पूजन सामग्री, फूल और मिठाइयों से की माता लक्ष्मी और श्रीगणेश की पूजा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सुख, सौभाग्य और समृद्धि का महापर्व दिवाली सोमवार को जिले भर में धूमधाम से मनाई गई। घर और प्रतिष्ठान दीयों की टिमटिमाहट से रोशन हुए। बच्चों से लेकर बड़ों में खासा उत्साह देखा गया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल में घर झालरों और दीयों की रोशनी में जमगाते रहे। लोगों ने घर एवं प्रतिष्ठानों में ऐश्वर्य और वैभव की देवी मां लक्ष्मी एवं विघ्न विनाशक भगवान गणेश का विधि विधान से पूजन कर सुख समृद्धि के लिए मंगल कामना की। कमल फूल, गन्ने, सिंघाड़े, खील-गट्टा एवं मिठाई, खील चूरा आदि प्रसाद के रूप में अर्पित कर मन्नतें मांगी। महिलाओं ने घरों में आकर्षक रंगोली बना कर घर सजाए।

शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी गणेश का पूजन करने के बाद घर में दीये जलाकर धन की देवी लक्ष्मी का आह्वाहन किया। इसके बाद घरों को मिट्टी के दियों से लेकर बिजली की झालरों, रंगोली आदि से घर जगमगा उठे। लोगों ने परिवार में बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और एक दूसरे के घर जाकरा दीपावली की शुभकामनाएं दी। विद्युत झालरों से लेकर फूल मालाओं से सजे घर और बाजार में देर रात तक आतिशबाजी होती रही।

आतिशबाजी का लुत्फ उठातीं युवतियां व बच्चे। ● अमृत विचार

शहर में रंग-बिरंगी झालरों से जगमगाते प्रतिष्ठान और घर। ● अमृत विचार

आतिशबाजी का आनंद लेते युवक और बच्चे। ● अमृत विचार

रंगोली सजाने के बाद युवती। ● अमृत विचार

दीपक जलाते दंपती। ● अमृत विचार

गोवर्धन पूजा आज तो भैया दूज पूजन होगा कल

लखीमपुर खीरी। देवकली आश्रम वाले आचार्य पं. राजेश मिश्र शास्त्री बताते हैं कि इस बार प्रसिद्ध अन्नकूट का पर्व गोवर्धन पूजा 22 अक्टूबर बुधवार को होगी और भैया दूज एक साथ सभी जगह 23 अक्टूबर गुरुवार को मनाएंगे। आज के दिन भाईयों को अपने बहनों के घर भोजन करना चाहिए, एवं -धन -वस्त्रादि से उनका सम्मान करना चाहिए। गुरुवार को ही चित्रगुप्त पूजा, कलम, दवात की पूजा भी होगी।

जगमग हुई छोटी काशी, मंदिरों में किया गया पूजा पाठ

गोला गोकर्णनाथ : छोटी काशी में दिवाली का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। रंग बिरंगी बिजली की झालरों से सजावट की गई और नगर से गांव तक पटाखे की गूंज सुनाई दी। पौराणिक शिव मंदिर सहित नगर के अन्य मंदिरों में लोगों लोगों ने पूजा पाठ कर सुख समृद्धि की कामना की। घरों पर लक्ष्मी पूजन के साथ लोगों ने इस त्यौहार को धूमधाम से मनाते हुए एक दूसरे को मिठाई बांटकर शुभकामनाएं दी। रंग बिरंगी आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही। पौराणिक शिव मंदिर के साथ नगर के अन्य मंदिरों में दीप जलाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। घरों में श्री लक्ष्मी पूजन कर भगवान के आगे घी के दीए जलाकर मन्नत मांगी। नौकरी व पढ़ाई के लिए घरों से दूर रहने वाले लोग भी दिवाली पर घर लौटे और परिवार के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से त्यौहार मनाया। बच्चों में पर्व को लेकर खासा उत्साह रहा। वह सुबह से ही पटाखा जलाकर पर्व की खुशियां मनाने में लग गए। शाम होते ही रंग बिरंगी फुलझड़ियां, अनार, स्काई शॉट लोगों को मंत्र मुग्ध कर रहे थे। आधी रात तक नगर से लेकर गांव तक त्यौहार का धूम धड़ाका होता रहा।

फुलझड़ी का आनंद लेते लोग। ● अमृत विचार

गणेश लक्ष्मी का पूजन कर सुख शांति व समृद्धि की कामना की

बिझौली, अमृत विचार : गांव रजागंज, चिंतापुरवा, बिझौली, बख्खारी, जमुनहा, रमुआपुर आदि गांवों में भी ग्रामीणों ने गणेश लक्ष्मी का पूजन कर सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना की। इसके बाद घरों में शुरू हुआ आतिशबाजी का दौर देर रात तक चलता रहा। ग्रामीणों ने अलाय बलाय डालकर एक दूसरे को गले मिलकर दीपावली की बधाई दी। इस दौरान बच्चों ने घर के दरवाजे पर रंगोली बनाई। सबके सुख व समृद्धि की कामना की।

उत्साह से मनाई गई दीपावली

मूड़ा सवारान, अमृत विचार : महिलाओं ने दरवाजे और आंगन में खूबसूरत रंगोली बनाई। दरवाजों पर आम, अशोक के पत्तों और फूलों की लडियों से तोरण सजाए गए। श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान गणेश, महालक्ष्मी, मां सरस्वती और कुबेर की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। लोगों ने दीपावली की रात मंदिरों में भी परिवार की समृद्धि की कामना के साथ आस्था के दीए जलाए।

ग्रामीण क्षेत्र में जले खुशियों के दीप

रोशननगर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव रोशननगर, ममरी, सौखियाँ, बाबरपुर, जमुनहां, अजान, महेशपुर, परेली, रामपुर, घरथानियां, अहमदनगर, सेखवापुर, आदि में गणेश लक्ष्मी का पूजन कर सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना की गई। ग्रामीणों ने खर फूस की अलाय बलाय डालकर एक दूसरे को गले मिलकर दीपावली की बधाई दी। बड़े बुजुर्गों के घर जाकर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया।

रोशननगर में दीप जलाती महिला।

श्रद्धा से पूजे गणेश व महालक्ष्मी

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर सहित समूचे पलिया तहसील क्षेत्र में दीपों का त्योहार दीपावली बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर लोगों ने अपने घरों व प्रतिष्ठानों को आकर्षक विद्युत झालरों से सजाकर रंगोलियां बनाईं, अगणित दीप जलाए व गणेश- लक्ष्मी जी की पूजा की। देर रात तक आतिशबाजी का आनंद लिया। अग्निशमन विभाग और पुलिस बल सक्रिय नजर आया ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए लोगों को कम प्रदूषण वाले ' 'ग्रीन पटाखों' ' के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। रात होते ही पूरा शहर रोशनी से नहा उठा। दीयों, लाइटों और आतिशबाज़ी से आसमान जगमगाने लगा। धार्मिक स्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया और लोगों ने मां लक्ष्मी से समृद्धि और सुख-शांति की कामना की। मझगईं, अमृत विचार : कस्बा समेत छेदुई पतिया, बल्लीपुर, बम्हनपुर, धर्मापुर, बौधिया, नौगवा, त्रिलोकपुर, दौलतापुर और गंगा बेहड़ सहित पूरे क्षेत्र में अलाई-बलाई जलाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। लोगों ने अपने घरों में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। अलाई-बलाई जलाने की परंपरा निभाई। बच्चों ने भी पटाखों, रोशनी और रंग-बिरंगे माहौल में खूब उत्साह दिखाया।

फिजिकल फिटनेस को एसएसबी जवानों की दौड़

दौड़ लगाते एसएसबी जवान।

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: नेपाल सीमा पर स्थित 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, पलिया की सुमेर नगर एवं बनकटी चौकी के जवानों की फिट इंडिया रन 6.0 के अंतर्गत 3.2 किमी दौड़ का मंगलवार को आयोजन किया गया।

इस दौड़ का उद्देश्य सभी जवानों और नागरिकों में फिटनेस के प्रति जागरुकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में सीमा चौकी के अधिकारी एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और फिटनेस की महत्ता को समझते हुए इसे सफल बनाया। इस दौरान कमांडेंट रबींद्र कुमार राजेश्वरी ने कहा कि नियमित व्यायाम और शारीरिक सक्रियता देश की सुरक्षा के साथ व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने सभी से स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

कुत्ते से बचने के चक्कर में गिरा बाइक सवार

मझगई, अमृत विचार: बहराइच जिले के सुजौली थाना क्षेत्र के बरखड़िया गांव निवासी मनोहर लाल पत्नी सीमा और चार माह के बच्चे के साथ ससुराल विजय प्रताप नगर (दरेरी) से लौट रहे थे। मनोहर जैसे ही बम्हनपुर के पास स्थित सुजुकी एजेंसी के सामने पहुंचे, सड़क पर अचानक कुत्ता आ गया। वह बाइक रोकने के लिए ब्रेक लगाते हैं, लेकिन बाइक फिसलकर पलट गई। इससे पीछे बैठी पत्नी की गोद से बच्चा सड़क पर दूर जा गिरा। गनीमत रही कि बच्चे को कोई चोट नहीं आई। मौके पर मौजूद महेश जायसवाल ने तुरंत बच्चे को गोद में उठाया और दंपति की मदद की। मनोहर को मामूली चोटें आईं, जिनका प्राथमिक उपचार बम्हनपुर के एक निजी चिकित्सक ने किया।

डीएम ने वृद्धाश्रम में मनाई दीपावली

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: दीपावली के पर्व को खास बनाते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सोमवार को वृद्धाश्रम में त्यौहार का उत्सव मनाया। डीएम ने एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह के साथ वृद्धजनों को मिठाई और फल बांटकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया।

सोमवार को दीपावली पर्व पर डीएम वृद्धाश्रम पहुंची, जहां उन्होंने वृद्धजनों के साथ दीवाली की खुशियां बांटी। उन्होंने शाल, दो लीटर का थर्मस, मिठाइयां, ड्राईफ्रूट, फल का वितरण कर दीपावली मनाई। उन्हें अपनेपन का एहसास कराया और उनका आशीर्वाद लिया। वृद्धाश्रम में सभी बुजुर्गों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि समाज के हर वर्ग के साथ त्योहारों की खुशियां बांटी जाएं। उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि परिवार से दूर रह रहे इन बुजुर्गों को अकेलापन महसूस न हो, इसलिए वह दीपावली मनाने उनके बीच आई है। डीएम ने कहा कि त्योहार पर बुजुर्गों का आशीर्वाद काफी महत्वपूर्ण होता है। दीपावली जैसे शुभ अवसर पर बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलना हर्ष की बात है।

उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम आकर वृद्धजनों के साथ समय बिताने में हमेशा सुकून मिलता है। डीएम ने वृद्धाश्रम संचालक को निर्देश दिए कि वृद्धजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बुजुर्गों से मिलतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

● मिठाई और फल बांटकर बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद

शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने की पूजा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: कार्तिक माह की अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने पौराणिक शिव मंदिर में दर्शन, पूजन, जलाभिषेक कर तीर्थ पर बैठे पुरोहितों को दान, पुण्य कर सुख, समृद्धि की कामना की।

दीपावली के दूसरे दिन मंगलवार को अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने पौराणिक शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव को जल, दूध, पुष्प, काले तिल अर्पित कर ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप किया। पंडित कृपालीनाथ शुक्ला ने बताया कि कार्तिक अमावस्या पर भगवान शिव की पूजा करने से मन को शांति और आध्यात्मिक प्रकाश मिलता है। शाम के समय तुलसी के पौधे के सामने घी का दीपक जलाने से घर में सुख, समृद्धि आती है। श्रद्धालुओं ने शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर तीर्थ के घाट पर बैठे पुरोहितों से कथा सुन दान, पुण्य किया।

एसपी ने शहीद पुलिस कर्मियों को दी श्रद्धांजलि

शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित करने जाते एसपी संकल्प शर्मा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद स्मारक पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: पुलिस लाइन में मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर एसपी संकल्प शर्मा ने शहीद पुलिस कर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

एसपी ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन अमर पुलिस जवानों की याद में मनाया जाता है जिन्होंने देश और प्रदेश की शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। एसपी ने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के संदेश को मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों तक पहुंचाया। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों से शहीदों से प्रेरणा लेकर हर परिस्थिति में दृढ़ता और निष्ठा के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

इस दौरान एएसपी पूर्वी पवन गौतम, एएसपी पश्चिमी अमित राय, सीओ सिटी विवेक तिवारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर, महिला थाना एवं साइबर थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पटाखे जलाने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला शिव कॉलोनी में सोमवार रात पटाखे जलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इस झगड़े में एक महिला और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

मोहल्ला शिव कॉलोनी निवासी सुमन त्रिवेदी ने बताया कि सोमवार की रात करीब दस बजे उनके बच्चे घर के बाहर पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी अनूप पांडेय, उनके दो बेटे शिवम और यशू और कृष्णकांत पांडेय मौके पर पहुंचे और बिना वजह गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडों से सुमन और उनके बेटे पर हमला कर दिया। आरोप है कि कृष्णकांत पांडेय ने लोहे की रॉड से सुमन के सिर पर वार किया, जिससे उनका सिर फट गया। वहीं, अनूप और उसके बेटों ने भी मारपीट कर चोट पहुंचाई। महिला के पैर और बेटे के हाथ में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को मेडिकल परीक्षण कराया है।

त्यौहार पर कटान पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

कटान पीड़ितों को राहत सामग्री बांटतीं संत मीरा। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुकरा

● नेकी की दीवार और मीरा फाउंडेशन का संयुक्त कार्यक्रम

अमृत विचार: मीरा मेडिटेशन एंड वेलनेस सेंटर के सदस्यों ने सन्त बाबा मीरा के नेतृत्व में विकास खंड बिजुआ के करसौर बंधे पर शारदा नदी के कटान से प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई।

अपने घर और जमीन खो चुके 150 पीड़ित परिवार अब नदी किनारे बंधे पर रह रहे हैं और सरकारी सहायता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। संत बाबा मीरा ने इन बाढ़ और कटान पीड़ित जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री वितरित की। नेकी की दीवार के कार्यक्रम संयोजक रिजवान अंसारी, संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष गुरमेल सिंह ने बताया कि उनका प्रयास है कि पीड़ित परिवार भी दिवाली की खुशियों से वंचित न रहें। उन्होंने हरसंभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

गुरु मीरा जी दास, आर्यन संधू, हनी, अनमोल, अमनदीप कौर आदि मौजूद रहीं।

विधायक ने परिजनों के साथ जरूरतमंदों को दिए कपड़े, मिठाई व अन्य सामान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: पर्वों की रोशनी तभी सार्थक होती है, जब वह किसी और के जीवन में रोशनी कर दे। सोमवार को विधायक ने परिजनों के साथ बिजुआ क्षेत्र में करसौर बंधा के किनारे बसे ग्रामीणों में कपड़े, मिठाइयां, फुलझड़ियां व अन्य उपहार देकर खुशियां बांटी। उन्होंने भावनात्मक जुड़ते हुए कहा कि गरीब हो या अमीर सभी को त्यौहार मनाने का पूरा अधिकार है।

सोमवार को दीपावली पर बिजुआ क्षेत्र स्थित करसौर बंधा पर पर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी विधायक अमन गिरि अपने परिवार के लोगों, साथियों के साथ पहुंचकर गरीब परिवारों के घरों को रोशन करने के लिए मिठाई, फुलझड़ियां, पटाखे, कपड़े व अन्य उपहार देकर लोगों के साथ खुशियां साझा की। पटाखे, मिठाई पाकर बच्चों की खुशी से झूम उठे। बुजुर्गों के चेहरे भी खिल उठे।

विधायक ने कहा कि किसी हर किसी के जीवन में खुशियां छाएं ऐसा सभी को प्रयास करना चाहिए। संसाधनों के अभाव में जरूरतमंद परिवारों को मायूसी का सामना न करना पड़े। विधायक की बड़ी बहन सेवानिवृत्त कैप्टन अंजलि गिरि, पत्नी वैष्णवी गिरि, अवधेश मिश्रा, भोली गिरि सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बिजुआ क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों का दीपावली का सामान देतीं अंजलि गिरि। ● अमृत विचार

● बोले-अमीर हो या गरीब सभी को त्यौहार मनाने का अधिकार

● परिजनों के साथ करसौर बंधा पर बसे ग्रामीणों के पास पहुंचे

बाइक की टक्कर लगने से दिव्यांग घायल

भानपुर, अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र में चाट बेचने वाले दिव्यांग रंजीत गुप्ता (45) निवासी गांव मटैहिया को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। चाट विक्रेता और बाइक सवार दोनों गंभीर घायल हो गए। रंजीत गुप्ता मझोरा चौराहे पर टिक्की-मटर और बतासे का ठेला लगाते हैं। रविवार को वह अपना ठेला मझोरा चौराहे पर एक किराए की दुकान में खड़ा करने जा रहे थे, तभी भीरा-पलिया स्टेट हाईवे के किनारे एक बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रंजीत गुप्ता के शरीर में गंभीर चोटें आईं। वहीं, बाइक सवार युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक सवार को परिजनों ने पलिया के अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

घर से नकदी समेत लाखों के जेवर चोरी

संसारपुर, अमृत विचार : पुलिस चौकी संसारपुर क्षेत्र के गांव कुकुहापुर निवासी राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि रात में चोरों ने छत पर चढ़कर घर में घुसकर कमरे में रखी अलमारी और सेफ तोड़कर चोर सोने की एक अंगूठी, तीन पैंडिल वाली सोने की माला, एक सोने की चेन, कानों के झाले, सोने का एक ओम, एक जोड़ी पायल और 35 हजार रुपया नकद ले गए हैं। सुबह राकेश की पुत्री कमरे में झाड़ू लगाने गई तो अलमारी खुली देखकर उसके होश उड़ गए। पीड़िता ने चोरी की जानकारी चौकी पुलिस को दी। पुलिस ने रिपोर्ट तो नहीं दर्ज की, लेकिन जांच शुरू कर दी है।

छत से गिरकर युवक की हालत गंभीर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : रिश्तेदारी में आये लखीमपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव भंसड़िया निवासी संतोष (40) पुत्र जुगलू अचानक छत से गिर गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां उनके कान से तेजी से ब्लड आ रहा था। प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सड़क दुर्घटना में महिला घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव मेजापुर निवासी शिल्पी देवी (20) पत्नी मुकेश सड़क दुर्घटना में घायल हो गई, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के भवानीगंज गांव निवासी राहुल (30) पुत्र हरद्वारी लाल की संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ गई। परिजन उसे सीएचसी लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

धारदार हथियार से की छोटे भाई की हत्या

शराब के नशे में था हमलावर, मातम में बदलीं दीपावली की खुशियां, दोनों भाई गाजियाबाद में करते थे मजदूरी

संवाददाता, मितौली/लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कस्बा कस्ता में सोमवार की देर शाम मामूली विवाद में बड़े भाई ने सगे छोटे भाई की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा है। एएसपी ने भी देर रात घटाना स्थल का जायजा लिया।

कस्ता निवासी सतीश उर्फ चौड़ा (21) अपने बड़े भाई सूरज के साथ गाजियाबाद में मजदूरी करता था। दोनों भाई दीपावली मनाने के लिए एक दिन पहले ही घर आए थे, जबकि मंझला भाई विजेंद्र उर्फ बंटी अपनी मां के साथ घर पर पहले से ही रह रहा था। घर में दीपावली की खुशियां थीं। गांव में भी लोग हंसी खुशी त्यौहार मना रहे थे। बताया जाता है कि रात करीब 10 बजे विजेंद्र शराब के नशे में घर लौटा। किसी घरेलू बात को लेकर उसका छोटे भाई सतीश से विवाद हो गया। दोनों में कहासुनी इतनी बढ़ गई कि परिजनों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बंटी ने गुस्से में हंसिया उठाई और सतीश की गर्दन पर जोरदार वार कर दिया। वार इतना घातक था कि सतीश लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिवार वाले उसे अस्पताल लेकर भागे, लेकिन रास्ते में गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास ही उसकी मौत हो गई। मौत की खबर आते ही दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं। सूचना पर सीओ मितौली जितेंद्र सिंह परिहार, एसओ मितौली रविंद्र सोनकर मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। देर रात एएसपी अमित राय ने घटना स्थल का निरीक्षण कर परिजनों से पूछताछ की।

घटना स्थल पर लगी भीड़ व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

मृतक के परिजनों से घटना की जानकारी लेते एएसपी अमित राय। ● अमृत विचार

सतीश उर्फ चौड़ा।

> प्रथम दृष्टया जांच में यह बात सामने आई है कि शराब के नशे में भाई ने भाई की हत्या कर दी है। आरोपी की तलाश में टीमें बना दी गई हैं। दबिशें दी जा रही हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।
> **-जितेंद्र सिंह परिहार,** सीओ, मितौली।

पारिवारिक कलह बनी घटना की वजह

दीपावली की रोशनी में अचानक छाए इस अंधकार से पूरा गांव गमगीन है। घर की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों भाइयों के बीच पिछले कुछ समय से पारिवारिक कलह चल रही थी, लेकिन किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह विवाद इस हद तक बढ़ जाएगा और वह अपने ही भाई की निर्दयता पूर्वक हत्या कर देगा। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

नकबजनी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कोतवाली सदर पुलिस, सर्विलांस व स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सोमवार को नकबजनी गिरोह का खुलासा कर तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 12 लाख रुपये के जेवरात, नकदी और तमंचा बरामद किया है।

प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपी कोतवाली धौरहरा के गांव नया पुरवा निवासी कमल, धीरू और पप्पू हैं। यह गिरोह खीरी और सीतापुर जिलों में सक्रिय था और अब तक नौ नकबजनी की घटनाएं कर चुका है। पुलिस ने इनके पास से बड़ी मात्रा में पीली और सफेद धातु के आभूषण, नकदी व गिरोह के सरगना कमल से 12 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद किया है। बरामद वस्तुओं की कीमत लगभग 12 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गिरोह के सरगना के पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। ऑपरेशन में स्वाट टीम प्रभारी जयप्रकाश यादव, चौकी प्रभारी सुनील तिवारी, रजनीश त्रिपाठी, उपनिरीक्षक डिम्पल कुमार, तथा सर्विलांस सेल के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

फूट-फूट कर रोये आरोपी सवालों में घिरी पुलिस

लखीमपुर खीरी। शहर कोतवाली पुलिस ने कोतवाली सदर और फूलबेहड़ में दर्ज नौ चोरी की घटनाओं का भले ही खुलासा कर दिया हो, लेकिन खुलासे के दौरान मीडिया के सामने खुद को निर्दोष बताकर फूट फूट कर रोए आरोपियों ने पुलिस के खुलासे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवालों को इस बात से भी बल मिल रहा है कि बरामद माल देखने में नया लग रहा था। हालांकि पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ सीतापुर, लखीमपुर सदर और थाना फूलबेहड़ में सात से अधिक मामले पंजीकृत हैं।

वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: मोहम्मदी-शाहजहांपुर मार्ग पर सोमवार की अल सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो शाहजहांपुर से अपनी ससुराल आए थे।

पुलिस के अनुसार, शाहजहांपुर की कोतवाली रोजा के गांव सहजनवां निवासी 45 वर्षीय गुड्डू पुत्र रामस्वरूप अपने साथी 50 वर्षीय संतराम पुत्र जोधालाल के साथ मोहम्मदी शाहजहांपुर मार्ग पर पसगवां थाना क्षेत्र के गांव गौहनिया आलम में अपनी ससुराल आए थे। सोमवार की सुबह गौहनिया आलम निवासी 30 वर्षीय हरिपाल पुत्र कालीचरन के साथ तीनों बाइक से वापस अपने घर जाने के लिए निकले। इसी दौरान शाहजहांपुर की तरफ लौटते समय शाहजहांपुर- खीरी जनपद सीमा के निकट सुखेता नदी पुल के करीब तेज रफ्तार में जा रहे अज्ञात वाहन (अनुमानित बस) ने अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दी।

तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर मोहम्मदपुर ताजपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर घायलावस्था में तीनों को नजदीकी सीएचसी भावलखेड़ा भेजा गया जहां संतराम व गुड्डू को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद रेफर होकर शाहजहांपुर जा रहे हरिपाल ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

हादसे से पहले तीनों साथियों ने ताजपुर में गुटखा आदि खरीदा। किसी ने भी हेलमेट नहीं लगाया था। हादसे की जानकारी होने के बाद मृतकों के परिवार वालों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर शाहजहांपुर के भावलखेड़ा में शव उतारकर सड़क जाम करने के प्रयास किया जिसे पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मार्ग खाली कराकर यातायात शुरू कराया। मौके पर सीओ मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक पसगवां जितेंद्र प्रताप सिंह भी भारी संख्या में पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस हादसे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

इसी बाइक पर सवार थे तीनों।

● एक ही बाइक पर बिना हेलमेट सवार थे तीनों, वाहन ने मारी टक्कर

लेन-देन के विवाद में युवक ने की फायरिंग

उचौलिया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव सहिजना निवासी और भाजपा अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता व सपा के चक्रपाल यादव के बीच रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। कुछ दिनों पहले मामला थाना में पहुंचा था, तब दोनों पक्षों में सहमति बन गई थी। मंगलवार सुबह फिर से विवाद शुरू हो गया। चक्रपाल पक्ष का आरोप है कि अरुण कुमार गुप्ता ने तमंचा से फायरिंग की। सूचना पर सीओ मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक पसगवां जितेंद्र प्रताप सिंह व उचौलिया मनीष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फायरिंग के आरोपी अरुण गुप्ता को हिरासत में लिया है। मामला राजनीतिक व्यक्तियों से जुड़ा होने से दोनों पार्टियों के पदाधिकारी भी इकट्ठे हुए। अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ था। दोनों पक्षों के लोग कुछ भी बताने से बचते रहे। थाना उचौलिया के प्रभारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हादसे में दो भाइयों की मौत, साथी घायल

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के कस्ता भीखमपुर मार्ग पर सोमवार की शाम पिकअप ने गनेशपुर माइनर के निकट बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सोमवार को थाना क्षेत्र के गांव खमरिया निवासी विपिन (18) व उसका छोटा भाई ओमकार (10) पुत्र रामचंद्र गांव के संकटा के साथ कस्ता कस्बे में दीपावली की खरीदारी करने बाजार आए थे। खरीदारी कर तीनों अपने गांव खमरिया वापस जा रहे थे। कस्ता-भीखमपुर मार्ग पर गनेशपुर माइनर के निकट सामने से आ रही पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन सामने से क्षतिग्रस्त हो गए और तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एम्बुलेंस से मितौली सीएचसी भेजा। जहां से डॉक्टर ने हालत गंभीर देख विपिन और ओमकार जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जिला अस्पताल में ओंमकार की मौत हो गई थी, जबकि उसका बड़े भाई ने लखनऊ ले जाते समय सीतापुर में ही दम तोड़ दिया। तीसरे घायल संकटा का लखनऊ के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

खमरिया प्रधान प्रतिनिधि अनूप राठौर ने परिवार के घर जाकर ढांढस बंधाया। हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया है। हादसे के बाद परिवार में दीपावली की खुशियां मातम में बदल गई। परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है। दो भाइयों की मौत से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

घटना स्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

● कस्ता कस्बे से दीपावली की खरीदारी कर लौट रहे थे

विपिन और ओमकार।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

चलती ट्राली में पीछे से घुसी बाइक सवार घायल

संसारपुर, अमृत विचार: खुटार से गोला की तरफ जा रही ओवरलोड एवं ओवर हाइट गन्ने से भरी ट्रॉली में गोला कोतवाली के गांव अलियापुर लौट रहे बाइक सवार सौरभ पुत्र सागर की बाइक ट्राली में पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार बाइक सहित ट्राली में पीछे फंस गया। सड़क से गुजर रहे लोगों ने ट्रैक्टर-ट्राली को रुकवाया। चालक ट्रैक्टर छोड़ भाग गया। राहगीरों ने सूचना चौकी पुलिस को दी मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी संसारपुर बृजमोहन सैनी, कांस्टेबल योगेंद्र सैनी, सौरभ कुमार तथा दिनेश कुमार ने आनन-फानन में एंबुलेंस की सहायता से घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भेजा और सूचना परिजनों को दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंभीर रूप से घायल सौरभ को जिला अस्पताल लखीमपुर रेफर कर दिया गया।

10 घंटे मोबाइल टॉवर पर चढ़ा रहा युवक, न्याय के आश्वासन पर उतरा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: अपनी विवादित कार्यशैली को लेकर चर्चित कोतवाल तिकुनिया एक बार फिर गंभीर आरोपों से घिर गए हैं। दर्ज धोखाधड़ी के मामले में डेढ़ महीने बाद भी कोई कार्रवाई न होने से नाराज पीड़ित युवक सुबह करीब पांच बजे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। करीब दस घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद वह नीचे उतरा।

गांव बरसोला कलां निवासी राजू साहनी ने बताया कि वह सऊदी अरब में काम करता था। उसकी पत्नी और बच्चे घर पर थे। उसका और उसकी पत्नी का ज्वाइंट अकाउंट सेंट्रल बैंक शाखा तिकुनिया में है। गांव के ही इलियास ने उसकी पत्नी के साथ धोखाधड़ी कर ज्वाइंट खाते से 1,40,541 निकाल लिया। बाद में अलग अलग नंबरों कॉल कर से पत्नी, बेटी को उठा ले जाने और ब्लैक मेल 2,66,600 रुपये ठग लिए। पुलिस ने काफी दौड़ भाग करने और अफसरों की फटकार के बाद डेढ़ महीने पहले महिला की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। इससे नाराज राजीव साहनी मंगलवार सुबह करीब पांच बजे बरसोला बाजार में बने मोबाइल टावर पर चढ़कर बैठ गया और गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गया। उसका कहना था जब तक गिरफ्तारी नहीं हो जाती वह नीचे नहीं उतरेगा। दोपहर 1:00 बजे तिकुनिया नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष हैप्पी कंछल टॉवर तक पहुंचे और राजू साहनी से कार्रवाई का आश्वासन देते हुए नीचे उतरने को कहा, लेकिन वह नीचे नहीं आया।

सूचना पर कोतवाल पुष्पराज कुशवाहा पहुंचे। कोतवाल के आश्वासन पर दोपहर दो बजे के बाद राजू साहनी नीचे उतर आए। कोतवाल ने बताया कि आरोपी इलियास के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

टॉवर से नीचे उतरता राजू साहनी। ● अमृत विचार

● तिकुनिया कोतवाल पर लगाए गंभीर आरोप

दुकान और घर में लगी आग लाखों का नुकसान

सिंगाही, अमृत विचार: कस्बे में दीपावली के अवसर एक दुकान और एक घर में आग लगने से लाखों का सामन जलकर राख हो गया। घटना से कस्बे में त्यौहार का रंग फीका हो गया।

सोमवार को दीपावली के अवसर कस्बे के कपड़ा व्यवसायी रामकुमार ने अपनी दुकान पर पूजन करने के दौरान दीपक जलाकर रखा था और इसके बाद दुकान बंद घर चले गए। दीपक की लौ से कपड़ों ने आग पकड ली। दुकान से धुंआ बाहर आने लगा तब पड़ोस के लोगों को जानकारी हुई।

पड़ोसी सुमित सोनी ने रामकुमार को आग लगने की सूचना दी। जब वह दुकान पर पहुंचे और दुकान का शटर खोला तो सारे कपड़े धू-धू कर जल रहे थे। आस पड़ोस के लोगों के जब तक आग पर काबू पाया तक सारे कपड़े जलकर राख हो गए। अग्निकांड में रामकुमार का करीब डेढ़ लाख का नुकसान होने का अनुमान है। दूसरी घटना करीब सवा नौ बजे घटी। मोबाइल विक्रेता रविकांत जायसवाल पत्नी और बच्चों समेत दुकान पर पूजन रहे थे। उसी समय उनके घर में आग लग गई।

जानकारी होने पर आसपास लोगों और कस्बा प्रभारी आशुतोष सिंह ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में रविकांत के घर में लगे एसी, फ्रिज, कूलर, आरओ के साथ अलमारी में रखे सारे कपड़े और किचन में रखा गृहस्थी का सामान जल कर खराब हो गया। इस अग्निकांड में करीब तीन लाख के आसपास नुकसान का अनुमान है। दोनों घटनाओं की सूचना के बाद भी फायर ब्रिगेड सुबह तक नहीं पहुंची। वहीं एसओ अजीत कुमार दलबल के साथ मौजूद रहे।

● दीपावली के दीपक की लौ से कपड़ों ने आग पकड ली

पूर्व प्रधान के बेटे की सीढ़ियों से गिरकर मौत

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के सेनपुर गांव में पूर्व प्रधान के पुत्र की छत से उतरते समय सीढ़ियों से नीचे गिरकर मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया।

गांव सेनपुर निवासी पूर्व प्रधान धर्मेश के बेटा नितेश (22) छत पर था। नीचे उतरते समय उसका पैर जीने पर फिसल गया और वह नीचे आ गिरा। हादसे में नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे गंभीर हालत में लेकर सीएचसी पहुंचे और भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर आते ही परिवार में कोहराम मच गया। दिवाली की खुशियां पल भर में मातम में बदल गई। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताते हैं कि धर्मेश राठौर के तीन बेटे विकास, नितेश और शिवम थे। पांच माह पूर्व पहले उनके बड़े बेटे विकास की भी हैदराबाद थाना क्षेत्र में सिंचाई करते समय मौत हो गई।

अब हादसे ने नितेश की भी जान ले ली। दोनों बेटों के असमय चले जाने से परिवार में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया।

● छत से उतरते समय उसका पैर जीने से फिसल गया

शारदा में डूबने से चाचा-भतीजे की मौत

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : गांव अतरिया निवासी दो युवकों की शारदा नदी में डूबने से मौत हो गई। दोनों रिश्ते में चाचा- भतीजे लगते थे और नदी के निकट स्थित अपने खेत देखने गए थे।

गांव अतरिया निवासी अशरफ अली का खेत मेला घाट से कुछ दूर शारदा नदी के निकट स्थित है। मंगलवार दोपहर उनका करीब 25 वर्षीय पुत्र सरताज अली अपने 15 वर्षीय भतीजे राजा खान और कई अन्य लड़कों के साथ खेत देखने के लिए गया था। तेज धूप के कारण सभी दोपहर करीब 12:30 बजे नदी में स्नान करने लगे। बताते हैं कि असावधानीबस राजा खान गहरे घुमावदार पानी में चला गया और डूबने लगा।

साथियों ने शोर मचाया तो लाए। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पलिया सीएचसी पर लगी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

● घर में मचा कोहराम, गांव में छाया मातम

राजा खान।

सरताज अली।

पड़ोस में पुलिया पर खड़ा उसका चाचा सरताज अली उसे बचाने के लिए नदी में कूद गया, लेकिन वह भी निकल नहीं सका और उसके साथ ही डूब गया। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने तलाश कर दोनों को बाहर निकाला और सीएचसी

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत

बिजुआ, अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र में रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोग घायल हो गए। इसमें इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।

जिला पीलीभीत के थाना पूरनपुर के गांव शेरपुर कलां निवासी 50 वर्षीय फैयाज हासिम टांडा से अपने घर लौट रहे थे। कुकरा मार्ग पर भीरा के पास कस्बा गोला निवासी राजेश की बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई।इसमें दोनों घायल हो गए। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचित किया और दोनों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। भीरा एसओ गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि गंभीर रूप से घायल फैयाज की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिवार वालों ने मुकदमा नहीं दर्ज कराया है।

न्यूज ब्रीफ

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। शाहजहांपुर जनपद के थाना कटरा क्षेत्र के गांव बेहटा मुरादपुर निवासी वीरेश पाल सिंह (25) मोटरसाइकिल से कटरा से अपने गांव जा रहा था। रास्ते में राजमार्ग पर बहगुल नदी के पुल के समीप किसी अज्ञात बाहन ने वीरेश पाल को टक्कर मार दी जिससे बह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार हेतु बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां बीती सोमवार की रात उसने दम तोड़ दिया।

कुकर का ढक्कन खुलने से युवक झुलसा

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला दुबे निवासी श्याम सुंदर के घर दिवाली पर्व पर रसोई में सब्जी बन रही थी। श्याम सुंदर का बेटा अरविंद कुमार रसोई में पानी पीने के लिए ग्लास लेने गया। इसी समय अचानक गैस पर रखा कुकर, जिसमें सब्जी बन रही थी। उसका ढक्कन अचानक खुल गया। खोलता हुआ सब्जी का पानी उसके दोनों हाथों व पैर पर गिर गया। गर्म पानी के गिरने से अरविंद के हाथ पैर झुलस गए।

चार दिन पूर्व हुए हादसे की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने बीसलपुर खुदागंज मार्ग पर चार दिन पूर्व हुए सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली में दी गई तहरीर में ग्राम अमृताखास निवासी बालमुनि ने बताया कि उसके पिता ओम प्रकाश शर्मा 18 अक्टूबर की दोपहर साढ़े 12 बजे अपने गांव से बरसिया से अपने निजी काम से जा रहे थे। वह अमृता चौराहे से खुदागंज रोड पर 500 मीटर आगे बढ़े। इसी समय पीछे से तेज रफ्तार बाइक सवार आए और उन्होंने उनके पिता ओम प्रकाश शर्मा की साइकिल में पीछे से टक्कर मार दी।

युवक से मारपीट, रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम मार में अंबेडकर पार्क में दीप प्रज्जवलित करने गए युवक से मारपीट की गई। पीड़ित प्रमोद गौतम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दिवाली की रात करीब नौ बजे गांव स्थित अंबेडकर पार्क में पूजा करने और दीप प्रज्जवलित करने गए थे। पार्क में पटाखे छुड़ाने लगे, तभी गांव के शमशुल,नूरुल,अब्दुल और मेंहदी हसन ने गाली गलौज की। जातिसूचक शब्द का प्रयोग कर अपमानित किया गया। विरोध करने पर मारपीट की गई। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

रोजा में युवक का शव पेड़ पर अंगौछा से लटका मिला

मोबाइल और चप्पलें वहीं पड़ी थीं, परिजनों ने लगाया हत्या करने का आरोप, सोमवार रात पूजा के बाद घर से निकला था युवक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः रोजा क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक युवक का शव पेड़ से अगौछे के सहारे लटका मिलने से सनसनी फैल गई। परिवार ने हत्या की आशंका जतायी है। मृतक का मोबाइल फोन और चप्पले पेड़ के नीचे पड़ी मिलीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला आईटीआई कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय रवि गुप्ता दिल्ली में मजदूरी करता था और करीब 25 दिन पूर्व ही घर आया था। दीपावली की रात रवि ने घर पर पूजा की और रात करीब नौ बजे बिना बताए घर से निकल गया। जब रात साढ़े दस बजे तक नहीं लौटा तो परिवार वालों ने फोन मिलाया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। रातभर परिजनों ने आस-पास तलाश की, पर रवि का कोई पता नहीं चला।

मंगलवार सुबह करीब छह बजे लोगों ने कालोनी के बाहर एक पेड़ से युवक का शव अगौछे से लटका देखा। सूचना पर पहुंचे पिता रामदास ने शव की शिनाख्त अपने बेटे रवि गुप्ता के रूप में की। मौके पर पहुंची रोजा थाना पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और जांच की। मौके से मृतक का मोबाइल और एक जोड़ी चप्पल बरामद की गईं। परिवार ने आशंका जताई कि रवि की हत्या कर शव पेड़ पर लटका दिया गया है। मृतक की पत्नी गुड्डी देवी और तीन माह की मासूम बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि परिवार की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट से ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोते बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

जंगल में संदिग्ध हालात में पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

तिलहर , अमृत विचार : क्षेत्र के गांव जोधपुर नवदिया के बाहर जंगल में सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेस्ट टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान गांव बारहा मोहब्बतपुर निवासी प्रीतम (40) पुत्र रामस्वरूप के रूप में हुई। मृतक के भाई ओमप्रकाश ने बताया कि प्रीतम का मानसिक संतुलन ठीक नहीं

● **परिजनों ने बताई मानसिक मंदित होने की बात**

था। वह 15 अक्टूबर को अपनी बहन कुसुम के घर जोधपुर नवदिया गया था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की, पर कोई सुराग नहीं मिला। 20 अक्टूबर की सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर जंगल में नाले के पास पेड़ से लटकता शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेस्ट टीम ने शव को नीचे उतरवाया और शिनाख्त कराई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बहन कुसुम, मां गंगादेवी, भाई ओमप्रकाश और बसंतलाल का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण की संदिग्ध हालात में मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गौटिया बानगांव निवासी धर्मपाल (55) ने एक व्यक्ति के साथ खेत की साझेदारी की थी। उन्होंने खेत पर एक झोपड़ी डाल रखी थी। सोमवार की सुबह धर्मपाल झोपड़ी में बेहोशी की हालत में मिले। परिवार वाले उसे मेडिकल कालेज लेकर आ रहे थे। रास्ते में धर्मपाल की मौत हो गयी। परिवार वाले उसका शव लेकर थाना पर गए। परिवार वालों ने उसने एक व्यक्ति के साथ खेत में साझेदारी थी। वह झोपड़ी में बाबा के रूप में रहते थे। आरोप है कि रविवार की रात में उसने अपने एक दोस्त के साथ शराब पी थी। दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि दोस्त ने उसके साथ मारपीट की और बेहोशी की हालत में छोड़कर चला गया था। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि धर्मपाल झोपड़ी में मिला था और शराब आदि का आदी थी। उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो घायल

खुटार, अमृत विचारः क्षेत्र के गांव महुआ मैनिया निवासी गौरव कुमार (19) सोमवार 7:50 बजे खुटार मार्केट से दीपावली पर्व पर खरीदारी करके बाइक से घर लौट रहे थे। तभी नवदिया मंकठ मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे गौरव घायल हो गए और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर चला गया।सूचना पर पहुंचे 108 एंबुलेंस कर्मी सोमवीर गंगवार, सुशील पांडेय ने घायल को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, उसी रात गांव नवदिया मंकठ निवासी अजय (30) की बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर घायल कर दिया था। चर्चा है कि दोनों बाइक आपस में टकरा गई थीं। परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजन घायल अजय को 108 एंबुलेंस कर्मी रामेंद्र दुबे, प्रेमपाल की मदद से जिला अस्पताल ले गए। बाइक सवार हेलमेट नहीं पहने थे।

दिव्यांग महिला समेत दो के साथ सिपाहियों ने की मारपीट

संवाददाता, उचौलिया

● **फरियाद लेकर थाने गईं थी दोनों महिलाएं**

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुर ग्रंट की एक शिक्षित महिला ने थाने में एक सिपाही और महिला सिपाही पर स्वयं व अपनी दिव्यांग बहन को पीटने का आरोप लगाया है।

यह घटना भी उस समय हुई जब वह मारपीट के मामले में अपने घायल भाई की फरियाद लेकर थाना पर गई थी। थाना से तीन किमी दूर मोहनपुर ग्रंट की पौली सिंह पत्नी शाइन सिंह ने बताया कि सोमवार को पड़ोसी गांव रामपुर ग्रंट में उसके भाई दीपक पुत्र मैल्बर्ट सिंह को गांव के प्रशांत उर्फ राजा पुत्र न्यूटन और राज पुत्र सुरेश ने मारपीट कर चोटिल कर दिया था। उसे लेकर अपनी विकलांग बहन नीलू सिंह के साथ वह थाना गई। प्रभारी निरीक्षक मनीष सिंह ने उसकी बात सुनी और रिपोर्ट दर्ज करने को कहकर वह कहीं चले गए। पौली ने बताया कि उसका भाई दर्द से कराह रहा था। उसकी बहन के थाने पर फोटो खींचने से नाराज़ होकर एक महिला सिपाही और एक दूसरे सिपाही ने उससे फोन छीनने की कोशिश की। इस दौरान जब वह बीच-बचाव करने गई और पुलिस को टोका तो दोनों सिपाहियों ने उसे और उसकी विकलांग बहन को पीट दिया।

चोटिल भाई को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए सीएचसी भेजा गया था। पौली का आरोप है कि वह एक स्कूल में पढ़ाती है और थाना पर इस प्रकार की अभद्रता सहन करने योग्य नहीं है। उसने अपनी पीड़ा से डीएम और एसपी को भी अवगत कराया है। प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार सिंह ने बताया कि मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में है।

विस्फोटक पदार्थ बनाते समय धमाका युवक घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पुवायां थाना क्षेत्र के मझिगवां गांव में मंगलवार दोपहर करीब दो बजे उस समय हड़कंप मच गया जब घर में कथित रूप से विस्फोटक पदार्थ तैयार करते समय तेज धमाका हो गया। हादसे में गांव निवासी शोभित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शोभित घर में गंधक और पोटाश को पीस रहा था, इस दौरान रासायनिक प्रतिक्रिया से विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आकर शोभित गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को बुलाया और घायल युवक को पुवायां के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी है। पुवायां कोतवाली प्रभारी रवि करन सिंह ने बताया कि जानकारी नहीं मिली है।

दिवाली के दूसरे दिन कूड़े के ढेर में हर तरफ पॉलिथीन

रामलीला मैदान में पटाखा दुकानों के हटने के बाद बिखरा कूड़ा।

गांधी स्टेडियम रोड पर कूड़े के ढेर में पॉलिथीन का अंबार।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **रामलीला मेला मैदान पर भी दुकान हटने पर लगे मिले ढेर**

● **मुख्य मार्गों पर चलती रही सफाई, गली मोहल्लों में बिगड़े हालात**

अमृत विचार : दिवाली के दूसरे दिन सड़कों पर हर तरफ पॉलिथीन के ढेर लगे दिखाई दिए।

मुख्य मार्गों पर टीमें सफाई करती रही, लेकिन अधिकांश गली मोहल्लों में सफाईकर्मी न पहुंचने से गंदगी रही। रामलीला मैदान में भी अस्थायी आतिशबाजी बाजार हटने के बाद पॉलिथीन का ढेर लगा रहा। बता दें कि दिवाली को लेकर नगर पालिका की ओर से विशेष सफाई अभियान चलाया गया था। दिन-रात सड़कों पर सफाई कराई जाती रही। मगर, दूसरे दिन मंगलवार को सड़कों पर कूड़े के ढेर दिनभर लगे रहे। इसकी एक वजह ये भी रही कि अधिकांश सफाईकर्मी पर्व के दूसरे दिन अवकाश मना रहे थे।

वहीं, सड़कों पर गंदगी के ढेर में सर्वाधिक पॉलिथीन की भरमार थी। नाले नालियों में भी पॉलिथीन का ढेर जमा हो गया। रेलवे स्टेशन रोडसमेत मुख्य मार्गों पर जरूर नगर पालिका की गाड़ी लेकर कर्मचारी कूड़ा उठवाते नजर आए। मगर, आम गली मोहल्लों में कूड़ा बिखरा रहा। उधर, रामलीला मैदान पर दिवाली को देखते हुए अस्थायी आतिशबाजी बाजार लगाया गया था। यहां की दुकानें मंगलवार को हट चुकी थी। मगर, पूरे परिसर में पॉलिथीन समेत अन्य कूड़ा करकट बिखरा रहा।

फंदा लगाकर महिला ने दी जान

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचारः थाना जैतीपुर क्षेत्र के गांव भिटारा में गुरुवार सुबह एक महिला ने अज्ञात कारणों से फंदा लगाकर जान दे दी। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, भिटारा गांव निवासी 35 वर्षीय मोनी पति से अलगाव के बाद अपने दो बच्चों के साथ देवर रूपराम के साथ रह रही थी। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे मोनी ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब परिजनों ने उसे देखा तो घर में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। इसी दौरान थाना मदनापुर के गांव

भिटारा गांव से महिला का शव ले जाते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

● **पति से अलगाव के बाद देवर के साथ रह रही थी महिला**

नयागांव निवासी मोनी के पिता साधू मौके पर पहुंचे और बेटी की हत्या का आरोप लगाया। घटना की जानकारी पर क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव और थाना प्रभारी गौरव त्यागी भी पहुंचे और आवश्यक पूछताछ की। महिला के दो छोटे बच्चे 10 वर्षीय बेटी रौनक और 7 वर्षीय बेटा रोनश का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है, मौत का कारण रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा।

पशु से भिड़ी बाइक, भाई बहन और भांजी घायल

कार्यालय, कलान

● **सेठा गांव में मुंडन संस्कार से लौटते समय हुआ हादसा**

अमृत विचारः थाना कलान क्षेत्र में शनिवार शाम स्टेट हाईवे पर वारा कला गांव के पास एक गाय से बाइक टकरा जाने से भाई-बहन और दो वर्षीय भांजी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी कलान में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बदायूं जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया और इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, थाना कलान क्षेत्र के ग्राम सेठा निवासी उदय पाल के घर शनिवार को मुंडन संस्कार का कार्यक्रम था। इस अवसर पर बदायूं जनपद के उसावा क्षेत्र के ग्राम कलेक्टर गंज निवासी रिंकू की पत्नी कुसुमा देवी (32 वर्ष) अपनी दो वर्षीय पुत्री दानवी के साथ सेठा गांव आई हुई थीं। मुंडन संस्कार के दौरान भतीजे की सभी रस्म पूरी करने के बाद तुरंत शाम को ही वह अपने भाई विजय (19 वर्ष) के साथ बाइक से वापस गांव कलेक्टर गंज ओर लौट रही थीं। जैसे ही वे वारा कला गांव के पास मुरादाबाद-फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे पर पहुंचे, तभी सामने से अचानक एक गाय आ गई। जब तक बाइक को ब्रेक लगा पाते तक बाइक गाय से जोरदार तरीके से टकरा गई और तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के राहगीर लोग तुरंत भागकर आये और उन्हे उठाया तथा राहगीरों की मदद से घायलों को शाम करीब छह बजे सीएचसी कलान पहुंचाया।

जर्जर सड़क से परेशान होकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम नवदिया सितारगंज के ग्रामीणों ने जर्जर सड़क से परेशान होकर उसे बनवाने की मांग की है। इसे लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना था कि पिछले कई साल से गांव से होकर गुजरने वाला मार्ग जर्जर है। बीसलपुर से नवदिया सितारगंज होकर बरेली जाने वाला ये पुराना मार्ग करीब तीन साल से बदहाल है। कई जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं। ग्रामीणों के घरों की नालियों में जाने वाला गंदा पानी मार्ग पर अक्सर भर जाता है। जिससे मार्ग पर कीचड़ हो जाती है। इस मार्ग पर राहगीर चोटिल हो जाते हैं। प्रधान नवदिया सितारगंज इमरान खान का कहना है, कि उन्होंने मार्ग को ठीक कराने के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों और डीएम को पत्र लिचाा लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। प्रदर्शन करने वालों में वेदप्रकाश, विनोद कुमार, राजपाल, भगवान दास, ओम प्रकाश, नरेश कुमार, मनोज कुमार, नन्हेंलाल ,हरीश, सूरजपाल आदि थे।

विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● **बीसलपुर से नवदिया सितारगंज होकर बरेली जाने वाला मार्ग करीब तीन साल से बदहाल**

पूर्व जिपं अध्यक्ष बुद्धसेन वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते सपा नेता। ● अमृत विचार

सपाइयों ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर के बल्लभनगर कॉलोनी के रहने वाले पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बुद्धसेन वर्मा का गत दिनों बीमारी के चलते निधन हो गया था।

मंगलवार को सपा नेता पूर्व एमएलसी अमित यादव रिंकू, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर ने उनके आवास पहुंचकर परिवार से मुलाकात की। इसके बाद पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। परिवार को ढांढस बंधाया। इस मौके पर मनोज पटेल, बंटी वर्मा आदि मौजूद रहे।

हादसे में तीन लोगों की मौत, सीएचसी में हंगामा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः मोहम्मदी रोड पर पर दीपावली वाले दिन अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी,जिससे बाइक पर सवार तीनों लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को भावलखेड़ा सीएचसी पर लाया गया। जहां डाक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने सीएचसी पर हंगामा किया। मृतक रोजा थाना क्षेत्र के रहने वाले है और हादसा लखीमपुर खीरी जिले में हुआ है।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव शाहगंज निवासी 45 वर्षीय गुड्डू, अपने चाचा 45 वर्षीय संतराम के साथ अपने साले 35 वर्षीय हरिपाल के गांव गौहनिया थाना पसगवां जिला लखीमपुर खीरी गया था। सोमवार की सुबह पांच बजे तीनों लोग बाइक से थाना पसगवां से रोजा आ रहे थे। मोहम्मदी रोड पर महमदपुर गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार तीनों

भावलखेड़ा सीएचसी पर हंगामा करते परिजन।

● **लखीमपुर खीरी जिले में हुई घटना, दो मृतक रोजा और एक खीरी का था**

लोग घायल हो गए। चालक वाहन लेकर भा गया।

महमदपुर पुलिस चौकी के सिपाही मौके पर पहुंचे और तीनों घायलों को भावलखेड़ा पीएचसी पर ले गए। जहां डाक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना मिलने पर तीनों के परिजनों सीएचसी पर पहुंच गए। सीएचसी पर कोई सिपाही नहीं मिला। परिवार वालों ने सीएचसी पर हंगामा शुरु कर दिया।

परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस वाले तीनों घायलों को भर्ती कराके चले गए थे और डॉक्टर ने तीनों का सही से इलाज नहीं किया। डाक्टरों की लापरवाही के कारण मौत हो गयी है। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर जाम लगा दिया।

रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और परिवार वालों को शांत कराया। मृतक हरिपाल की पत्नी उर्मिला ने बताया कि वह पति के साथ कश्मीमर में भट्टे पर मजदूरी करते थे। दीपावली मनाने दो दिन पूर्व घर पर आए थे। रविवार की शाम को गुड्डू और संतराम उसके घर पर आए थे। तीनों लोग अगले दिन सुबह बाइक से रोजा जा रहे थे।

मृतक गुड्डू की पत्नी नन्ही और बेटा शिवा और बेटी वर्षा का रो-रोकर बुराहाल है। मृतक गड्डू मुकरमपुर में एक प्राइवेट बैंक में नौकरी करते थे। मृतक संतराम मजदूरी करते थे और तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि घटनास्थल लखीमपुर खीरी जिले का है। उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने पर पसगवां थाना क्षेत्र में भेज दी जाएगी।

जुआ खेलने से मना करने पर युवक व परिजनों पीटा

संवाददाता, पुवायां

● **झोपड़ी में आग लगाने का आरोप बिस्तर और चारपाई जलकर राख, पुलिस जांच में जुटी**

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव सदापुर में मंगलवार दोपहर उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब जुआ खेलने से इनकार करने पर कुछ ग्रामीणों ने एक युवक और उसके परिजनों पर हमला कर दिया। मारपीट की इस घटना में एक पक्ष के तीन लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उनकी झोपड़ी में आग भी लगा दी, जिससे घर में रखा सामान जलकर राख हो गया।

पीड़ित महिला राजेश्वरी पत्नी श्रीकेशन ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनका बेटा मनोज कुमार उर्फ भोजपाल गांव की एक परचून की दुकान पर सामान लेने गया था। इस दौरान गांव के ही राधे, पुष्पेंद्र, गौरव, सौरभ और रामलडैते ने उसे जुआ खेलने के लिए कहा। जब भोजपाल ने इंकार किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब भोजपाल के भाई दुर्गेश और अक्षय मौके पर पहुंचे और बचाव का प्रयास किया, तो उन्हें भी पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट के बाद हमलावरों ने उनकी झोपड़ी में आग लगा दी, जिससे चारपाई और बिस्तर सहित अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार एवं चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हुई है। जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में तनाव को देखते हुए स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा दुकान की दीवार काटकर उड़ाए लाखों के जेवरात

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर गांव में चोरों ने सोमवार की रात एक सर्राफा दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। किशुनदासपुर गांव निवासी ओमप्रकाश सोनी पुत्र राम अचल सोनी ने मंगलवार को थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि उनकी सोने-चांदी के जेवर और बर्तन की दुकान किशुनदासपुर चौराहे पर स्थित है। सोमवार की रात करीब 11 बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वे करीब 8 बजे दुकान पर पहुंचे तो देखा कि पीछे की दीवार काटकर चोरों ने दुकान में घुसकर करीब चालीस लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और चांदी के बर्तन चोरी कर लिए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, फंदे से लटका मिला शव

सुलतानपुर, अमृत विचार : देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत झलियावा, अभियाकला निवासी सूरज कुमार (25) पुत्र राजेंद्र प्रसाद उर्फ कुट्टे की दीपावली की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव कमरे में पंखे के सहारे फांसी के फंदे से लटका पाया गया। घटना से परिवार में मातम पसर गया और दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को सूरज अपनी पत्नी इंदु और दोनों बेटों अर्पित (3 वर्ष) व हर्षित (डेढ़ वर्ष) के साथ बिकवाजीतपुर का मेला देखने गया था। शाम को परिवार के सभी सदस्य हंसी-खुशी घर लौटे, लेकिन रात में किसी बात को लेकर परिवार में कहा-सुनी हो गई। कुछ देर बाद सूरज का शव कमरे में फंदे से लटका मिला।

पशु चराने गए बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के खानपुर पिलाई गांव में मंगलवार को पशु चराने गए एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजनों ने शव को अखण्डनगर चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार गांव निवासी 70 वर्षीय उमाशंकर दूबे मंगलवार दोपहर पशुओं को चराने गए थे। इसी दौरान उन्हें अज्ञात कारणों से कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। घायल अवस्था में परिजन उन्हें शाम करीब 5 बजे सीएचसी अखण्डनगर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर विवेक वर्मा ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दीपावली पर प्रदेश में बिजली की खपत का बना नया रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 149 मिलियन यूनिट की कोई बिजली आपूर्ति

अमृत विचार : दीपावली के अवसर पर उत्तर प्रदेश ने बिजली खपत का अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड बना दिया। राज्य में रविवार की रात कुल 149 मिलियन यूनिट (1.49 करोड़ यूनिट) बिजली की आपूर्ति की गई, जो ऊर्जा खपत के नए शिखर को दर्शाती है। यह पहली बार है जब प्रदेश में एक ही दिन इतनी अधिक बिजली की खपत दर्ज की गई।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों के दौरान बढ़ी रोशनी, सजावट, औद्योगिक इकाइयों और घरेलू उपयोग में हुई बढ़ोतरी के चलते यह रिकॉर्ड बना। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दीपावली की जगमगाहट ने बिजली की मांग को चरम पर पहुँचा दिया। इस दौरान राज्य में बिजली आपूर्ति की अधिकतम मांग 31,230 मेगावॉट तक पहुंची, जिसे ऊर्जा निगमों ने बिना किसी बड़े व्यवधान के पूरा किया।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष मॉनिटरिंग की गई। सभी वितरण केंद्रों और नियंत्रण कक्षों को अलर्ट पर रखा गया था। तकनीकी टीमों ने फील्ड में तैनात रहकर किसी भी फॉल्ट को तुरंत दुरुस्त किया। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर और नोएडा जैसे बड़े शहरों में बिजली खपत में सर्वाधिक उछाल दर्ज किया गया। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी रिकॉर्ड स्तर पर उपभोग बढ़ा, जो बताता है कि प्रदेश के हर कोने में दीपावली की रौनक पूरी तरह फैली रही।

बिजली निगम के अफसरों ने बताया कि पिछले वर्ष दीपावली पर लगभग 141 मिलियन यूनिट की खपत हुई थी। इस बार यह आंकड़ा आठ मिलियन यूनिट अधिक रहा। निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए अग्रिम तैयारी, पर्याप्त उत्पादन और बैकअप व्यवस्था को सफलता का प्रमुख कारण माना गया। सरकार का कहना है कि यह उपलब्धि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और मजबूत वितरण तंत्र की दिशा में यूपी की बड़ी सफलता है। दीपावली की रोशनी में जगमगाया उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा आपूर्ति के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर दिख रहा है।

उत्सव

प्रयागराज में मंगलवार 21 अक्टूबर को काली पूजा उत्सव के दौरान देवी काली के रूप में सजी एक कलाकार एक धार्मिक जुलूस में भाग लेती हुई। ● एजेंसी

आपदा में हर अन्नदाता के साथ खड़ी है सरकार : योगी

मुख्यमंत्री ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज सहायता वाहनों को किया रवाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मंगलवार को अपने आवास से पंजाब में बाढ़ विभिषिका से प्रभावित कृषकों को बीज सहायता वाहन प्रस्थान कार्यक्रम को संबोधित करते व वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम किसी जरूरतमंद या आपदा पीड़ित की सहायता के लिए खड़े हों। इसी भावना के साथ उत्तर प्रदेश सरकार आज पंजाब के अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार हर संकट की घड़ी में नागरिकों के साथ है, चाहे वह राहत सामग्री हो, आर्थिक सहयोग या पुनर्वास का प्रयास। मुख्यमंत्री ने बताया कि अतिवृष्टि से प्रभावित पंजाब के किसानों की मदद के लिए भेजा गया यह गेहूं बीज बीबी-327 प्रजाति का है, जिसे 'करण शिवानी' के नाम से जाना जाता है। यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और बायो-फोर्टीफाइड बीज है, जो केवल 155 दिनों में तैयार होकर प्रति हेक्टेयर 80 क्विंटल तक की उपज देने में सक्षम है। योगी ने कहा कि यह बीज पंजाब के किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर जाएगा और उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की दक्षता का भी प्रमाण बनेगा। उन्होंने बताया कि निगम आज 148 करोड़ रुपये के लाभांश पर कार्यरत है और मात्र एक वर्ष में 37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

सीएम योगी ने कहा कि पंजाब देश का ऐसा राज्य है, जिसने स्वतंत्र भारत में कृषि आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। परंतु इस बार आई बाढ़ ने किसानों के बीज भंडार तक को नष्ट कर दिया, जिससे आगामी फसलों पर संकट मंडरा रहा है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार राहत और सहयोग की भावना से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में भी पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ के समय यूपी सरकार ने राहत सामग्री और वित्तीय सहयोग भेजा था।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बहुत शीघ्र ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति में "सीड पार्क" की स्थापना की जाएगी, जिसकी सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा राज्य के पांच अन्य स्थानों पर भी नए सीड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज समय पर मिलने से किसानों की लागत घटती है और उत्पादन में 30 से 50 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की कुल कृषि योग्य भूमि का मात्र 11 प्रतिशत हिस्सा रखता है, लेकिन खाद्यान्न उत्पादन में उसका योगदान 21 प्रतिशत है, यह प्रदेश के मेहनती किसानों और नीतिगत दक्षता का प्रमाण है।

इस अवसर पर योगी ने सिख परंपरा के षष्टम गुरु, श्री गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके जीवन से सेवा, त्याग और सहयोग की प्रेरणा मिलती है। दीपावली और गुरु जयंती की इस बेला में पंजाब के सभी अन्नदाता किसानों के प्रति उन्होंने शुभकामनाएं व्यक्त कीं और कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, संवेदना और एकता का संदेश लेकर आए।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, बीज निगम उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार और प्रमुख सचिव संजय प्रसाद समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार की संवेदनशील पहल

पंजाब में बाढ़ से फसलें और बीज भंडार नष्ट होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्वरित निर्णय लेकर 1000 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले गेहूं बीज निशुल्क भेजने का आदेश दिया। यह निर्णय पंजाब के कृषि मंत्री द्वारा हाल ही में दिल्ली में बताए गए हालात के बाद लिया गया। यह न केवल किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और दूरदृष्टि का उदाहरण है, बल्कि राज्यों के बीच सहयोग और मानवीय एकजुटता की मिसाल भी पेश करता है।

किराना दुकान में आग डेढ़ वर्षीय बच्चे की मौत, पिता गंभीर

बलरामपुर, अमृत विचार: दीपावली की शाम स्टेशन रोड स्थित एक किराना दुकान में दीपक से लगी आग ने खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे में दुकान पर बैठे पिता-पुत्र झुलस गए। इलाज के दौरान डेढ़ वर्षीय बालक सुभान की मौत हो गई, जबकि उसके पिता जाकिर (30) का उपचार बहराइच में चल रहा है। आग से लगभग चार लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, पचपेड़वा नगर के स्टेशन मोड़ चौराहे पर रमजान की किराना दुकान में मंगलवार शाम करीब सात बजे दीपक से आग लग गई। दुकान के मालिक रमजान ने बताया कि वह किसी काम से बाहर गए थे। दीपावली के अवसर पर मकान मालिक शिवकुमार ने करीब साढ़े छह बजे दीपक जलाया था। उसी दीपक से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने के दौरान दुकान पर रमजान का बेटा जाकिर और उसका डेढ़ वर्षीय पुत्र सुभान मौजूद थे। सामान बचाने की कोशिश में दोनों झुलस गए।

अदम्य साहस और बलिदान के प्रतीक बने तीन वीर पुलिसकर्मी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच कर्तव्य पालन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस के तीन वीर सपूत निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह और आरक्षी सौरभ कुमार ने अपने प्राणों की आहुति देकर पुलिस बल का मस्तक ऊंचा किया।

25 मई 2025 को वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के दौरान भीड़ और फायरिंग के बीच साहसपूर्वक डटे रहे। सिर में गोली लगने के बावजूद अंतिम सांस तक कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए। **आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्धनगर)**

20 जनवरी 2025 को एक लाख के इनामी अपराधी की तलाश में ऑपरेशन के दौरान गोलियों की बौछार झेलते हुए वीरता से मोर्चा संभाला। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी साथियों का नेतृत्व किया और 22 जनवरी को वीरगति प्राप्त की। **निरीक्षक सुनील कुमार (एसटीएफ)**

17 मई 2025 को गो-तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन से कुचले जाने पर शहीद हुए। दुर्गेश ने सर्वोच्च बलिदान देकर जौनपुर पुलिस का गौरव बढ़ाया। **मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर)**

भाजपा नेता ने युवक से सड़क पर रगड़वाई नाक

मेरठ, एजेंसी

- मेरठ का मामला, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल
- पुलिस ने भाजपा नेता को गिरफ्तार किया

जिले में दो युवकों से अभद्रता करने और एक युवक से सड़क पर नाक रगड़वाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 19 अक्टूबर की रात मेडिकल थानाक्षेत्र के तेजगढ़ी इलाके में हुई थी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विकुल चपराणा अपने साथियों के साथ मिलकर दो युवकों को धमकाते और उनकी कार के शीशे तोड़ते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में एक युवक हाथ जोड़कर माफी मांगता और सड़क पर सिर झुकाकर नाक रगड़ता दिखाई दे रहा है जबकि एक अन्य युवक उसे गालियां दे रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना ऊर्जा मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर के दफ्तर के नीचे पार्किंग विवाद के दौरान हुई।

घटना के समय पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद थे लेकिन उन्होंने आरोपियों को रोकने का प्रयास नहीं किया। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद मामले पर संज्ञान लिया गया और जांच में सामने आया कि दोनों पक्षों में पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी विकुल चपराणा को गिरफ्तार कर लिया गया। मेडिकल थाना प्रभारी शीलेष कुमार के अनुसार, शिकायत पीड़ित युवक सत्यम रस्तोगी के भाई आदित्य रस्तोगी ने दर्ज कराई थी और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।इस घटना के बाद विपक्षी दलों ने भाजपा पर निशाना साधा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर कहा, "भाजपाई सत्ता के अहंकार में चूर होकर किसी को भी अपमानित करने से नहीं चूकते हैं।

सड़क पर नाक रगड़ता युवक।

भाजपाई न भूलें, एक न एक दिन हर दंभ का अंत होता है। कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा कि यह भाजपा का असली चेहरा है, जहां नेता खुद को राजा और जनता को तुच्छ समझते हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने स्थानीय मीडिया से कहा कि उनका इस विवाद से कोई संबंध नहीं है। भाजपा जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा ने बताया कि वीडियो हमारे संज्ञान में आया है, पार्टी इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करती। मामले की जानकारी प्रदेश और क्षेत्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है

कर्मचारियों को दिया कम बोनस तो टोल से मुफ्त में निकाले वाहन

आगरा,एजेंसी

इस बार दिवाली पर कर्मचारियों को कम बोनस मिला तो कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। इसका नतीजा यह हुआ कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर फतेहाबाद टोल बूथ से हजारों वाहन बिना टोल टैक्स दिए निकल गए। असंतुष्ट कर्मचारियों ने टोल के सभी गेट खोल दिए थे। कंपनियों की हड़ताल की वजह से टोल कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। विरोध प्रदर्शन के कारण सामान्य टोल संचालन और यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम की और अधिकारियों और कर्मचारी की आपस में वार्ता कराई। टोल अधिकारियों ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया गया तब कहीं जाकर दो घंटे बाद फतेहाबाद टोल टैक्स पर कर्मचारियों ने काम शुरू किया। टोल के सीनियर अधिकारियों ने कर्मचारियों की 10 प्रतिशत वेतन बढ़ाने का आश्वासन दिया। फतेहाबाद टोल प्लाजा की जिम्मेदारी श्री साइन एंड दातार कंपनी के पास है। कंपनी ने मार्च 2025 से टोल प्लाजा का ठेका लिया है। टोल पर 21 कर्मचारी कार्यरत हैं जिन्हें दीपावली पर सिर्फ 1100 का बोनस दिया गया था।

खाली पड़ा टोल प्लाटा।

शिकोहाबाद में पेट्रोल पंप स्वामी लापता पुलिस जांच में जुटी

फिरोजाबाद, एजेंसी: फिरोजाबाद के शिकोहाबाद नगर में मंगलवार को मॉर्निंग वॉक पर निकले पेट्रोल पंप संचालक के लापता होने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर लापता पेट्रोल पंप मालिक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शिकोहाबाद निवासी जीवेन्द्र सिंह (62) मॉर्निंग वॉक के लिये निकले थे लेकिन देर रात तक वापस घर नहीं लौटे।

परिजनों ने पुलिस में जीवेन्द्र सिंह की लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लापता जीवैन्द्र सिंह का एक पेट्रोल पंप है तथा बेकरी का भी व्यवसाय है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनुज कुमार चौधरी ने बताया कि शिकोहाबाद के व्यवसायी जीवेन्द्र सिंह घर से सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे।

प्रदूषण, धूल की चादर में लिपटा ताजमहल

आगरा, एजेंसी

धुंध की आगोश में ताजमहल।

दीपावली के अगले दिन मंगलवार सुबह प्रदूषण और धूल की वजह से ताजमहल परिसर में दृश्यता स्तर कम हो गया। यमुना किनारे बने ताज व्यू पॉइंट से ताजमहल धुंधला दिखाई दे रहा था जबकि सुबह के वक्त ताजमहल धवल और चमकता हुआ दिखाई देता है। स्थानीय निवासी सुबह सुबह टहलने निकले तो ताजमहल आम दिनों की तरह दिखाई नहीं दे रहा था बल्कि धूल में लिपटा हुआ दिखाई दे रहा था। जो पर्यटक सुबह के वक्त ताजमहल की खूबसूरती देखने के लिए आते हैं वो भी निराश थे।

देश-दुनिया से बड़ी तादात में यमुना के किनारे ताज व्यू प्वाइंट से पर्यटक ताजमहल देखने पहुंचते हैं। दरअसल सूरज की पहली किरण ताजमहल पर पड़ती है तो ताजमहल और भी ज्यादा खूबसूरत लगता है। सूरज की लालिमा किरणों से सफेद संगमरमर के साथ साथ ताजमहल पर लाल छवि का नजारा देखने को मिलता है। सुबह ऐसा नजारा सूर्योदय होने के बाद थोड़े से वक्त के लिए होता है। यमुना किनारे बने ताज व्यू प्वाइंट से सुबह के वक्त ताजमहल का देखना बेहद रोमांचकारी होती है। पर्यटक इसी उम्मीद से बड़ी तादात में पहुंचते हैं कि यमुना का किनारे बैठा जाएगा और ताजमहल को निहारा जाएगा। ताज व्यू प्वाइंट से पर्यटक निराश हो कर लौट गए। रात भर चले पटाखों की वजह से सुबह के वक्त प्रदूषण की मार देखने मिली। आगरा में वायु प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई) 144 दर्ज किया गया जो जिसको खराब स्थिति माना जाता है। अभी कुछ और दिन इसी तरह का वातावरण रहने की आशंका जाहिर की जा रही है।

साइबर अपराध को अंजाम देने वाले सात सदस्य गिरफ्तार

भदोही, एजेंसी : पुलिस ने चीन और हांगकांग के साइबर अपराधियों से डेटा साझा कर भारत के कई राज्यों में साइबर अपराधों को अंजाम देने वाले एक गिरोह के सात सदस्यों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार किये गए इन आरोपियों के खिलाफ 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं और ये गिरोह 700 बैंक खाते संचालित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराध के शिकार हुए ये व्यक्ति तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान और बिहार के हैं। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से बरामद किये गये 10 मोबाइलों में साइबर अपराध से संबंधित एपीके फाइल आदि मिले हैं।

सिपाही की मौत मामले में अधिकारी की तहरीर पर रिपोर्ट

संवाददाता, सुलतानपुर

- हादसे के बाद संवेदनहीनता को लेकर मचा था बवाल

अमृत विचार: देहात कोतवाली क्षेत्र के अयोध्या-प्रयागराज मार्ग पर बीते शुक्रवार की रात हुए सड़क हादसे में सेल टैक्स उड़नदस्ता में तैनात सिपाही हरेंद्र प्रताप यादव की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। राज्य कर अधिकारी सोनम राय की तहरीर पर पुलिस ने दुर्घटना करने वाले मैजिक वाहन चालक के खिलाफ मामला पंजीकृत किया है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात राज्य कर अधिकारी सुलतानपुर सोनम राय सचल दल के साथ सरकारी वाहन से खुशहालपुर उतुरी गांव के पास चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान उनकी टीम के साथ ड्यूटी कर रहे सिपाही हरेंद्र प्रताप यादव (46) पुत्र मनोज यादव, निवासी वीरपुर मिश्र, थाना खुखुन्दू, जिला देवरिया, को एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी। प्रतापगंज चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार घटना की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और सहयोगी पुलिस कर्मियों की मदद से घायल सिपाही को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शनिवार को परिजनों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर राज्य कर अधिकारी सोनम राय पर लापरवाही और संवेदनहीनता के आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि हादसे के समय अधिकारी घायल सिपाही को अस्पताल पहुंचाने के बजाय मौके से फरार हो गईं, जिससे उनकी मौत हो गई।

अनियंत्रित वाहन के पेड़ से टकराने पर दो लोगों की मौत

कुशीनगर, एजेंसी: जिले में सोमवार देर रात तेज रफ्तार एक अनियंत्रित जीप के पेड़ से टकराने की दुर्घटना में वाहन में सवार दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गये।

पुलिस ने बताया कि तुर्कपट्टी थानाक्षेत्र के सपही बुजुर्ग गांव के रहने वाले झगरु शर्मा, उमेश शर्मा, कृष्णा शर्मा और राहुल गौंड सोमवार देर शाम एक अन्य व्यक्ति को गोरखपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराने के लिए निकले थे। पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद चारों लोग जीप से घर लौट रहे थे कि तभी करीब साढ़े तीन बजे थरुआडीह के पास उनका वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराया। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में उमेश शर्मा (55) व झगरू शर्मा (45) की मौके पर ही मौत हो गई।

न्यूज ब्रीफ

युवती के अपहरण में नामजद को भेजा जेल

भोजपुर, अमृत विचार : उप निरीक्षक अंकुर चौधरी ने गांव अक्का भीकनपुर निवासी शानेआलम को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया। युवक के खिलाफ एक ग्रामीण ने पांच दिन पहले बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

दंपती समेत चार पर मारपीट की रिपोर्ट

भोजपुर, अमृत विचार : पुलिस ने गांव चकबेगमपुर निवासी कमल सैनी की तहरीर पर गांव के ही सुरजपाल उसकी पत्नी बीना एवं नौबत सिंह और उसके बेटे प्रवेंद्र सिंह के खिलाफ मां और भाई के साथ मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसों में चार घायल

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : मंगलवार को उत्तराखंड के थाना गदरपुर के भोगपुर राम निवासी मंगत सिंह पुत्र राम सिंह किसी काम से ठाकुरद्वारा आए थे वापस लौटते समय ठाकुरद्वारा काशीपुर मार्ग पर वाहन की चपेट में आकर घायल हो गए। वहीं थाना डिलारी के गांव बहादुर नगर निवासी अंकुश पुत्र ओमप्रकाश की बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गयी जिसमें अंकुश घायल हो गया। वार्ड 14 निवासी मोहम्मद फारूक सन्यासी वाला गांव से वापस बाइक से लौट रहा था इसी दौरान फैजुल्लागंज स्थित मंदिर के निकट सड़क पार कर रहे भानु सिंह की बाइक से टक्कर हो गई जिसमें दोनों लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक संजय पांचाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात फैजुल्लागंज तिराहे पर चेकिंग के दौरान तीन अभियुक्तों को चोरी की बाइक सहित पकड़ा। निशानदेही पर मुण्डोवाली कॉलोनी के पास खंडहर से दो और बाइकें बरामद कीं। अभियुक्तों की पहचान संजू पुत्र महेश सिंह निवासी असलेमपुर, अतुल कुमार पुत्र गंभीर सिंह निवासी फर्रखपुर और अमित कुमार पुत्र उदल सिंह निवासी लौंगी खुर्द के रूप में हुई है। तीनों का चालान कर दिया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया।

4.18 किलो मार्फिन के साथ तस्कर गिरफ्तार

पंजाब और नागालैंड समेत कई राज्यों से मादक पदार्थों को लाते थे आरोपी, डीसीएम में बना रखा था गुप्त केबिन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बारादरी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के बंगसान निवासी सिराज अहमद को चार किलो 186 ग्राम मार्फिन के साथ गिरफ्तार किया है। गिरोह का सरगना देवचरा, भमोरा निवासी सुरेन्द्र शर्मा फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। आरोपी डीसीएम में गुप्त केबिन बनाकर कई राज्यों से मादक पदार्थों को लाकर उसकी सप्लाई करते थे। बरामद की गई मार्फिन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब चार करोड़ 15 लाख रुपये बताई जा रही है।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि पुलिस मंगलवार सुबह गश्त कर रही थी। इसी बीच जानकारी मिली कि डोहरा रोड स्थित छात्रावास के पास एक डीसीएम गाड़ी में भारी मात्रा में तस्कर मादक पदार्थ छिपाकर ला रहे हैं। जिन्हें सप्लाई करेंगे। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने डीसीएम को रोककर चालक सिराज अहमद को नीचे उतरा और गाड़ी की तलाशी लेनी शुरू की। पुलिस ने गाड़ी के नीचे बने एक गुप्त बॉक्स को खोला तो उसमें मार्फिन रखी हुई थी। पुलिस ने जैसे ही मार्फिन बरामद की तो सरगना सुरेन्द्र शर्मा दीवार फांदकर पुलिस को चकमा देते हुए मौके से फरार हो गया। फरार सरगना की तलाश में पुलिस की टीमें उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। दावा है कि उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गिरफ्तार तस्कर के विषय में जानकारी देते हुए एसपी सिटी मानुष पारीक।

- फरार सरगना की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दे रही दबिश

चालक आठवीं पास, हर चक्कर का लेता था एक लाख

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार तस्कर सिराज ने बताया कि उसने आठवीं तक की पढ़ाई की है। पूर्व में वह बड़े ट्रकों पर ड्राइविंग का काम करता था। सुरेन्द्र शर्मा भी एक ट्रक चलाता था। दोनों की इसी दौरान मुलाकात हुई। धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ी तो सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि दूसरे की किराए पर गाड़ी क्यों चलाते हो खुद की ले ले। इस पर सिराज ने रुपये न होने का हवाला दिया। उसके बाद पांच लाख रुपये जमा कराकर उसे एक डीसीएम लोन पर दिलवा दी। उसी डीसीएम से सुरेन्द्र शर्मा महीने में एक या दो बार उसे लेकर पंजाब या नागालैंड जाता था। वहीं से बैग में मार्फिन या स्मैक लेकर खाली गाड़ी से ही वापस आता था। सुरेन्द्र शर्मा ने डीसीएम में नीचे एक कैबिन बनवाया था, उसी में माल रखकर लाता था। जिसके बदले में हर एक चक्कर का उसे एक लाख रुपये देता था। बाकी समय में वह मंडी में गाड़ी चला कर अपना खर्चा निकालता था।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि अंतर्राज्यीय गिरोह के तस्कर को 4.15 करोड़ रुपये की मार्फिन के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरोह का सरगना मौके से फरार हो गया। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

बाहर जाते समय बरेली में मोबाइल बंद कराकर जाता था खाली हाथ

सिराज ने बताया कि बरेली में माल उतारने के बाद वह अपने घर चला जाता था, जबकि सुरेन्द्र शर्मा उस माल को किसे देता था, कहां सप्लाई करता था। उसे उसके बारे में जानकारी नहीं है। बरेली से बाहर ले जाते समय उसका मोबाइल फोन बंद करवा कर यहीं रखवा देता था, जब लौट कर आता था तो मोबाइल वापस देता था। सुरेन्द्र शर्मा पहले अपनी गाड़ी से यह काम करता था, लेकिन चार साल पहले उसे कैंट थाना क्षेत्र में पकड़ लिया गया था। उसके बाद से उसने अपनी गाड़ी से यह काम करना बंद कर दिया था। इस बार वह विलयधाम, रामपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, डासना, पानीपत, करनाल होते हुए फगवाडा गया था। वहां से माल लेकर देर रात बरेली पहुंचा था।

धर्मांतरण कराने में पादरी समेत 3 गिरफ्तार, भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को रुपयों का लालच देकर बनाते थे निशाना
- मकान में रविवार को बीमारों को विशेष प्रार्थना कराने के साथ करते थे ब्रेनवास

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र की सुपर सिटी कॉलोनी के मकान में धर्मांतरण का खेल चल रहा था। वहां पर गरीब परिवार की महिलाओं और बच्चों को आर्थिक सहायता का लालच देकर उनका धर्मांतरण कराने की तैयारी थी। हालाकि, आरोपी अपने मकसद में कामयाब होते कि पुलिस ने रविवार को पादरी समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुपर सिटी निवासी पादरी सुमित मैसी, अमित मैसी उर्फ अक्षय और सनराइज निवासी सत्यपाल के रूप में हुई।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि सुभाषनगर निवासी ऋषभ ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनके दोस्त निर्दोष राठौर ने उन्हें जानकारी दी कि इसाई मिशनरी से जुड़े कुछ लोग सुपर सिटी में किराये का मकान लेकर रह रहे हैं। साथ ही वहां पर भोले-भाले व गरीब महिलाओं और वच्चों को प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे हैं। रविवार को विशेष प्रार्थना के नाम पर कई महिलाएं व बच्चों को इसाई धर्म के ग्रन्थों के बारे में बताया जा रहा है।

बीमारों को ठीक करने का भी आश्वासन देकर बुलाया गया था। इसके साथ ही सभी को रुपये बांटने का भी प्रलोभन दिया जा रहा है। इस पर वह दोस्तों के साथ मकान पर पहुंचे तो वहां पर पादरी ने बताया कि दीक्षा देकर इसाई बनाया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

मारपीट में दो घायल पांच के खिलाफ रिपोर्ट

संवाददाता, स्वार

- घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया

अमृत विचारः कहासुनी को लेकर कुछ युवकों ने ट्रक ड्राइवरों पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

नगर के मोहल्ला रसूलपुर निवासी शाहरुख खां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि ट्रक चालक भाई अरमान, अयान व चचेरा भाई मुराद 16 अक्टूबर की रात नरपतनगर से ट्रक से वापस लौट रहे थे।

जैसे ही वे बुधवार की बाजार स्थित बैंक के सामने पहुंचे।वहां पहले से घात लगाए बैठे अतीक व युसूफ,शाबान शान, जीशान और रऊफ निवासी रसूलपुर ने धारदार हथियार, सरिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने दो-तीन दिन पहले हुई कहासुनी के चलते हमला किया।

जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ वार किए जिससे वह लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

घटना में अरमान और मुराद के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने ट्रक में भी तोड़फोड़ भी की। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया।पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अमृत विचार कार्यालयों में हुआ दीपावली पूजन

बरेली कार्यालय

- बरेली, लखनऊ, हल्द्वानी, अयोध्या कानपुर और मुरादाबाद कार्यालय में विधि विधान से हुआ पूजन

अमृत विचार : दीपावली पर्व पर पीलीभीत बाईपास रोड स्थित अमृत विचार के प्रधान कार्यालय में सोमवार अपराह्न 3 बजे गणेश-लक्ष्मी की पूजा हुई। पंडित किशोर जोशी ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। इसके बाद प्रसाद का वितरण हुआ। इस अवसर पर बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डा. केशव अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल, डा. अर्जुन अग्रवाल, डा. चीना गर्ग, डा. वरुण अग्रवाल, डा. प्रज्ञा मिश्रा, अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार, आईटी हेड हरिओम गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, सुबोध शर्मा, अजीत श्रीवास्तव आदि शामिल हुए। पूजा समापन के बाद सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और सुख-समृद्धि की कामना की। लखनऊ कार्यालय में भी दीपावली पर विधि-विधान से पूजन किया गया।

इस मौके पर समूह संपादक राजेश श्रीनेत, सीएमओ (हेड आफ आपरेशन, ई) एपी सिंह, कार्यकारी संपादक अनिल त्रिगुणायत व समूह प्रसार प्रबंधक विनोद सिंह सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे। अमृत विचार हल्द्वानी के रामपुर रोड स्थित कार्यालय में सोमवार को दीपावली का पूजन हुआ। मुख्य प्रबंधक अजय सक्सेना ने विधि विधान से विघ्नहर्ता गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की। इस दौरान विनोद राजपूत, अंकुर शर्मा, सर्वेश तिवारी, नरेंद्र देव सिंह, मनोज कुमार मौजूद रहे।

अमृत विचार कार्यालय, बरेली में पूजन के दौरान मौजूद बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डा. केशव अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल, डा. अर्जुन अग्रवाल, डा. चीना गर्ग, डा. वरुण अग्रवाल, डा. प्रज्ञा मिश्रा, सीओओ पार्थो कुनार, आईटी हेड हरिओम गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, सुबोध शर्मा व अजीत श्रीवास्तव आदि। ● अमृत विचार

कानपुर कार्यालय परिसर में विघ्नहर्ता भगवान गणेश और लक्ष्मी जी का पूजन किया गया। आतिशबाजी के साथ ही मिठाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर कार्यकारी संपादक दिग्विजय सिंह, विज्ञापन प्रबंधक राजेश श्रीवास्तव व निशांत पाठक व टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे। मुरादाबाद अमृत विचार कार्यालय पर दिवाली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सोमवार को मुरादाबाद कार्यालय परिसर में रंगोली बनाई गई।

प्रबंधक राहुल शर्मा, सिटी इंचार्ज विनोद श्रीवास्तव, एच आर मिसवा खान ने साथी रिपोर्टर के साथ लक्ष्मी-गणेश की विधिवत पूजा अर्चना की। इसके बाद कार्यालय प्रबंधक द्वारा सभी साथियों में मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर रिपोर्ट शुभम शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, फोटोग्राफर राजेश राजा और विज्ञापन विभाग से प्रिया सिंह मौजूद रहीं। अयोध्या कार्यालय में भी पूजन कर दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बाइक एजेंसी में चोरी सीसीटीवी भी ले गए चोर

कार्यालय संवाददाता, सीबीगंज

- दीवार पर लगी तार काटकर अंदर दाखिल हुए चोर, जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचारः सीबीगंज में बाइक एजेंसी की दीवार पर लगे कांटे वाले तार काटकर घुसे अज्ञात चोरों ने पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़े और फिर ऑफिस की ग्रिल काटकर दराज में रखे करीब चार लाख रुपये, 20 चांदी के सिक्के और अन्य सामान लेकर फरार हो गए। सूचना पर सीबीगंज पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉट मौके पर पहुंची।

गांधीपुरम निवासी मनीष खंडेलवाल की सीबीगंज क्षेत्र में महेशपुरा रामपुर रोड स्थित पर खंडेलवाल ऑटोमोबाइल (हीरो बाइक) एजेंसी है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात को वह एजेंसी को बंद करके गए थे। डयूटी पर गार्ड तैनात था। रात में किसी समय चोर एजेंसी के पीछे की दीवार के तार काटकर अंदर घुस गए फिर सीसीटीवी कैमरे तोड़े। उसके बाद ऑफिस की खिड़की की ग्रिल को कटर से काटकर चोर अंदर घुस गए। चोर कैश रूम की दराज में रखे बिक्री के करीब चार लाख रुपये, गिफ्ट में देने के लिए रखे 20 चांदी के सिक्के, पूजा स्थल पर रखे कुछ चांदी के सिक्के और करीब सात हजार रुपये की रेजगारी व अन्य सामान ले गए। सुबह जब वह एजेंसी पर पहुंचे तब घटना की जानकारी हुई। थाने पर सूचना देने के काफी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड बुलाया गया। चोर तार कटर और रिंच मौके पर छोड़ गए। चोर टूटे हुए सीसीटीवी कैमरे अपने साथ ले गए। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एनईआर की पूजा स्पेशल देगी यात्रियों को राहत

बरेली, अमृत विचारः छठ पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने लुधियाना से कटिहार के बीच गोरखपुर मार्ग से एक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन बरेली से होकर भी गुजरेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 04660 लुधियाना-कटिहार पूजा स्पेशल ट्रेन 23 अक्टूबर को लुधियाना से शाम 4:50 बजे प्रस्थान करेगी।

यह ट्रेन अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा और गोरखपुर होते हुए 25 अक्टूबर की सुबह कटिहार पहुंचेगी। वहीं वापसी में 04659 कटिहार-लुधियाना पूजा स्पेशल 25 अक्टूबर को सुबह 6:30 बजे चलेगी और दूसरे दिन शाम 6:30 बजे लुधियाना पहुंचेगी।

शतरंज में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते

बरेली, अमृत विचारः अलीगढ़ में हुई प्रदेशीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता में मंडल के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर मंडल का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में अंडर-14 बालक वर्ग में टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। विजेता खिलाड़ियों में बरेली के कामेंद्र सागर, आरुष शर्मा, आद्विक भट्टाचार्य, शाहजहांपुर के अनंत शर्मा, पीलीभीत के अमित गंगवार शामिल रहे। बालिका अंडर-14 वर्ग में मंडल की छात्राओं ने बेहतरीन खेल दिखाया। बरेली की शशिपाल, पलक और पीलीभीत की पलक व अदिति ने रजत पदक हासिल किया। अंडर-17 बालिका वर्ग में बरेली की अनुष्का वर्मा, प्रियांशी, शाहजहांपुर की कंचन मौर्य, पीलीभीत की इस्तिका खानम और अक्षिता पटेल ने रजत पदक हासिल किया। वहीं अंडर-19 बालिका वर्ग में छात्राओं ने अपना दबदबा बनाए रखा। अमनप्रीत कौर, दिव्या यादव, नंदिनी और पीलीभीत की समीक्षा गुप्ता व नेहा गंगवार ने रजत पदक जीतकर परचम बुलंद किया।

7 नवंबर से होगी स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से जिले में स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक किया जाएगा। इसमें 40 जिलों से करीब 600 खिलाड़ी अपने कौशल और ताकत का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता सेक्रेड हार्ट्स स्कूल में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले होंगे। इसमें सब जूनियर, कैडेट, में, जूनियर और सीनियर वर्ग में आठ भार वर्ग निर्धारित किए गए हैं।

डॉ. रवीश अग्रवाल बने आईएमए यूपी के अध्यक्ष

बरेली, अमृत विचारः आईएमए के पूर्व अध्यक्ष और आईएमए यूपी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वर्तमान एडिटर जनरल डॉ. रवीश अग्रवाल को आईएमए यूपी 2026-2027 का अध्यक्ष चुना गया है। डॉ. रवीश अग्रवाल ने बताया कि आईएमए के प्रदेश कार्यालय से सोमवार को परिणाम घोषित कर दीपावली का उपहार दिया गया। उन्होंने कहा कि बरेली से 13 वर्ष के बाद दोबारा प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है, इससे पहले डॉ. रवि मेहरा प्रदेश अध्यक्ष बने थे। डॉ. रवीश अग्रवाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर आईएमए बरेली के सदस्यों में खुशी की लहर है। उनके घर पर चिकित्सकों और समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों ने पहुंचकर बधाई दी। चिकित्सकों ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल डॉ. रवीश अग्रवाल के लिए बल्कि पूरे बरेली के लिए सम्मान की बात है।

बरेली में अभिनेता असरानी को मिली थी मानद उपाधि

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे थे

अमृत विचार : फिल्म जगत के प्रसिद्ध अभिनेता गोवर्धन असरानी के निधन की खबर से देशभर में शोक की लहर है। उनकी अदाकारी ने न केवल बॉलीवुड बल्कि दर्शकों के दिलों पर भी अमिट छाप छोड़ी। गोवर्धन असरानी का बरेली से भी जुड़ाव रहा, जिसे वे हमेशा स्नेह और गर्व के साथ याद करते थे। 9 मई 2025 को इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षा समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया था। इस दौरान उन्हें डॉक्टरेट ऑफ आर्ट्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था।

उपाधि ग्रहण करते समय उन्होंने भावुक होकर कहा था कि मेरे पिता ने कभी नहीं सोचा होगा कि उनके बेटे के नाम के आगे डॉक्टर लिखा जाएगा। उन्होंने कहा था कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री का है। कार्यक्रम के मंच पर उन्होंने बरेलीवासियों के स्नेह के प्रति आभार जताते हुए कहा था कि मैं मुंबई जाकर सबको कहूंगा, अगर सम्मान पाना है तो बरेली आओ। असरानी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में कहा था कि "हम कलाकारों के लिए दर्शकों की तालियां और सीटी ही ऑक्सीजन हैं। उनके इन शब्दों ने समारोह में उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया था। आज जब शोले के मशहूर जेलर असरानी हमारे बीच नहीं हैं, तब बरेलीवासी भी उन्हें याद कर भावुक हैं। शहर के कई फिल्म प्रेमियों ने उनके योगदान को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बरेली को लेकर उनका लगाव हमेशा याद किया जाएगा।

आधा किमी का काटना पड़ रहा चक्कर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- धूल-मिट्टी भी कर रही परेशान, सर्विस रोड पर फैली बजरी पर हादसे का बना रहता डर
- एनएचएआई मुरादाबाद डिवीजन पिछले छह माह से दो लेन के पुल का करा रहा निर्माण

अमृत विचार : बड़ा बाईपास पर जिले के सबसे बड़े ब्लैक स्पॉट नवदिया झादा पर फ्लाईओवर निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। करीब एक किलोमीटर से अधिक लंबे पुल के निर्माण के लिए बीसलपुर रोड से बरेली की तरफ आने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है, इस वजह से करीब आधा किलोमीटर राहगीरों को अधिक दूरी तय कर दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत साइकिल सवार और पैदल जाने वाले लोगों को हो रही है। इस चौराहे पर पुल के दोनों हिस्से बन चुके हैं। इस कारण इनके नीचे से निकलने की किसी को अनुमति नहीं है। ऐसे में डायवर्ट किए ट्रैफिक से निकल कर लोग अपने गंतव्य स्थान के लिए आना-जाना कर रहे हैं। सबसे बड़ी दिक्कत धूल मिट्टी से हो रही है, गाड़ियों के बड़ी संख्या में आने जाने से सर्विस रोड पर दिन में खूब धूल उड़ती है, बजरी पर दोपहिया वाहनों के फिसलने का डर बना रहता है, लोग किसी तरह आना-जाना करने को मजबूर हैं।

दरअसल, पिछले छह माह से पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। बड़ा बाईपास पर पुल भी दो लेन का बनाया जा रहा है ताकि बीसलपुर की तरफ से बरेली आने और बरेली की तरफ से ट्रैफिक बिना किसी रुकावट के आना-जाना कर सके। इसके साथ ही हादसे की गुंजाइश भी समाप्त हो जाए। इस जगह पर पूर्व में बड़े बड़े हादसे हुए हैं। लगातार बढ़ते हादसों पर प्रशासन ने एनएचएआई के साथ मिलकर पुल बनवाने के लिए शासन से मंजूरी ली। इसके बाद जनपद के बड़ा बाईपास पर सबसे बड़े ब्लैक स्पॉट नवदिया झादा पर फ्लाईओवर निर्माण की कार्रवाई शुरू कराई। एनएचएआई का मुरादाबाद डिवीजन फ्लाईओवर का निर्माण करा रहा है। यह पुल दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे को लिंक करने के लिए रजऊ परसपुर और परसाखेड़ा के बीच स्थित बड़ा बाईपास पर बन रहा है।

बड़ा बाईपास पर ही बीसलपुर-बरेली रोड क्रॉस करती है। यहां हादसों में दर्जनों लोग जान गंवा चुके हैं। इधर अमृत विचार की टीम ने मंगलवार को पुल के कार्य की स्थिति का जायजा लिया इस दौरान लोगों की समस्याएं भी सामने आईं। लोग आधा किलोमीटर बरेली और बीसलपुर रोड की तरफ आना-जाना कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें धूल-मिट्टी के बीच से गुजरना पड़ रहा है।

चक्की के पट्टे की चपेट में आकर युवक की जान गई

लोगों से पूछताछ करते इंस्पेक्टर। ● अमृत विचार

संवाददाता मसवासी

अमृत विचारः नगर निवासी चक्की स्वामी की पट्टा चढ़ाते समय पट्टे की चपेट में आने से मौत हो गई।

नगर निवासी नन्ने(45) पुत्र सफदर पिकअप चलाता था। कुछ ही दिन पहले नन्ने ने मझरा खुशहालपुर मार्ग पर चक्की लगाई थी। जिस पर वह आटा व धान के सेलर पर कुटाई करता था। मंगलवार को वह धान की कुटाई करने के लिए चक्की का पटा चढ़ा रहा कि अचानक पट्टे में उसका पैर आ गया। पट्टे में फंसने के बाद इंजन ने कई राउंड लगा दिए। जिससे मौके पर ही नन्ने की मौत हो गई। परिवार में चीख पुकार मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी तरह पट्टे में नन्ने को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी प्रदीप मलिक भी मौके पर पहुंचे। परिवार ने कार्रवाई से इंकार कर दिया। चक्की स्वामी की लड़की की एक माह बाद शादी है।

आतिशबाजी छोड़ने में झुलसे लोग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचारः लाख समझाने के बावजूद आतिशबाजी छोड़ने में लापरवाही बरती गई और लोग रॉकेट, पटाखे और फुलझड़ियां से झुलस गए। किसी की आंख तो किसी की नाक पर रॉकेट और पटाखों ने जख्म कर दिए। केडी डालमियां नेत्र चिकित्सालय में घायलों का इलाज हो रहा है। आंखें जख्मी होने से परिजनों के हाथ-पांव फूले हुए हैं और ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि जख्मियों की आंखें ठीक हो जाएं।

अमृत विचार ने रविवार को दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरतें सावधानी शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी और दो नेत्र विशेषज्ञों डॉ. किशारी लाल और डॉ. विक्रम द्वारा दी गई सलाह को भी प्रकाशित किया था। इसके बावजूद लोगों ने आंख के बारूद से झुलसने के बाद उसे रगड़ लिया और जख्म को गहरा कर लिया। आतिशबाजी छोड़ते समय झुलसने वालों की लंबी सूची है। आंख के झुलसने के बाद आए मरीजों का इलाज कर रहे नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विक्रम बताते हैं कि लोगों ने आतिशबाजी छोड़ते समय लापरवाही बरती जिसके कारण उनकी आंखों में बारूद पहुंच गया। यदि आंख में बारूद पहुंचने के बाद ठंडे पानी से धो दिया जाता तब इतनी स्थिति खराब नहीं होती। लेकिन, मरीजों ने आंखों को रगड़ लिया है जिसके कारण आंख के भीतर जख्म हो गए हैं। गदियाखेड़ा का गोविंद बताता है कि वह रॉकेट छोड़ रहा था और एक रॉकेट में ऐसा लगा की उसमें आग नहीं लगी है। जैसे ही वह राकेट में दोबारा आग लगाने गया रॉकेट एक दम से जल उठा और उसका बारूद उसकी आंख में चला गया। उसकी आंख जख्मी हो गई।

घायल गोविंद।

घायल यशपाल।

घायल अजय।

घायल जितेंद्र।

"जिला अस्पताल में आतिशबाजी से झुलसने वालों के लिए बर्न वार्ड के अलावा चार अन्य वार्डों को झुलसे लोगों के लिए तैयार कराया गया था। लेकिन, जिला अस्पताल में झुलसने वाला कोई मरीज नहीं पहुंचा है।

– डॉ. बीसी सक्सेना, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल

अमृत विचार

बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

सबसे महान जीत, प्रेम की होती है। यह हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।
–सम्राट अशोक

आत्मनिर्भर होती रक्षा

देश ने 2014 के बाद से रक्षा निर्यात में तीस गुना वृद्धि हासिल की है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दावा राजनीतिक वक्तव्य नहीं, आंकड़ों से समर्थित तथ्य है। रक्षा मंत्रालय के आंकड़े कहते हैं, 2014 में भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपये का था, आज यह बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। भारत जैसे देश के लिए, जो विश्व के सबसे बड़े हथियार आयातकों में है, यह वृद्धि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव है। हमारे शिप याड्र्स ने बीते दशक में 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां नौसेना को दी हैं। देश लंबे समय तक अमेरिका, रूस और फ्रांस से भारी मात्रा में हथियार आयात करता रहा है। अब हालात बदलने लगे हैं और ऐसे में उसका हथियारों का निर्यातक के रूप में उभरना वैश्विक रक्षा बाजार में युगांतकारी है। यह प्रगति व्यावसायिक उपलब्धि के साथ भारतीय सेना, वैज्ञानिकों और निजी रक्षा उद्योग के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देते हुए देश की सामरिक स्वायत्तता और 'मेक इन इंडिया' के विजन को भी मजबूती प्रदान करती है।

वर्तमान में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी शीर्ष पांच देश हैं। इन देशों की विश्व रक्षा निर्यात में संयुक्त हिस्सेदारी 75 फीसद से अधिक है। अकेले अमेरिका का योगदान ही 40 प्रतिशत है। भारत अभी भी इस सूची में वैश्विक रक्षा निर्यात में लगभग 0.3 फीसदी का हिस्सा लेकर शीर्ष 25 देशों में 22वें स्थान के आसपास है, हालांकि यह हिस्सा बहुत छोटा है, किंतु हमारी उछाल बताती है कि आने वाले दशक में शीर्ष 10 में शामिल होंगे। इस तेज वृद्धि के पीछे सरकार की नीतिगत भूमिका भी काबिले तारीफ है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन के लिए एफडीआई सीमा बढ़ाई गई, रक्षा क्षेत्र के 500 से अधिक आइटमों पर आयात प्रतिबंध लगाए गए और निजी क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास की नई राह खोली गई। इन कदमों से भारत में रक्षा स्टार्टअप्स की संख्या 500 से अधिक हो चुकी है। ये स्टार्टअप्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सैटेलाइट सिस्टम जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए भारत को रक्षा अनुसंधान में निवेश और निजी क्षेत्र के सहयोग को और बढ़ाना होगा। रक्षा निर्यात को गति देने के लिए सरकार को निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल करनी होगी, वैश्विक रक्षा प्रदर्शनियों में भारतीय कंपनियों की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी और निर्यात वित्तपोषण की स्थायी व्यवस्था करनी होगी। इससे इस दिशा में और प्रगति होगी।

सच तो यह है कि भारत का यह सफर केवल संख्याओं का नहीं बल्कि स्वाभिमान का है। जब भारत अपनी सेना के लिए बने हथियारों को अन्य देशों की सेनाओं में सेवा करते देखेगा, जब हमारी सेना अपने बनाए हरबे-हथियारों से लड़ेगी तो यह न केवल आत्मनिर्भरता की विजय होगी बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत के तकनीकी और सामरिक सामर्थ्य की गूंज भी। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की उपलब्धि। 'वोकल फॉर लोकल' का भी सशक्त प्रदर्शन होगा।

विक्रांत पर पीएम: मनोबल बढ़ाने वाला कदम

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार पणजी में भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। पीएम बनने के बाद मोदी ने हर साल सैनिकों के साथ दिवाली मनाने की जो परंपरा शुरू की, उन्होंने उसका इस बार भी निर्वाह किया। यह परंपरा अब एक भावनात्मक और राजनीतिक रूप में प्रतीक बन चुकी है। यह अब सिर्फ दीयों की रोशनी में सैनिकों के साथ मिठाई बांटने का दृश्य नहीं है, बल्कि उस गहरी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन है, जिसमें 'सरकार और सैनिक' के बीच की दूरी मिटाने की कोशिश नजर आती है।

देश की राजनीति में त्योहारों का इस्तेमाल हमेशा जनसंपर्क के अवसर के रूप में होता आया है, पर मोदी ने इसे नया आयाम दिया है। उन्होंने सत्ता के केंद्र दिल्ली की जगमगाहट छोड़कर वह रास्ता चुना, जो सीमाओं की सर्द हवाओं, पहाड़ी चौकियों और रेतीले रेगिस्तान में घरों से दूर बैठे सैनिकों के पास पहुंचता है। वर्ष 2014 में पीएम बनने के बाद मोदी हर साल किसी न किसी सीमा पर जाते हैं। अब तक वह जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जवानों के साथ दीपावली मना चुके हैं। हर बार इससे यह संदेश गया है कि राष्ट्र की सुरक्षा में लगे जवानों को राष्ट्र का अंग-संग रख रहा है।

मोदी के पणजी दौरे से देश भर में हमारी सेनाओं की भी आत्मनिर्भरता की खूब चर्चा है। जैसा कि मोदी ने कहा है, पिछले दशक में भारत की सेनाओं ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ी प्रगति की है। हजारों रक्षा उपकरण अब देश में ही निर्मित हो रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में भारत का रक्षा उत्पादन तीन गुना बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। बीते दस वर्षों में रक्षा निर्यात 30 गुना बढ़ा है।

राजनीतिक आलोचक मोदी के हर दिवाली पर जवानों के बीच जाने को 'राजनीतिक इवेंट' का हिस्सा बताते हैं, पर मोदी के साथ आने वाले जवानों की तस्वीरों से पता चलता है मोदी ने किस कदर सेना के मनोबल को बढ़ाने का काम किया है। जब मोदी दीपावली मनाने जाते हैं, तो जवानों के लिए यह केवल प्रधानमंत्री की यात्रा नहीं होती, बल्कि उन्हें यह अहसास होता है कि जैसे देश के नागरिकों की ओर से उन्हें सामूहिक सम्मान दिया जा रहा है। मोदी का सीमा पर दीपावली मनाना न केवल जनता के बीच उन्हें सरोकारी नेता के रूप में प्रस्तुत करता है, बल्कि इससे वह भावनात्मक कड़ी भी मजबूत होती है, जो आम देशवासियों को सेना के प्रति गर्व से भरती है।

हर दीपावली पर जब मोदी सैनिकों के साथ दीपक जलाते हैं, तो मीडिया में छाई इस मौके की तस्वीरें देशभक्ति की प्रतीक बन जाती हैं। ऐसा करके मोदी यह संदेश भी दे जाते हैं कि देश की रक्षा और सीमाओं की सजगता पर सरकार का सर्वोपरि ध्यान है। मोदी द्वारा शुरू की गई यह परंपरा राष्ट्रवाद को एक नए रूप में प्रस्तुत करती है। मोदी के पीएम बनने से पहले सैनिकों का जिक्र परेड या शहीदी दिवस पर होता था, वहीं इसके बाद त्योहारों में भी उनका उल्लेख एक नई शुरुआत है, जो आम लोगों को सीमा प्रहरियों के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ता है।

अब त्योहारों में सैनिकों की उपस्थिति एक सामान्य परंपरा बन गई है। यह बदलाव इस बात का परिचायक है कि राष्ट्रवाद अब केवल नारों या झंडों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह संवेदना और सहभागिता का हिस्सा बन गया है। मोदी की जवानों के साथ हर वर्ष की दिवाली राष्ट्रवाद की नई परंपरा बनकर उभरी है। जब कोई प्रधानमंत्री जवानों के बीच बैठकर कहता है कि आप सब मेरे परिवार का हिस्सा हैं, तो ये शब्द आत्मीयता का भाव जगाते हैं। मोदी का हर दीपावली पर सैनिकों के पास जाना बहुत कुछ कहता है। सीमाओं पर दिया जलाना केवल अंधकार को मिटाने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उस भय और अनदेखेपन को दूर करने का भी संकेत है, जो दशकों से सीमा चौकियों को देश के सामाजिक मानस से अलग रख हुए था। अब दूरदराज सीमाओं पर बैठे सैनिक हमारे दीपोत्सव की जगमग में बराबर की भागीदारी करते नजर आते हैं। यह केवल एक व्यक्ति की शैली नहीं है, बल्कि आने वाले समय में यह सत्ता की संवेदनशीलता की स्थायी परंपरा बन कर उभरेगी। मोदी हमेशा ऐसा कुछ रचते हैं, जिसकी सत्ता के शीर्ष स्तर से कभी अनदेखी नहीं की जा सकेगी। मोदी की हर शुरुआत चिरस्थाई बन रही है। कोई हैरानी नहीं होगी, यदि भविष्य के प्रधानमंत्रियों को भी देश इन तमाम परंपराओं को निभाते देखे।

किसी भी प्रधानमंत्री का सैनिकों के बीच जा कर त्योहार मनाना उनका मनोबल बढ़ाने वाला है। सैनिकों का मनोबल केवल हथियारों से नहीं बल्कि समाज और सरकार के व्यवहार से बनता है। प्रधानमंत्री का हर साल जवानों के बीच पहुंचना यह संदेश देता है कि देश उन्हें हमेशा याद रखता है। इससे सैनिक महसूस करते हैं कि सरहद पर उनकी ड्यूटी केवल आदेश का पालन ही नहीं, बल्कि सम्मान का भी प्रतीक है।

सीमा पर दिवाली मनाना केवल एक राजनीतिक क्रियाकलाप नहीं है बल्कि यह सत्ता और सैनिकों, नेता और नागरिकों, शहरों और सीमा चौकियों के बीच एक भावनात्मक पुल है। मोदी की यह परंपरा उस दीपक की तरह है, जो न केवल अंधेरे को मिटाता है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि देश का असली उजाला वहीं से आता है जहां वर्दी में हमारे सीमा प्रहरी निगेहबानी की लौ जलाए खड़े हैं। जब सरहद पर दिया जलता है तो राजनीति, राष्ट्र और मानवता एक साथ दिवाली मनाते प्रतीत होते हैं। यह दिया भले ही सरहद पर प्रज्ज्वलित होता है, पर उसकी रोशनी से समूचा देश जगमगाता है।

पीएम मोदी का जवानों संग दिवाली मनाना उस गहरी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन है, जिसमें 'सरकार और सैनिक' के बीच की दूरी मिटाने की कोशिश नजर आती है।

सोशल फोरम

रेयान ने छोटी उम्र में देखा बड़ा सपना

वह लड़का, जिसने डेढ़ मिलियन अफ्रीकियों की प्यास बुझाई, इसका नाम RYAN है, और वह मई 1991 में कनाडा में पैदा हुआ था। जब वह सिर्फ छह साल का था, उसके शिक्षक ने कक्षा में बताया कि अफ्रीका के बच्चे किस परेशानी में रहते हैं। वह इस बात से बहुत प्रभावित हुआ कि कुछ बच्चे प्यास से मर जाते हैं, जबकि वह खुद बस नल खोलकर साफ पानी पी सकता था। रायन ने अपने शिक्षक से पूछा कि अफ्रीका तक पानी पहुंचाने में कितना खर्च आएगा। शिक्षक ने बताया कि एक संस्था है जिसका नाम 'वॉटर कैन' (WaterCan) है, जो लगभग 70 डॉलर में एक कुआं बनवा देती है।

शोएब गाजी
ब्लॉगर

घर पहुंचकर रायन ने अपनी मां SUSEN से कहा कि उसे अफ्रीकी बच्चों के लिए कुआं खरीदने के लिए 70 डॉलर चाहिए। उसकी मां ने कहा कि उसे यह पैसा खुद मेहनत से कमाना होगा और उसे कुछ छोटे-मोटे काम बताए, ताकि वह हर हफ्ते कुछ डॉलर कमा सके। आखिरकार उसने 70 डॉलर बचा लिए और वॉटर कैन संस्था के पास गया।

वहां उसे बताया गया कि एक असली कुएं की खुदाई की लागत 2,000 डॉलर है। उसकी माँ ने साफ कहा कि वह इतना पैसा नहीं दे सकती, लेकिन रायन ने हार नहीं मानी। वह अपने मोहल्ले में काम करता रहा, अपने भाइयों, पड़ोसियों और दोस्तों को साथ जोड़ा, ताकि आवश्यक फंड जुटाया जा सके।

आखिरकार जनवरी 1999 में उत्तरी युगांडा के एक गांव में कुएं की खुदाई की गई। कुआं बनने के बाद, रायन के स्कूल ने भी मदद शुरू की। साल 2000 में, वे उस गांव पहुंचे, जहां सैकड़ों लोग उनका स्वागत करने आए। उन्होंने रायन का नाम लेकर नारे लगाए।

रायन ने हैरानी से पूछा, "उन्हें मेरा नाम भी पता है?"

गाइड ने मुस्कराते हुए कहा, "100 किलोमीटर के दायरे में हर कोई जानता है।"

आज रायन 34 साल का है। वह अपनी फाउंडेशन चलाता है और अब तक अफ्रीका में 400 से ज़्यादा कुएं बनवा चुका है। वह वहां शिक्षा को बढ़ावा देने और लोगों को कुओं की देखभाल और पानी प्रबंधन सिखाने का भी काम करता है। जब हम बहुत सी बेकार चीजों में उलझे रहते हैं, तो याद रखना चाहिए कि एक सच्चे हीरो को सम्मान देना ही सबसे बड़ी बात है। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

एक जंग हो गांव के अंधेरे के खिलाफ

गांवों में अंधेरा सिर्फ रात का नहीं है, यह जीवन की हर दिशा में फैला हुआ है। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का काम, किसानों की मेहनत, यहां तक कि लोगों की सेहत तक पर इस कटौती का असर दिखता है। गांवों में शाम होते ही सन्नाटा उतर आता है, सिर्फ इसलिए नहीं कि दिन ढल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि बिजली कब जाएगी, इसका कोई भरोसा नहीं होता। अचानक बुझ जाने वाले बल्ब और बंद होते पंखे लोगों के रोजमर्रा का हिस्सा बन चुके हैं। यहां अंधेरा सिर्फ रात का नहीं है, यह जीवन की हर दिशा में फैला हुआ है। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का काम, किसानों की मेहनत, यहां तक कि लोगों की सेहत तक इस कटौती का असर दिखता है। ग्रामीणों के लिए बिजली एक अधिकार नहीं, बल्कि एक इंतजार बन गई है। एक ऐसी रोशनी, जिसका आना-जाना उनकी सांसों की लय तय करता है।

अनिता
एक्टिविस्ट

बिजली कटौती का असर सबसे गहराई से महिलाओं और किशोरियों पर पड़ता है। घर के भीतर का सारा बोझ उन्हीं के कंधों पर होता है। जब रात में बिजली चली जाती है, तो वे रसोई में अंधेरे में खाना बनाने, मिट्टी के तेल या मोबाइल की रोशनी में पानी भरने और बच्चों को सुलाने का संघर्ष करती हैं। गर्मियों में जब हवाएं झुलसा देने वाली होती हैं, तब बंद पंखों और बुझी लाइटों के बीच बच्चों का रोना, बुजुर्गों की बेचैनी और घर की घुटन बढ़ जाती है। किशोरियां, जो दिन में स्कूल से लौटकर शाम को पढ़ाई करना चाहती हैं, उन्हें टॉर्च या मोमबत्ती की हल्की लौ में आंखें चौंधियाते हुए किताबों पर झुकना पड़ता है। कई बार यह भी देखा गया है कि अंधेरे के कारण घर से बाहर निकलना उनके लिए असुरक्षित हो जाता है, जिससे उनकी आजादी और सीमित हो जाती है।

इस कटौती का सबसे बड़ा झटका किसानों को लगता है। खेतों में सिंचाई करने वाली मोटर अक्सर बिजली के अभाव में बंद रहती है। कई बार किसान रात के अंधेरे में तब तक खेतों में जागते हैं, जब तक बिजली न आ जाए। फसलें सूख जाती हैं, क्योंकि तय समय पर पानी नहीं मिल पाता। खासकर गर्मियों और सूखे के मौसम में बिजली कटौती खेती की लागत और चिंता दोनों बढ़ा देती है। खेतों में सौर पंप और बैटरी सिस्टम कुछ राहत देते हैं, लेकिन हर किसान इनकी लागत नहीं उठा सकता।स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह समस्या कम नहीं है। कई बार टीकाकरण या दवाओं को ठंडा रखने के लिए जरूरी फ्रिज या उपकरण काम नहीं कर पाते। रात में मरीजों के इलाज के दौरान अंधेरा फैल जाने पर नर्स और स्वास्थ्यकर्मी टॉर्च या मोबाइल की रोशनी का सहारा लेते हैं। यह स्थिति उस मानवीय असमानता को उजागर करती है, जिसमें बुनियादी सुविधा के अभाव से ग्रामीणों का स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन-गुणवत्ता प्रभावित होती है।

राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की स्थिति पर नजर डालें तो, 2024 के एक अध्ययन में बताया गया है कि राज्य के लगभग 30 प्रतिशत ग्रामीण घरों को प्रतिदिन 12 घंटे से कम बिजली मिलती है। कई क्षेत्रों में शिकायत के बाद भी बिजली बहाल होने में छह घंटे से ज्यादा समय लगता है। बिजली की गुणवत्ता भी चिंता का विषय है। इसमें वोल्टेज में बार-बार उतार-चढ़ाव के कारण उपकरण खराब हो जाते हैं, हालांकि राज्य सरकार के प्रयासों से राज्य के लगभग सभी गांवों में बिजली का कनेक्शन पहुंच चुका है, लेकिन निरंतर आपूर्ति अभी भी चुनौती है। यह अंतर बिजली पहुंच और बिजली उपलब्धता के बीच की खाई को उजागर करता है। बिजली कटौती का असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। किशोरियां बार-बार कहती हैं कि अंधेरे में पढ़ाई करना आंखों और मन दोनों को थका देता है।

प्रसंगवश

हंसी खत्म हो सकती है असरानी नहीं

हरीश उप्रेती करन
रंगकर्मी

सिनेमा के विशाल परदे पर कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिर्फ अभिनय नहीं करते, बल्कि दर्शकों के मन में एक भाव बनकर बस जाते हैं। वे पीढ़ियां पार करते हुए भी अपनी सहजता, सरलता और संवेदना से अमिट छाप छोड़ते हैं। ऐसे ही कलाकार थे- गोवर्धन असरानी, जिन्हें पूरा देश बस 'असरानी' के नाम से जानता और प्यार करता है। वे हंसी के कलाकार थे, मगर उनकी हंसी के पीछे एक गहरी मानवीयता, एक करुण संवेदना और जीवन को देखने का गंभीर दृष्टिकोण छिपा था। उन्होंने साबित किया कि हास्य केवल हंसाने का साधन नहीं होता, बल्कि समाज के आईने में सच्चाई दिखाने का सबसे प्रभावी माध्यम भी हो सकता है।

मुंबई में जूहू बीच पर समुद्र किनारे सूरज की किरणों के बीच, कई कलाकार और फिल्म जगत के लोग अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से करते थे। मैं भी वहां जाया करता था। अक्सर, वहीं उसी रेत पर असरानी भी आते थे। वे सुबह-सुबह ध्यान मुद्रा में बैठ जाते, चेहरे पर अद्भुत शांति लिए हुए। जूहू के उसी समुद्र तट पर, एक भिखारी भी था, जो भीषण गर्मी में भी कंबल ओढ़कर एक नारियल के पेड़ के नीचे सोया रहता था। असरानी की एक आदत ने हमें अंदर तक छू लिया। वे जब भी शनिवार या रविवार को ध्यान-योग के बाद लौटते, तो उस भिखारी को जगाकर 100 रुपये का नोट थमा देते। न कोई दिखावा, न कैमरा, न कोई हल्ला... बस चुपचाप दया का एक कर्म।

असरानी ने सिनेमा में वह किया, जो बहुत कम अभिनेता कर पाए। 'शोले' में उनका मशहूर डायलॉग, "हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं...।" आज भी दर्शकों की जुबान पर है, लेकिन उनके किरदार सिर्फ हंसाते नहीं थे, वे समाज के भीतर छिपी विडंबनाओं को उजागर करते थे। 'चुपके चुपके', 'अमर प्रेम', 'बावर्ची', 'कटी पतंग', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'चला मुरारी हीरो बनने' जैसी फिल्मों में उन्होंने हर बार अपनी विविधता और संवेदनशीलता का प्रमाण दिया। उनकी कॉमेडी में कभी फूहड़पन नहीं था। वह जीवन का सीधा और सच्चा प्रतिबिंब थी।

समय बीतता जाएगा, नई फिल्में बनेंगी, नए हास्य कलाकार आएंगे, पर दूसरा असरानी न था, न होगा। वे सिर्फ हंसी के उस्ताद नहीं, बल्कि जीवन के दार्शनिक थे। वे यह सिखा गए कि हंसी, करुणा और विनम्रता- ये तीनों ही इंसानियत की सबसे बड़ी ताकत हैं। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तो सिनेमा ने सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि एक युग खो दिया है। उनकी याद में समर्पित यह पंक्ति शायद उनकी आत्मा को सबसे अधिक सही श्रद्धांजलि होगी, 'हँसी खत्म हो सकती है, असरानी नहीं, क्योंकि उनका असर हर मुस्कान में जीवित है।'

आमने-सामने

लखनऊ को स्मार्ट सिटी कहा जाता है, लेकिन सड़कों पर जाम और कचरा अब भी आम है। मैं इस (अयोध्या दीपोत्सव) पर कोई राय नहीं देना चाहता, लेकिन हमें दीयों और मोमबत्तियों पर इतना खर्च क्यों करना पड़ता है। दुनिया के कई देशों में क्रिसमस पर शहर महीनों तक जगमगाते रहते हैं।
–अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर सपा प्रमुख का बयान उनकी विकृत मानसिकता और देश के बहुसंख्यकों का अपमान करने के तरीके का प्रतीक हैं। अखिलेश यादव कहते हैं कि उजाले के बाद अंधेरा अच्छा नहीं होता, जबकि असली अंधेरा उनकी सोच में है।
–भूपेंद्र चौधरी
अध्यक्ष, भाजपा उप्र

गुमशुदा की तलाश में 'आधार' बनेगा आधार

आलोक तिवारी
स्वतंत्र पत्रकार

देश में हर साल लाखों लोग लापता हो जाते हैं और उनके परिवारों को अपनों की तलाश में भटकना पड़ता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2023 तक चार लाख 84 हजार 584 लापता व्यक्तियों के मामले विभिन्न राज्यों में दर्ज हो चुके हैं। इनमें से बच्चों के अपहरण एवं लापता मामलों की संख्या 79 हजार 884 है। निश्चित रूप से यह संख्या और बढ़ी होगी! वस्तुतः यह वे मामले हैं, जो दर्ज किए गए हैं। ऐसे कितने मामलों में तो पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं अन्य कारणों से रिपोर्ट ही दर्ज नहीं कराई जाती है। कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज का महत्वपूर्ण फैसला उम्मीद की किरण बनकर उभरा है।

इस फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लापता व्यक्तियों की जांच में आधार कार्ड के उपयोग की लोकेशन और समय की जानकारी UIDAI (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) पुलिस एवं जांच एजेंसियों के साथ साझा कर सकता है, बशर्ते हाईकोर्ट से अनुमति ली जाए। यह फैसला न केवल प्राइवेसी के अधिकार का सम्मान करता है, बल्कि जीवन रक्षा के मौलिक अधिकार को प्राथमिकता देता है।

यह मामला हुबली-धारवाड़ के निवासी श्री कृष्णमूर्ति से जुड़ा है, जिनका बेटा विजय कृष्णमूर्ति 2019 से लापता है। परिवार और पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन 2023 में पिता को पता चला कि उनके बेटे के आधार कार्ड का उपयोग और प्रमाणीकरण (ऑथेंटिकेशन) कहीं हुआ है। इससे उम्मीद जगी कि शायद बेटा जीवित है या कोई उसका दुरुपयोग कर रहा है। पिता ने यह जानकारी पुलिस को दी और UIDAI से आधार उपयोग का विवरण मांगने का अनुरोध किया।

पुलिस ने UIDAI से संपर्क किया, लेकिन UIDAI ने सूचना देने से इनकार कर दिया। उनका तर्क था कि यह जानकारी व्यक्ति की निजता (राइट टू प्राइवेसी) के अंतर्गत आती है और सुप्रीम कोर्ट के 2017 के पुट्टस्वामी फैसले में निजता को मौलिक अधिकार माना गया है। UIDAI ने आधार अधिनियम 2016 की धारा 29 का हवाला दिया, जो आधार डेटा साझा करने पर प्रतिबंध लगाती है। निराश पिता ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज ने मामले की सुनवाई की।

कोर्ट ने 23 सितंबर 2025 को दिए अपने आदेश में आधार अधिनियम की गहराई से व्याख्या की। कोर्ट ने माना कि आधार का उद्देश्य नागरिकों की पहचान सुनिश्चित करना और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है, लेकिन इसका दुरुपयोग रोकने के लिए बायोमेट्रिक डेटा (जैसे फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन) और व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं की जा सकती, हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 29 का प्रतिबंध 'निरपेक्ष' (एब्सोल्यूट) नहीं है। आधार अधिनियम की धारा 33 के तहत, यदि जांच एजेंसी को आधार उपयोग की जानकारी जीवन रक्षा या लापता व्यक्ति की तलाश के लिए जरूरी लगे, तो हाईकोर्ट अनुमति देकर UIDAI को ऐसी सूचना साझा करने का आदेश दे सकता है।

कोर्ट ने UIDAI को निर्देश दिया कि वे पुलिस को केवल आधार कार्ड के उपयोग की लोकेशन और समय की जानकारी दें, न कि बायोमेट्रिक या अन्य संवेदनशील डेटा। इससे पुलिस आधार का उपयोग किए गए स्थान पर जाकर अपनी जांच आगे बढ़ा सकेगी, न्यायमूर्ति गोविंदराज ने कहा, "जब किसी व्यक्ति की जान दांव पर हो, तो प्राइवेसी का अधिकार जीवन के अधिकार के सामने झुक सकता है।" यह फैसला पुट्टस्वामी जजमेंट की भावना को बनाए रखते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। जहां प्राइवेसी मौलिक है, लेकिन अपवादों में सार्वजनिक हित को प्राथमिकता दी जा सकती है। यह फैसला एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह लापता व्यक्तियों की तलाश में डिजिटल टूल्स का उपयोग खोलता है। भारत में हर साल लाखों लोग लापता होते हैं। एनसीआरबी के अनुसार, 2023 में ही पांच लाख के लगभग मामले थे और 2025 में यह संख्या बढ़ रही है। ऐसे में आधार डेटा से पुलिस को मदद मिल सकती है।

यहां एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है, क्या हर आम नागरिक, खासकर गरीब परिवार, हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकता है? कानूनी प्रक्रिया महंगी और जटिल है, जो कई परिवारों की पहुंच से बाहर है। मेरे विचार से, सरकार को इस दिशा में सुधार करने चाहिए। UIDAI और सरकार एक सामान्य दिशा-निर्देश (जनरल ऑर्डर) जारी कर सकते हैं, जिससे लापता या फरार व्यक्तियों के मामलों में पुलिस और जांच एजेंसियों को सीधे आधार उपयोग की जानकारी मिल सके। हर बार हाईकोर्ट जाने की जरूरत न हो।

यह घटना हमें सिखाती है कि आधार कार्ड की सुरक्षा और अपडेट कितनी महत्वपूर्ण है। परिवारों को चाहिए कि अपने बच्चों के आधार में अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवाना सुनिश्चित करें, तथा उस मोबाइल नंबर को हमेशा सक्रिय रखें साथ ही UIDAI आन लाइन पोर्टल (uidai.gov.in) से समय-समय पर उस आधार कार्ड के उपयोग की जानकारी चेक करते रहें और यदि कोई दुरुपयोग लगे, तो तुरंत शिकायत दर्ज करें।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुमशुदा लोगों के मामले में ऐतिहासिक फैसला दिया है। उसने लापता व्यक्तियों की तलाश में UIDAI को आधार उपयोग की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

ताने-बाने में बसी कला और कौशल

सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश का एक ऐसा नगर है, जो भौगोलिक नक्शे पर भले ही बहुत बड़ा नहीं है, परंतु इसकी स्मृतियों, साहित्यिक व सांस्कृतिक धरोहरों की गहराइयां इतनी विराट हैं कि वहां से निकले लोग पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्य, सिनेमा और भावनात्मक चेतना में अपना चिरस्थायी स्थान रखते हैं। यहां की मिट्टी में शब्द, राग और रूहानियत का गहरा रंग घुला है। अमरोहा में जन्मे लेखक, फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही और उनकी शरीके हयात 'ट्रेजेडी क्वीन' अभिनेत्री मीना कुमारी से पूरा संसार परिचित है। उर्दू अदब में सबसे चर्चित और पसंद किए जाने वाली एक शख्सियत जॉन एलिया का जन्मस्थान भी अमरोहा है। उनके कलाम से नई पीढ़ी आज भी उतना ही प्रभावित है, जितना उनके दौर में लोग उन्हें पसंद करते थे।

डॉ. पारुल तोमर
नई दिल्ली

अमरोहा की गलियां उर्दू तहजीब का खजाना हैं, जहां अब भी पुरानी हवेलियों, इत्र, कागज और किताबों की दुकानों से अदब की खुशबू आती है। इसी अमरोहा जनपद के नौगावां सादात क्षेत्र के एक छोटे से गांव मखदूमपुर के हथकरघों में बुना हर धागा जैसे अपनी एक अलग यात्रा पर निकल पड़ा है। इसकी संकरी गलियों में सुबह की किरणें जैसे ही उतरती हैं, हथकरघों की खट-खट वातावरण में गूंजने लगती है। यह आवाज सिर्फ कपड़ा बुनने की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक सांस्कृतिक धड़कन की आवाज है। यहां के बुनकर, जिनकी उंगलियां धागों को मानो सांस लेने की लय देती हैं। ये कपास, रेशम और जरी के तानों-बानों में पूरे अमरोहा की पहचान बुनते हैं। बुनकरों के हाथों में बारीकी और डिजाइन का अद्भुत संगम है। ये रंग-बिरंगे गलीचे, चादर आदि को इस तरह कुशलता से बुनते हैं, जैसे कोई चित्रकार अपने कैनवास पर रंग भर रहा हो। फूल-पत्तियों के पैटर्न, ज्यामितीय आकृतियां और पारंपरिक नक्शे इनको अद्वितीय पहचान देते हैं, जो कभी गांव की चौपाल और घर आंगन में बिछी चारपाई का हिस्सा बनते हैं, तो कभी हजारों मील दूर विदेश के किसी आलीशान ड्राइंग रूम के फर्श की शान बढ़ाते हैं। आज देश-विदेश में अमरोहवी गलीचे, चादरें, दोहरें, कुशन आदि घर-घर की पसंद बन चुके हैं।

7 अगस्त 1905 को जब स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई, तब देशवासियों ने विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार कर हथकरघा उद्योग को पुनः जीवन देना शुरू किया। यह एक सांस्कृतिक और आर्थिक विद्रोह था, जिसमें करघे पर बनी खादी सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बन गई थी। हथकरघा उद्योग महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता का माध्यम बनकर उभरा है। गांवों की असंख्य महिलाएं, जो कभी घर की देहरी तक सीमित थीं, आज हथकरघे के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता की ओर बढ़ रही हैं। वे घर पर रहकर ही अपनी कला से रोजगार कमा रही हैं, बच्चों को पढ़ा रही हैं, परिवार चला रही हैं।

संस्कृति व परंपरा

हथकरघा समय, मेहनत, कौशल, संस्कृति और परंपरा का यह जीवंत दस्तावेज है, जिसमें गांव-गांव की सांसें, रंग और लय बसी हुई है। लकड़ी के चौखटे पर बैठा बुनकर जब पैडल दबाता है और शटल को बारी-बारी से इधर-उधर घुमाता है, तो उसके हाथों की गति में केवल कपड़ा नहीं, बल्कि पीढ़ियों का अनुभव और स्मृति गुंथने लगती है। एक-एक धागा जैसे किसी पुरानी कहानी का अक्षर होता है और कपड़ा उसका पूरा कथानक। आज भी गांव के मिट्टी के आंगन में रखा हथकरघा अक्सर घर का केंद्र होता है। बच्चे उसके आसपास खेलते हैं, महिलाएं धागे की पूनियां बनातीं। करघे की खट-खट आवाज की मधुर धुन अपनी ओर खींचती है। यह धुन, केवल कपड़ा नहीं, बल्कि घर का चूल्हा-चौका, बच्चों की पढ़ाई और भावी जीवन का सपना भी बुन रही होती है। यह केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक भी है। बुनकर जानता है कि उसके धागों से बना कपड़ा न केवल तन को ढकेगा, बल्कि परंपरा, मेहनत और स्थानीय पहचान को भी दुनिया तक पहुंचाएगा। हर डिजाइन, हर पैटर्न किसी खास क्षेत्र का परिचय पत्र है। चाहे वह कश्मीर की पश्मीना हो, बनारस की जरी या आंध्र की इक्कत। हथकरघे के धागों की तरह जीवन भी तभी सुंदर बनता है, जब उसे धैर्य और प्रेम से बुना जाता है। वरना उलझे धागों की तरह उलझनें ही रह जाती हैं। यह केवल कपड़े का ताना-बाना नहीं, बल्कि मानवता के बुनियादी मूल्यों का भी करघा है, जो हमें जोड़ता है, संवारता है और हमें हमारी जड़ों से बांधता है।

आज मशीनों की तेज रफ्तार और बाजार की आर्टिफिशियल चमक-धमक के आगे यह धीमा, मेहनत-भरा शिल्प दम तोड़ रहा है। जिस कपड़े में कभी किसान का श्रमजल, बुनकर के हाथों की महक और रंगरेज की आत्मा बसती थी, उसकी जगह अब सस्ते मशीन-निर्मित सिंथेटिक कपड़ों ने बाजार पर कब्जा कर लिया है। कच्चा माल महंगा और बिक्री के रास्ते सीमित हैं, लेकिन परिवर्तन की आहट सुनाई दे रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, सरकारी योजनाओं और डिजाइन में आधुनिकता के प्रयोग से ये बुनकर वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं। गलीचे, बैडशीट आदि के निर्यात ने मखदूमपुर को मानचित्र पर चमका दिया है, जो गांव कभी सिर्फ स्थानीय बाजार तक सीमित था, आज उसकी पहचान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर है।

भले ही अमरोहा का हथकरघा विश्व में अपना रंग बिखेर रहा है, लेकिन यदि हमने इस उद्योग को बचाने की कोशिश नहीं की तो केवल करघे का पहिया ही नहीं रुकेगा, बल्कि रुक जाएगी वह सांस्कृतिक धारा, जो हमारी मिट्टी की महक को दुनिया तक पहुंचाती रही है। हथकरघे का संरक्षण असल में केवल कारीगरों की आजीविका का प्रश्न नहीं, बल्कि अपनी विरासत और अपनी जड़ों को बचाने का संकल्प है।

आर्ट गैलरी

अमृता शेरगिल की पेंटिंग 'सुमैर'

इस पेंटिंग को अमृता शेरगिल ने 1936 में बनाया था। इसका शीर्षक है, सुमैर। 'सुमैर' उनकी कलात्मक परिपक्वता का एक शानदार उदाहरण है। यह पेंटिंग उनकी चचेरी बहन सुमैर का एक संवेदनशील और मनमोहक पोर्ट्रेट है। इस कृति में अमृता ने यूरोपीय पोस्ट-इंप्रेशनिस्ट तकनीकों को भारतीय सौंदर्य शास्त्र के साथ मिलाया है।

सुमैर को एक हरे रंग की साड़ी में दर्शाया गया है, जिसकी जीवंतता पृष्ठभूमि के लाल और भूरे रंग के साथ एक प्रभावशाली विरोधाभास पैदा करती है। उनके चेहरे पर चिंतनशील और उदासी के भाव हैं, जो उनकी आंतरिक भावनाओं को बड़ी संजीदगी से व्यक्त करते हैं।

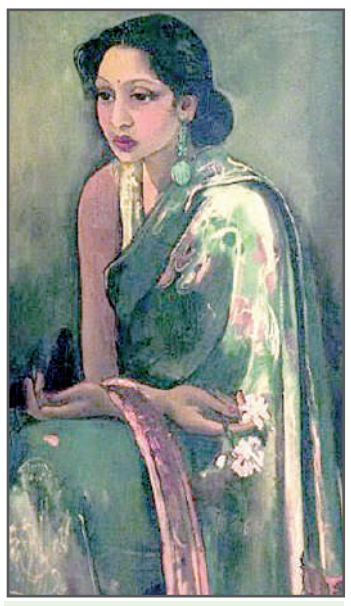

अमृता के बारे में

अमृता शेरगिल भारतीय उमराव सिंह और हंगेरियन मां एनटॉयनेट शेरगिल की बेटी थीं। वो 30 जनवरी 1913 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पैदा हुईं। उनके पिता संस्कृत और फारसी के विद्वान और मां ओपेरा गायिका थीं। कला के प्रति अमृता के रुझान को देखते हुए उनके माता-पिता उन्हें पेरिस ले गए। वहां उन्होंने पेंटिंग की औपचारिक शिक्षा ली। 1934 में पेरिस से भारत लौटने के बाद, अमृता शेरगिल ने अपनी कला को भारतीय वास्तविकता के करीब लाने का प्रयास किया। 'सुमैर' उसी दौर का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

-फीचर डेस्क

'लोके उपभोग्यं नाट्यं भवतु।' अर्थात नाटक संसार के लिए आनंद का साधन बने। संसार के किसी भी हिस्से में, किसी भी काल में जब नाट्य विधा का आरंभ हुआ होगा, तो उसका मूल उद्देश्य क्या रहा होगा? क्या नाटक का मूल उद्देश्य केवल संदेश देना रहा होगा या किसी विचारधारा को प्रस्तुत करना? रंगमंच का मूल तो अपने दर्शक की आत्मा से जुड़कर रसों की निष्पत्ति करना है, उसके भीतर के वे सारे भाव, जो समाज द्वारा प्रदूषित कर दिए गए हैं, उनकी शुद्धि करना है।

लव तोमर
रंगकर्मी

रंगमंच का शाश्वत उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना

हाल के वर्षों में नाटक लोगों की राजनीतिक पसंद-नापसंद और उनके निजी एजेंडों पर अधिक निर्भर हो गया है। यह पूरे देश के नाटकों में अनुभव किया जा सकता है। चिंता की बात यह है कि दर्शकों की घटती संख्या पर न तो कोई ध्यान दे रहा है, न ही उसके समाधान पर विचार कर रहा है। नाटक का मूल उद्देश्य केवल राजनीतिक टिप्पणी या सामाजिक संदेश देना मात्र नहीं है। यदि यह साथ में हो पाए तो बहुत अच्छा, लेकिन मूल तो अपने दर्शक के भीतर छिपे भावों को उत्पन्न करना और उसकी आत्मा को स्पर्श करना है।

भारतमुनि का कहना है, "नाट्यं भिन्नरूपं लोकवृत्तानुकीर्तनम्।"अर्थात नाटक मनुष्य के जीवन का अनुकरण है। वहीं अरस्तू का कहना है, नाटक किसी क्रिया का अनुकरण है, जिसका उद्देश्य करुणा और भय के माध्यम से आत्मशुद्धि करना है। दो महान व्यक्ति, जो समय और संस्कृति में पूरी तरह अलग हैं, दोनों एक ही बात कह रहे हैं, "पहले भाव को छुओ, विचार अपने आप जन्म लेंगे।" आजकल नाटकों में हम देखते हैं कि अभिनेता अपने नाटक के लेखक या निर्देशक के निजी विचारों, उनकी राजनीतिक पसंद-नापसंद को अलग-अलग तरीकों से अभिव्यक्त कर रहे होते हैं। इस प्रकार भाव पर विचार हावी हो जाता है।

कैसे खो रहा है आधुनिक रंगमंच रस

प्रासंगिकता की दौड़ में रंगमंच ने अनुभूति को पीछे छोड़ दिया है। आज अनेक नाटक जीवन को दिखाते नहीं, बल्कि समझाते हैं। वे अनुभव की जगह विचार प्रस्तुत करते हैं।

चार कारण जिनसे रस मिटता है –

- थीसिस-ड्रामा- जहां नाटक पहले से ही निष्कर्ष लेकर चलता है।
- उपदेशात्मक लहजा- जहां पात्र मनुष्य नहीं, प्रवक्ता बन जाते हैं।
- विचार-प्रधान लेखन- जहां क्रिया के स्थान पर कथन होता है।
- एक-रस शैली- जहां न लय है, न मौन, न विरोधाभास- केवल सूचना।

दर्शक नाटक से जानकर लौटते हैं, जीकर नहीं और बिना अनुभूति का नाटक, नाटक नहीं- प्रचार है। हमें अपनी कहानियों को कहने की कला के अतीत की ओर लौटना होगा। देखना होगा कि किस तरह कालिदास और शेक्सपियर जैसे महान रचनाकारों ने श्रृंगार, करुण, भय, वीर आदि रसों को साधा या ग्रीक त्रासदियों में कैसे नैतिकता नाटक के अंत में स्वत: प्रकट हो जाती है। या फिर आधुनिक नाटककारों- मोहन राकेश, गिरीश कर्नाड और विजय तेंदुलकर ने अपने पात्रों के जटिल जीवन के माध्यम से भाव उत्पन्न किए, जिन्हें दर्शक अनुभव करता है। यदि कोई संदेश होता है, तो वह स्वत: प्रकट हो जाता है। संदेश को रस के माध्यम से आना चाहिए, न कि रस के स्थान पर। थिएटर का उद्देश्य सही या गलत का निष्कर्ष निकालना नहीं, बल्कि भाव उत्पन्न करना है। भाव के उत्पन्न होने पर दर्शक स्वयं अपने नैतिक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगा। रंगमंच का शाश्वत उद्देश्य है, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना। साझा अनुभव, साझा सांस और साझा हृदय।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,426 .34	25,868 .60
बढ़त	62 .97	25 .45
प्रतिशत में	0 .07	0 .10

सोना 1,28,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने को आरबीआई ने 7.7 अरब डॉलर बेचे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को रोकने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर बेचे। आरबीआई के नवीनतम बुलेटिन में प्रकाशित अमेरिकी डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब अमेरिकी डॉलर रही जो पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना है। केंद्रीय बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। आरबीआई का घोषित रुख यह है कि वह रुपये-डॉलर विनिमय दर के किसी स्तर या दायरे को लक्षित नहीं करता बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता हो। अगस्त में डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट आई थी।

कोयला आयात घटकर 2.05 करोड़ टन

नई दिल्ली। कोयला आयात अगस्त में सालाना आधार पर मामूली 0.6% घटकर 2.058 करोड़ टन रह गया। कोयला आयात अगस्त 2024 में 2.07 करोड़ टन था। ई-कॉमर्स समाधान प्रदाता एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि में कोयला आयात सालाना आधार पर 12.118 करोड़ टन से घटकर 11.807 करोड़ टन रह गया। अगस्त के कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले की मात्रा 1.155 करोड़ टन और कोकिंग कोयले की 48.2 लाख टन रही। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-अगस्त के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात 7.217 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 2.704 करोड़ टन रहा।

मुंबई शहरी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने को तैयार

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारियों ने कहा कि मुंबई महानगरीय क्षेत्र 2047 तक दुनिया की अग्रणी शहरी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरने को तैयार है। उस समय तक एमएमआर का जीडीपी 1,200-1,500 अरब डॉलर और जनसंख्या 3.6 से 3.8 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

दिवाली पर 6.05 लाख करोड़ की हुई बिक्री

जीएसटी दरों में कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास से इस साल हुई रिकॉर्ड बिक्री

- कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जारी किया आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल दिवाली के मौके पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास के कारण इस साल दिवाली पर रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है।

कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं। संगठन के मुताबिक, पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रही थी। मुख्यधारा की खुदरा बिक्री, खासकर गैर-कॉरपोरेट और पारंपरिक बाजारों का कुल व्यापार में 85% योगदान रहा। यह ऑनलाइन खरीदारी के दौर में छोटे व्यापारियों और भौतिक बाजारों की मजबूत वापसी को दर्शाता है।

क्षेत्रवार बिक्री के मामले में राशन सामग्री और रोजमर्रा के सामान 12, सोना एवं आभूषण 10, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बिजली उपकरण 8, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद 7, रेडिमेड कपड़े 7, उपहार 7 , घरेलू सजावट 5% रहे। इसके अलावा फर्निशिंग एवं फर्नीचर 5, मिठाई और नमकीन 5, कपड़ा एवं वस्त्र चार प्रतिशत, पूजा सामग्री 3 और फल एवं सूखे मेवे 3% भी शामिल हैं।

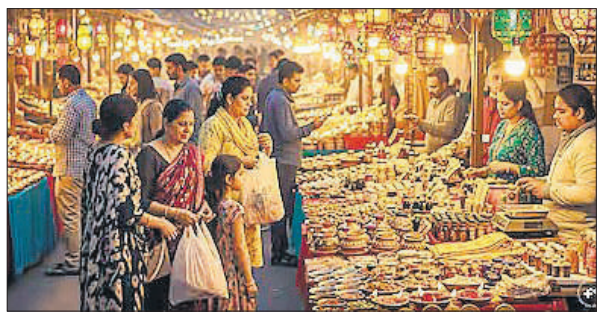

बिक्री का आंकड़ा

श्रेणी	आंकड़ा	विवरण
इस साल की बिक्री	6.05 लाख करोड़	दिवाली पर बिक्री
उत्पादों की बिक्री	5.40 लाख करोड़	उत्पादों से योगदान
सेवाओं से बिक्री	65,000 करोड़ रुपये	सेवाओं से योगदान
गत वर्ष की बिक्री	4.25 लाख करोड़	2024 दिवाली पर बिक्री

व्यापारियों ने जीएसटी दरों में की गई कटौती को उच्च बिक्री का बताया मुख्य कारण

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा कि सेवाओं के क्षेत्र ने पैकेजिंग, आतिथ्य, कैब सेवाएं, यात्रा, कार्यक्रम आयोजन, टेंट एवं सजावट, मानव संसाधन और आपूर्ति से 65,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया। रिपोर्ट कहती है कि स्थिर मूल्य ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि बढ़ाई और उत्सव के दौरान खर्च को प्रोत्साहित किया। दिवाली पर कारोबारी गतिविधियां बढ़ने से 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिसमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का 28 प्रतिशत हिस्सा लिया।

ई-कॉमर्स की बिक्री 24% बढ़ी, क्विक कॉमर्स का जलवा

नई दिल्ली। दिवाली त्योहारी सत्र भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए शानदार रहा, जिसमें मात्रा के लिहाज से बिक्री सालाना 24% बढ़ी और सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 23% की वृद्धि हुई। ई-कॉमर्स क्षेत्र के मंच यूनिकॉमर्स ने यह जानकारी दी। इस दौरान क्विक कॉमर्स एप का वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रहा, जिन्होंने ऑर्डर की मात्रा में सालाना आधार पर 120% की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद ब्रांड वेबसाइट ने 33% की वृद्धि दर्ज की। मार्केटप्लेस प्रमुख चैनल बने रहे, जिनकी कुल खरीदारी में 38% हिस्सेदारी रही और उनका ऑर्डर मात्रा के लिहाज से 8% बढ़ा। यूनिकॉमर्स ने कहा कि ये जानकारियां 2024 और 2025 में 25 दिन तक चलने वाले त्योहारी सत्र के दौरान उसके प्रमुख मंच यूनीवेयर के माध्यम से हुए 15 करोड़ से अधिक लेनदेन पर आधारित हैं।

मुहूर्त सत्र में सेंसेक्स, निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी

- नए संवत 2082 की शुरुआत पर विशेष मुहूर्त सत्र का बाजार ने किया आयोजन

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इससे नए संवत 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक चढ़कर 84,426.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,665.44 अंक के उच्च और 84,286.40 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक की बढ़त के साथ 25,868.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक शेयर अपरिवर्तित रहा।

बीएसई-एनएसई ने नए संवत 2082 की शुरुआत और निवेशकों के लिए नई लेखा पुस्तकों के उद्घाटन पर मंगलवार को पौने दो से पौने तीन तक विशेष मुहूर्त कारोबार सत्र आयोजित किया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42% की वृद्धि हुई। इसके बाद एक्सिस बैंक में 0.80, इन्फोसिस में 0.72, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.60, टाटा मोटर्स में 0.55, बजाज फाइनेंस में 0.53 और टाटा स्टील में 0.52% की तेजी दर्ज की गई। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी इंडिया, ट्रेंट लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में भी बढ़त दर्ज की गई।

बीएसई मिडकैप 106.95 अंक की बढ़त के साथ 46,787.20 अंक और स्मॉलकैप 486.81 अंक की चढ़कर 53,842.85 अंक पर बंद हुआ। क्षेत्रीय सूचकांकों में, औद्योगिक क्षेत्र 0.53, दूरसंचार 0.51, जिंस 0.47, पूंजीगत वस्तुओं 0.40, सेवाओं में 0.38 और धातु 0.37% बढ़ा।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 3% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में मासिक आधार पर घटकर 3 प्रतिशत पर आ गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सालाना आधार पर सुधरी है लेकिन मासिक आधार पर इसमें सुस्ती दर्ज की गई है।

अगस्त में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 6.5% बढ़ा था, जबकि पिछले साल सितंबर में यह वृद्धि 2.4% दर्ज की गई थी। सितंबर में इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर तीन माह में सबसे कम रही। इसके पीछे कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादन एवं प्राकृतिक गैस के उत्पादन में आई नरमी की अहम भूमिका रही। उर्वरक और सीमेंट उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में धीमी होकर क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत रह गई जबकि सितंबर, 2024 में यह क्रमशः 1.9 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, इस्पात और बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर क्रमशः 14.1 प्रतिशत और 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर गिरकर 2.9 प्रतिशत पर आ गई। पिछली वर्ष की समान अवधि में यह 4.3 प्रतिशत थी। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर प्रभाव पड़ता है। दरअसल आईआईपी में शामिल वस्तुओं के भारांक में इन प्रमुख उद्योगों का योगदान 40.27 प्रतिशत है।

अमेरिकी पारगमन शुल्क से भारत होगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका द्वारा लगाए 40% पारगमन शुल्क से भारत और आसियान क्षेत्र की कंपनियों के लिए अनुपालन से जुड़ी बड़ी दिक्कतें पैदा होने और मशीनरी, बिजली उपकरण एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्रों पर इसका खास असर पड़ने की आशंका है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 जुलाई को उन वस्तुओं पर 40% शुल्क लगाने की घोषणा की थी जिन्हें शुल्क से बचने के लिए तीसरे देश के रास्ते भेजा गया हो। यह व्यापक देश-स्तरीय शुल्कों के अतिरिक्त होगा। मूडीज ने मंगलवार को 'एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार' पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप प्रशासन 'पारगमन' को किस तरह परिभाषित करेगा। लेकिन इस कदम के निशाने पर चीन में उत्पादित ऐसी वस्तुएं हैं जो तीसरे देशों के जरिये अमेरिका भेजी जाती हैं। पारगमन शुल्क से जुड़ी अस्पष्टता आसियान देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए जोखिम पैदा करती है। यदि अमेरिका इस परिभाषा को सीमित रखता है और केवल चीन से आयातित, प्रसंस्कृत या दोबारा लेबल लगाकर भेजी वस्तुओं को शामिल करता है तो क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं पर इसका असर सीमित रहेगा। वहीं, यदि अमेरिका व्यापक व्याख्या अपनाता है और उन वस्तुओं को शामिल करता है जिनमें चीनी सामग्री का अंश है, तो इससे एशिया-प्रशांत आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर आर्थिक नुकसान हो सकता है।

- 40% शुल्क से आसियान क्षेत्र की कंपनियों को होगी बड़ी दिक्कतें होंगी
- मूडीज ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट की प्रस्तुत

मूडीज ने कहा कि यह शुल्क आसियान के निजी क्षेत्र के लिए बड़ी अनुपालन चुनौतियां खड़ी करेगा। निर्यातकों को शुल्क से बचने के लिए उत्पादों का महत्वपूर्ण रूपांतरण साबित करने में अतिरिक्त सतर्कता और प्रमाणन शर्तों का सामना करना पड़ेगा। पारगमन जोखिमों का सबसे अधिक सामना मशीनरी, बिजली उपकरण, उपभोक्ता ऑप्टिकल उत्पादों और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों को करना पड़ सकता है।

राष्ट्रीय

सेना-पुलिस का एक ही मिशन, राष्ट्र की रक्षा

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा - समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं

- पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर केंद्रीय मंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि एक ओर जहां सीमाओं पर अस्थिरता है, वहीं समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं। पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सिंह ने यह भी कहा कि सेना और पुलिस अलग-अलग मोर्चों पर कार्य करते हैं लेकिन उनका मिशन एक ही है - राष्ट्र की रक्षा करना।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लिए राष्ट्र की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा में संतुलन बनाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

इस कार्यक्रम के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस की संयुक्त परेड आयोजित की गई। वर्तमान चुनौतियों पर रक्षा मंत्री ने कहा कि अपराध अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो गया है तथा इसका उद्देश्य समाज में अराजकता पैदा करना, विश्वास को कमजोर करना तथा राष्ट्र की स्थिरता को चुनौती देना है। सिंह ने अपराध रोकने की अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के नैतिक कर्तव्य को पूरा करने के लिए पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर आज लोग चैन की नींद सो पा रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और पुलिस पर भरोसा है। यही भरोसा हमारे देश की स्थिरता की नींव है। नक्सली समस्या पर सिंह ने कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन के ठोस और संगठित प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ कि समस्या बढ़े नहीं और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने राहत की सांस ली। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि अगले वर्ष मार्च तक नक्सल समस्या समाप्त हो जाएगी। सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों के कारण यह समस्या अब इतिहास बनने की कगार पर है। कई शीर्ष नक्सलियों का सफाया हो गया है। जो पहले हथियार उठाते थे, वे अब आत्मसमर्पण कर रहे हैं और विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भारी कमी आई है। जो इलाके कभी लाल गलियारे के नाम से जाने जाते थे, वे अब विकास के गलियारों में तब्दील हो गए हैं। सिंह ने कहा कि लंबे समय तक एक राष्ट्र के रूप में हमने पुलिस के योगदान को पूरी तरह से मान्यता नहीं दी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमारे पुलिस बलों की स्मृतियों को सम्मानित करने के लिए 2018 में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना की। पुलिस को अत्याधुनिक हथियार और बेहतर सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अब उनके पास निगरानी प्रणाली, ड्रोन, फॉरेंसिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल पुलिसिंग जैसे आधुनिक साधन हैं। स्मृति दिवस हर साल सीआरपीएफ के उन 10 जवानों की याद में मनाया जाता है, जो 1959 में इसी दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में मारे गए थे।

कांस्टेबल हत्याकांड के आरोपी की मौत पर डीजीपी को नोटिस

हैदराबाद। निजामाबाद जिले में कांस्टेबल की चाकू मारकर हत्या किए जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में हुई आरोपी की मौत पर तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (एचआरसी) ने मंगलवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने आरोपी की मौत से जुड़े हालात पर विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने उन खबरों का संज्ञान लिया जिनमें कहा गया था कि शेख रियाज (24) को सोमवार को पुलिस ने उस समय गोली मार दी जब उसने एक सरकारी अस्पताल में एक पुलिसकर्मी से कथित तौर पर पिस्तौल छीनकर उस पर हमला करने की कोशिश की थी। वाहन चोरी के एक मामले में शामिल शेख रियाज ने दोपहिया वाहन पर उसे ले जाते समय कांस्टेबल प्रमोद (उम्र लगभग 40-45 वर्ष) के सीने पर चाकू से हमला किया था।

बंगाल : महिला चिकित्सक का हाथ मरोड़ा और मारे थप्पड़ दुष्कर्म करने की दी धमकी

कोलकाता, एजेंसी

- चिकित्सक की शिकायत पर यातायात होमगार्ड और उसका पड़ोसी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक जूनियर महिला डॉक्टर को एक यातायात होमगार्ड और उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर दुष्कर्म की धमकी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कथित घटना सोमवार को उलूबेरिया में स्थित एक अस्पताल में घटी। इसके बाद पीड़ित डॉक्टर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि खरिया मायनापुर की एक गर्भवती महिला को सोमवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नियमित जांच के दौरान जूनियर डॉक्टर रोगी की जटिल स्थिति के कारण उसकी पूरी तरह जांच नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि परीक्षण के बाद महिला रोगी के रिश्तेदार होमगार्ड और दो अन्य ने उसकी हालत के बारे में पूछा और उनमें कहासुनी हो गई। अधिकारी के मुताबिक, डॉक्टर को कथित तौर पर थप्पड़ मारा गया, उसकी बांह मरोड़ी गई और गाली-गलौज भी की गई। आरोपियों ने महिला चिकित्सक को दुष्कर्म करने की धमकी भी दी। हमने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच की जा रही है।

विदेशी आतंकियों को मार गिराने का कर रहे प्रयास : आईजीपी

जम्मू, एजेंसी

जम्मू संभाग में हर दिन 100 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने का दावा करते हुए एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि घने जंगलों में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है और उन्हें मार गिराने के प्रयास जारी है।

जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने कहा कि आतंकवादी और अपराधी सुरक्षा तंत्र को तोड़ने के प्रयास में ड्रोन जैसी तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियां उनसे दो कदम आगे हैं। टूटी ने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर कर्मियों को पुलिस स्मृति दिवस पर जम्मू रेलवे स्टेशन के पास पुलिस शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। जम्मू पुलिस प्रमुख ने कहा कि दो साल से विदेशी आतंकवादी (जम्मू में) एक बड़ी चुनौती रहे हैं। लेकिन हम अपने आतंकवाद-रोधी अभियान और सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। जल्द हम विदेशी आतंकियों को मार गिराने में सक्षम होंगे। जम्मू क्षेत्र में हर दिन 100 से अधिक आतंकवाद-रोधी अभियान चलाए जाते हैं।

- प्रतिदिन चल रहे 100 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान

तमिलनाडु में बारिश 8 जिलों में रेड अलर्ट स्टालिन ने की समीक्षा

चेन्नई। तमिलनाडु में क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की। वहीं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिये।

स्टालिन ने उन जिलों में निगरानी अधिकारी के रूप में आईएएस अधिकारियों को तैनात करने का निर्देश भी दिया, जहां भारी बारिश की चेतावनी है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव निम्न क्षेत्र में तब्दील हो ग या है। खाड़ी के ऊपर वायु चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से आज सुबह 5:30 बजे दक्षिण-पश्चिम भाग में निम्न दबाव का क्षेत्र बना। यह सुबह 8:30 बजे उसी क्षेत्र में एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया।

बेटे की मौत के बाद पूर्व डीजीपी और उनकी पत्नी पर मुकदमा

चंडीगढ़, एजेंसी

- हरियाणा पुलिस ने दर्ज की चार आरोपियों के खिलाफ हत्या व साजिश की प्राथमिकी

हरियाणा पुलिस ने पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा के बेटे की मौत के सिलसिले में उनके और उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुस्तफा की पत्नी रजिया पंजाब की पूर्व मंत्री हैं।

चारों व्यक्तियों के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मुस्तफा और पंजाब की पूर्व मंत्री सुल्ताना के 35 वर्षीय बेटे अकील अख्तर की गुरुवार को हरियाणा के पंचकूला में मौत हो गई थी। शमशुद्दीन नाम के व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई प्राथमिकी के अनुसार, अख्तर की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। पंचकूला पुलिस ने बताया कि मुस्तफा, सुल्ताना और अख्तर की बहन पर मुकदमा दर्ज हुआ है। पंचकूला की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सृष्टि गुप्ता के अनुसार, 16 अक्टूबर को पंचकूला के सेक्टर-4, एमडीसी निवासी अख्तर अपने घर पर मृत पाए गए। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और उनका बयान दर्ज किया गया। शुरुआत में साजिश का संदेह नहीं था और पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया। हरियाणा पुलिस के अनुसार डीसीपी ने कहा कि इसके बाद कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो सामने आए, जो अख्तर ने मौत से पहले बनाए थे। इनमें अख्तर ने विवाद और जान को खतरे की आशंकाओं का आरोप लगाया था।

लालू पर नीतीश ने साधा निशाना, कहा- सत्ता में रहते महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया

मुजफ्फरपुर (बिहार), एजेंसी

- मुजफ्फरपुर की चुनावी सभा में राजद पर किया हमला

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद पर तीखा हमला बोला और कहा कि उन्होंने सत्ता में रहते महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया तथा चारा घोटाले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद पद छोड़ने की नौबत आई तो पत्नी राबड़ी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया।

जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष कुमार ने मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की पहली चुनावी सभा में राजद अध्यक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजद के साथ दो बार हुए गठबंधन के अनुभव से वह निराश हो गए और अब राजग के साथ स्थायी रूप से बने रहने का संकल्प लिया है। महिला सशक्तीकरण पर कुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने बड़े पैमाने पर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाए हैं और हाल ही में शुरू की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 1 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में प्रत्येक को 10,000 की राशि भेजी गई है। उन्होंने लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग पहले सत्ता में थे, क्या उन्होंने महिलाओं के लिए कुछ किया? उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं थी।

महिला प्रत्याशी को पहना दी माला

पटना/मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा के दौरान महिला उम्मीदवार को माला पहनाने पर जोर देकर और रोकने की कोशिश करने वाले करीबी सहयोगी को डांटकर अपने स्वास्थ्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया। कुमार ने चुनाव अभियान की शुरुआत मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर विधानसभा क्षेत्र से की। इस दौरान वह जद(यू) प्रत्याशी अजय कुशवाहा का नाम गलत लेने और औराई सीट से भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद के नाम के आगे श्री जोड़ देने पर भी चर्चा में रहे।

अमृत विचार

वर्ल्ड ब्रीफ

चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में ई स्कूटरों पर प्रतिबंध

प्राग। चेक गणराज्य की राजधानी प्राग अगले साल इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर प्रतिबंध लगाएगा, जिससे यह पर्यटकों के अनुकूल परिवहन वाला नवीनतम यूरोपीय शहर बन जाएगा। नगर पार्षदों ने सोमवार को एक नया उपाय अपनाया जो साझा परिवहन नियमों में बदलाव करेगा और यह तय करेगा कि चेक गणराज्य की राजधानी में पैडल और इलेक्ट्रिक दोनों तरह की साइकिलें पार्क की जा सकती हैं। साझा ई-स्कूटरों को नियमों से हटा दिया गया है, जिससे जनवरी 2026 से इन तक पहुंच समाप्त हो जाएगी। राष्ट्रीय पाइरेट पार्टी के अध्यक्ष और शहरी परिवहन के प्रभारी उप महापौर जेडेनेक ह्रीब ने सोशल मीडिया पर कहा कि इलेक्ट्रिक स्कूटरों के अंत को मंजूरी मिल गई है।

लीबिया : नकदी की कमी को लेकर केंद्रीय बैंक के गवर्नर तलब

त्रिपोली। लीबियाई प्रतिनिधि सभा ने नकदी की कमी से जूझ रहे लीबिया को उबारने के लिए केंद्रीय बैंक के गवर्नर को तलब करने का फैसला लिया है। संसद ने सर्वसम्मति से केंद्रीय बैंक के गवर्नर नागी इस्सा, उनके डिप्टी गवर्नर और निदेशक मंडल को बैंक की नीतियों और नकदी की कमी पर चर्चा करने के लिए अगले सत्र में शामिल होने के लिए बुलाने का फैसला किया। सत्र की कोई तारीख अभी तय नहीं की गई है। प्रथम उपसभापति फावजी अल-नुवैरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय बैंक की नवीनतम रिपोर्ट की समीक्षा की गई। संसद का यह फैसला त्रिपोली स्थित बैंक की आलोचना के बीच आया है, जिसमें यह दावा भी शामिल है कि मौजूदा नकदी संकट में बैंक की अहम भूमिका है।

युद्धविराम होने के बाद आंशिक रूप से फिर खोला गया चमन बॉर्डर

कराची। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद दोनों देशों के बीच स्थित चमन बॉर्डर आंशिक रूप से फिर से खुल गया है। सीमा पर कई दिनों तक हुई हिंसक झड़पों में दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए थे। कई अफगान परिवारों ने सोमवार को बलूचिस्तान प्रांत में दक्षिण-पश्चिमी सीमा पार करना शुरू कर दिया जबकि अफगानिस्तान जाने वाले कई कंटेनर वाहनों की आवाजाही भी हुई। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष शुरू होने पर चमन बॉर्डर सील कर दिया गया था जिससे कराची बंदरगाह से माल ले जा रहे लगभग 400 कंटेनर वाहन सीमा पर फंस गए थे। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्पिन बोल्डक बॉर्डर पर भी ऐसी ही स्थिति देखी गई जहां पाकिस्तान आने वाले कंटेनर वाहन फंस गए थे।

एच1बी वीजा : स्टेटस बदलवाने या प्रवास अवधि बढ़वाने पर शुल्क नहीं

● अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा ने जारी किए दिशा-निर्देश

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों पर ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाया गया एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क ऐसे आवेदकों पर लागू नहीं होगा, जो अपने स्टेटस में बदलाव कराना चाहते हैं या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाना चाहते हैं।

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की ओर से सोमवार को जारी दिशानिर्देशों में कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के राष्ट्रपति ट्रंप के 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया गया है। इसके तहत नए एच1-बी वीजा के लिए शुल्क बढ़कर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। यूएससीआईएस ने कहा, यह आदेश पहले जारी किए गए और वर्तमान में मान्य एच-1बी वीजा, या 21 सितंबर, 2025 को रात 12:01 बजे से पहले जमा किए गए किसी भी आवेदन पर लागू नहीं होगा। इस आदेश में किसी मौजूदा एच1-बी धारक के अमेरिका में आने-जाने पर रोक नहीं है। यह आदेश 21 सितंबर 2025 को रात 12:01 बजे या उसके बाद किए गए स्टेटस बदलने या प्रवास की अवधि बढ़वाने के आवेदन पर भी लागू नहीं होगा यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क स्टेटस में परिवर्तन के मामलों पर लागू नहीं होता है, जहां व्यक्ति देश छोड़े बिना ही श्रेणी बदल लेता है।

58 साल के खूनी इतिहास के बाद

खात्मे की ओर नक्सलवाद

नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव में किसान विद्रोह के रूप में हुई थी। यह शुरुआत चारु मजूमदार और कानू सान्याल जैसे नेताओं ने की थी, जो जमींदारों के उत्पीड़न और भूमि सुधारों की कमी से पैदा हुई आर्थिक व सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे थे। यह आंदोलन माओत्से तुंग की विचारधारा से प्रेरित था, इसी कारण इसे नक्सली-माओवादी विद्रोह के रूप में जाना जाता है। समय के साथ यह आंदोलन कई समूहों में विभाजित हो गया, इसका मुख्य लक्ष्य सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से एक साम्यवादी राज्य स्थापित करना था। करीब 58 साल रक्तपात की बेशुमार घटनाओं के बाद अब यह हिंसक आंदोलन अपने ढलान पर है। सरकार का दावा है कि 2026 तक देश में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- साठ के दशक में भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक भूमि व्यवस्था जारी थी। अधिकांश जमीन कुछ जमींदारों के पास थी, जो भूमिहीन किसानों का शोषण करते थे।
- भुखमरी से जूझ रहे किसानों ने एक जमींदार के अनाज भंडार पर छापा मारा, जिस पर पुलिस के साथ उनकी हिंसक झड़प हुई, इसमें कई किसान मारे गए थे।
- इस घटना के बाद 1967 में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी, खारीबाड़ी और फांसीदेवा क्षेत्रों में नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई थी।
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी नेता चारू मजूमदार, कानू सान्याल, जंगल संथाल के नेतृत्व में किसानों ने जमींदारों के खिलाफ विद्रोह शुरू कर दिया।

नक्सलवाद का फैलाव

- 1970 के दशक में यह आंदोलन पश्चिम बंगाल से निकलकर आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में फैल गया।
- इन क्षेत्रों में गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक-आर्थिक असमानता और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी भीषण समस्याओं ने नक्सलवाद को पनपने में काफी मदद की।
- सरकार ने 1971-72 में नक्सली गतिविधियों को दबाने के लिए ऑपरेशन स्टीपलचेज के नाम से बड़ा सैन्य अभियान चलाया लेकिन नक्सलवाद का खात्मा नहीं कर सका।

प्रमुख घटनाएं

- वर्ष 2007 में छत्तीसगढ़ के बस्तर में 300 विद्रोहियों ने 55 पुलिसकर्मियों को मार डाला था।
- वर्ष 2010 में कोलकाता से मुंबई जा रही एक ट्रेन में 150 से ज्यादा यात्रियों की हत्या कर दी गई थी।
- 2011 में पश्चिम बंगाल के सिल्दा कैंप पर हमले में 24 जवान और दंतेवाड़ा में 76 जवान शहीद हुए।

आंदोलन का चरम

- 1980 से 2010 के दशक तक यह आंदोलन आंध्र प्रदेश के तिरुपति से नेपाल तक फैलकर 200 से अधिक जिलों में सक्रिय हो गया।
- इस बीच पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में सर्वाधिक हिंसक घटनाएं हुईं।

इन कारणों से बढ़ा

- स्वतंत्रता बाद भी बड़े पैमाने पर भूमि कुछ लोगों के हाथ में होना, भूमिहीनों की बड़ी संख्या।
- सरकार की ग्रामीण भारत में कृषि को संगठित करने में विफलता, गरीबी और बेरोजगारी बढ़ी।
- प्राकृतिक संसाधनों पर दबंगों के कब्जे, अपने हक छीन लेने से आदिवासियों में असंतोष।
- सरकार की आर्थिक नीतियों से पैदा असमानता गरीबी ने लोगों को आंदोलन की ओर धकेला।

क्षीण होने की शुरुआत

- वर्ष 2014 के बाद से सरकार की नीतियों और सुरक्षा अभियानों के कारण कमी आई है।
- नक्सल प्रभावित क्षेत्र 18,000 वर्ग किमी से घटाकर 11 जिलों तक सीमित कर दिया गया।

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए ट्रंप के प्रस्ताव से यूरोपीय देश सहमत नहीं

आठ देशों के नेताओं ने यूक्रेन की जमीन पर रूस के कब्जे का किया विरोध

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय संघ के नेताओं ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों में देरी करने का आरोप लगाया और ऐसे किसी भी कदम का विरोध किया जिसमें शांति के बदले कीव को रूसी सुरक्षा बलों द्वारा कब्जा की गई भूमि को सौंपने की बात हो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में कई मौकों पर यह सुझाव दे चुके हैं।

यूरोप के आठ नेताओं और यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे कीव को युद्ध जीतने में मदद करने के लिए रूस के अरबों यूरो की विदेश में जब्त संपत्तियों का उपयोग करने की योजना पर आगे बढ़ने का विचार बना रहे हैं। हालांकि, इस तरह के कदम की वैधता और परिणामों को लेकर कुछ आशंकाएं हैं। बयान में यूक्रेन में ट्रंप के शांति प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया। ट्रंप आने वाले सप्ताह में हंगरी के बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले हैं। बयान में यह भी बताया गया कि सभी नेता इस सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध हैं कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए।

ट्रंप ने अपने रुख से पलटते हुए पिछले महीने कहा था कि यूक्रेन को जमीन छोड़नी होगी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यूक्रेन वह सारा इलाका वापस जीत सकता है, जो उसने रूस के हाथों गंवाया है। पिछले सप्ताह पुतिन के साथ फोन पर बातचीत और उसके बाद शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने अपना रुख फिर से बदल दिया और कीव व मॉस्को से युद्ध को जहां हैं, वहीं रोकने का आह्वान किया। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा युद्ध जारी है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्हें लगता है कि यूक्रेन अंततः रूस को हरा सकता है, लेकिन अब उन्हें इस बात पर संदेह है कि ऐसा होगा।

यूक्रेन और यूरोपीय नेता ट्रंप को अपने पक्ष में रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बयान के मुताबिक, हम राष्ट्रपति ट्रंप के इस रुख का पुरजोर समर्थन करते हैं कि युद्ध तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए और मौजूदा संपर्क रेखा ही बातचीत का शुरुआती बिंदु होनी चाहिए। हम सभी देख सकते हैं कि पुतिन हिंसा और विनाश को चुन रहे हैं।

ठंड में यूक्रेन में पैदा हो सकता है भीषण बिजली संकट

शोस्त्का। यूक्रेन पर रूस के युद्ध का असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। दरअसल, रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संस्थानों पर अपने हमले का अभियान तेज कर दिया है। खासकर पूर्व में सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में जेनरेटर के चलने और अंधकार और पानी की कमी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। रूस की ओर से सैकड़ों ड्रोन दागे जाने के कारण ये हमले और भी ज्यादा प्रभावी हो गए हैं और हवाई सुरक्षा को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, खासकर उन इलाकों में जहां सुरक्षा कमजोर है। इसके नतीजे पहले से ही रोजमर्रा की जिंदगी को बदल रहे हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनका जीवन बिजली पर निर्भर है।

रुबियो-लावरोव वार्ता के बाद ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन टला

वाशिंगटन। यूक्रेन में युद्ध के समाधान के लिए ट्रंप की पुतिन के साथ बैठक की योजना टाल दी गई है। बुडापेस्ट में होने वाली बैठक की घोषणा पिछले हफ्ते की गई थी, हालांकि इसकी तारीख तय नहीं हुई थी। एक अधिकारी के मुताबिक यह निर्णय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया।

रूसी खुफिया प्रमुख का नाटो पर युद्ध की तैयारी का आरोप

व्लादिवोस्तोक। रूसी विदेश खुफिया सेवा के निदेशक सर्गेई नारिश्किन ने कहा है कि नाटो रूस के साथ युद्ध के लिए तेजी से संसाधनों को जुटा रहा है। वह उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित स्वतंत्र राज्यों की एक बैठक में बोल रहे थे। नारिश्किन का बयान खुफिया सेवा की वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित किया गया। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से नाटो के यूरोपीय सदस्यों को रूस के साथ युद्ध की तैयारी करते देख रहे हैं। इसके लिए नियुक्त नाटो सहयोगी प्रतिक्रिया बल को सभी आवश्यक संसाधन शीघ्रता से उपलब्ध कराने का कार्य निर्धारित किया गया है। नारिश्किन ने कहा कि यूरोपीय देश अपने रक्षा उद्योगों के विस्तार के साथ नियमित अभ्यास कर रहे हैं और रूसी खतरे के प्रचार को बढ़ा रहे हैं। यूरोपीय नाटो सदस्यों के पास महाद्वीप की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक योजनाएं नहीं हैं। उन्होंने फ्रांस और जर्मनी पर रूसोफोबिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

साने ताकाइची बनीं जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

नया गठबंधन अब भी संसद के दोनों सदनों में बहुमत से कम है और किसी भी विधेयक को पारित करने के लिए अन्य विपक्षी दलों का समर्थन लेना होगा, जो उनकी सरकार को अस्थिर और अल्पकालिक बना सकता है।

● एलडीपी की हार के बाद तीन माह से छाया गतिरोध हुआ खत्म

टोक्यो। जापान की संसद ने मंगलवार को अति रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में चुना। इस घटनाक्रम से एक दिन पहले 64 वर्षीय ताकाइची की संघर्षरत 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' ने एक नए सहयोगी दल के साथ गठबंधन समझौता किया, जिससे उनके सत्तारूढ़ गठबंधन के और अधिक दक्षिणपंथी होने की उम्मीद है।

ताकाइची ने शिगेरु इशिबा का स्थान लिया, जिससे जुलाई में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी चुनावी हार के बाद तीन महीने से जारी राजनीतिक गतिरोध खत्म हो गया। प्रधानमंत्री के रूप में केवल एक वर्ष तक सेवा देने वाले इशिबा ने मंगलवार को मंत्रिमंडल सहित इस्तीफा दे दिया, जिससे ताकाइची के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त हुआ। निचले सदन में हुए मतदान में ताकाइची को 237 वोट मिले, जो बहुमत से चार अधिक हैं जबकि 'कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान' के प्रमुख योशिको नोडा को 149 वोट मिले। परिणाम घोषित होने पर ताकाइची खड़ी हुईं और उन्होंने झुककर सभी का अभिवादन किया। एलडीपी का ओसाका स्थित दक्षिणपंथी जापान इनोवेशन पार्टी (इशिन नो काई) के साथ गठबंधन ने ताकाइची की जीत सुनिश्चित की, क्योंकि विपक्ष एकजुट नहीं था।

निकोलस सारकोजी 5 साल की सजा काटने जेल पहुंचे

पेरिस। पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सारकोजी अपने 2007 के चुनाव अभियान के लिए आपराधिक षडयंत्र के तहत लीबिया से धन प्राप्त करने के जुर्म में पांच वर्ष की सजा काटने मंगलवार को पेरिस की जेल में पहुंच गए। वह आधुनिक फ्रांस के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें जेल भेजा गया है।

सारकोजी पत्नी कार्ला ब्रूनी का हाथ थामे हुए घर से निकले और ला सांते जेल पहुंचने के लिए कार में बैठे। जेल जाते समय सारकोजी ने कहा, एक निर्दोष को जेल में डाला जा रहा है। पिछले महीने अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। सारकोजी ने अपील लंबित रहने के दौरान जेल भेजने के जज के निर्णय को चुनौती दी है। राष्ट्रपति आवास एलिसी पैलेस से ला सांते जेल तक के अब तक के उनके सफर ने पूरे फ्रांस को झकझोर दिया है। जेल में दाखिल होने से पहले सारकोजी पत्नी के साथ बच्चों और नाती-पोतों से मिलने घर के बाहर निकले। उन्होंने बाहर समर्थकों की भीड़ की ओर हाथ हिलाया और कार में बैठ गए। सैकड़ों समर्थकों ने तालियां बजाईं और 'निकोलस, निकोलस' के नारे लगाए।

पेरिस की अदालत ने आदेश दिया है कि सारकोजी अपील सुने जाने की प्रतीक्षा किए बिना सजा शुरू करें क्योंकि अपराध से सार्वजनिक व्यवस्था में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। अदालत के आदेश के अनुसार, 70 वर्षीय सारकोजी जेल में दाखिल होने के बाद ही अपनी रिहाई के लिए अपीलीय अदालत में आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण खनिज : अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ किया 8.5 अरब डॉलर का सौदा

● ट्रंप ने चीन पर कसा तंज, कहा- एक साल बाद बेकार हो जाएंगे आपके महत्वपूर्ण खनिज

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने चीन के एकाधिकार को तोड़ने के लिए सोमवार को महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौता किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने व्हाइट हाउस में समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसे सहयोगियों के बीच 8.5 अरब डॉलर (7.3 अरब यूरो) का सौदा बताया।

ट्रंप ने चीन के एकाधिकारवादी मानसिकता पर तंज कसते हुये कहा, लगभग एक साल बाद हमारे पास इतने महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ मृदा खनिज होंगे कि आपको समझ नहीं आएगा कि उनका क्या करें। उनकी कीमत दो डॉलर होगी। वहीं अल्बानीज ने संतुलित रुख अपनाते हुए कहा कि यह समझौता अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को अगले स्तर पर ले जाएगा।

इस महीने के शुरू में बीजिंग ने घोषणा की थी कि विदेशी कंपनियों को चीन से आने वाले या चीनी तकनीक से उत्पादित दुर्लभ मृदा पदार्थों की थोड़ी सी भी मात्रा के निर्यात के लिए चीनी सरकार से अनुमति लेनी होगी। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे चीन को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक शक्ति प्राप्त हो जाएगी। इस समझौते को ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों के बाजार में चीनी प्रभुत्व का मुकाबला करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

अंधकार पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण है दिवाली: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिवाली पर शुभकामनाएं देते हुए इस त्योहार को अंधेरे पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण बताया।

ट्रंप ने सोमवार को एक बयान में कहा, आज मैं रोशनी के पर्व दिवाली मना रहे हर अमेरिकी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, कई अमेरिकियों के लिए दिवाली, अंधेरे पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण है। यह जश्न मनाने, उम्मीद से ताकत हासिल करने और नई चीजों को पूरे जोश से अपनाने और परिवारों व दोस्तों को एक साथ लाने का भी समय है। उन्होंने कहा, लाखों नागरिक दीये जलाते हैं और हम इस शाश्वत सत्य में आनंदित होते हैं कि अच्छाई की हमेशा बुराई पर विजय होती है। दिवाली मनाने वाले प्रत्येक अमेरिकी के लिए, ईश्वर करे कि यह त्योहार समृद्धि, आशा और शांति लाए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लोगों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

युद्धविराम पर मंडराते खतरे के बीच इजराइल पहुंचे वेंस

तेल अवीव, एजेंसी

● नेतन्याहू से करेंगे मुलाकात, मृत बंधकों के परिवारों से भी मिलेंगे

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मंगलवार को इजराइल पहुंचे, ताकि कमजोर होते युद्धविराम समझौते को मजबूती दी जा सके। पिछले कुछ दिनों में हिंसा बढ़ने के बाद लागू युद्धविराम और दीर्घकालिक शांति योजना पर सवाल उठने के बाद यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इसी बीच, इज़राइल ने मंगलवार को कहा कि उसने एक बंधक के शव की पहचान की है जिसे फिलिस्तीनी चरमपंथियों ने रात में छोड़ा था। दूसरी ओर चरमपंथी समूह हमास के प्रमुख वार्ताकार ने कहा है कि समूह इजराइल के साथ संघर्ष विराम समझौते को बरकरार रखने पर कायम है। व्हाइट हाउस के दो शीर्ष दूतों के बाद पहुंचे वेंस बृहस्पतिवार तक यहीं रहेंगे। उनके साथ उनकी पत्नी ऊषा वेंस भी हैं।

वह इजराइली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। वह यरुशलम में एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे और उनके उन बंधकों के परिवारों से भी मिलने की संभावना है, जिनके शव अब भी गाजा में हैं। साथ ही पिछले महीने चरमपंथियों द्वारा रिहा किए गए बंधकों से भी मुलाकात कर सकते हैं। इजराइल ने पुष्टि की कि हमास ने ताल हैमी (42) के शव को लौटाया है, जो सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में मारे गए थे। हैमी का किब्बुत्ज़ निर यित्ज़हाक से अपहरण किया गया था और उनके चार बच्चे हैं, जिनमें एक का जन्म हमले के बाद हुआ। इजराइल समझौते के तहत 15 शेष बंधकों के शव सौंपे जाने की प्रतीक्षा कर रहा है।

हमास के शांत रहने तक सैन्य कार्रवाई नहीं: इजराइल

यरूशलम। इजराइल ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक वह शांति समझौते का पालन करता रहेगा तब तक इजराइली सैन्य बल कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इजराइल की यह चेतावनी हमास की ओर से सभी मृत बंधकों के अवशेष लौटाने में देरी के बाद आई है। इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, हमास खेल खेल रहा है, वे और शवों को लौटा सकते हैं, लेकिन हम देख रहे हैं कि वे लौटाने में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमास शवों को लौटाने में किसी तरह की देरी करता है तो इजराइल जरूर कोई कदम उठायेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 20.16 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

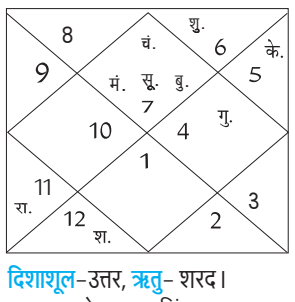

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 23 अक्टूबर 01.52 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष – आज व्यवसाय में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी को पर्याप्त समय दें। रिलेशनशिप को लेकर समस्या दूर होगी। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर चर्चा का आनंद लेंगे। परिजनों का पूरा समर्थन मिलेगा।

वृष – आज आप आराम करने का विचार बनाएंगे। रचनात्मक अभिरुचियों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में बॉस आपकी प्रशंसा करेंगे। मनचाहा काम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा।

मिथुन – आज अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने का अवसर मिलेगा। पेट में जलन की परेशानी हो सकती है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें। मन में अज्ञात भय परेशान कर सकता है। समय का दुरुपयोग करने के कारण अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं।

कर्क – आज अपने शौक को पूरा करने में तत्पर रहेंगे। प्रेमीजन के प्रति अविश्वास न रखें। आपके व्यक्तित्व में कुछ परिवर्तन आ सकते हैं। पाचन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह – आज आपकी नेतृत्व योग्यता की प्रशंसा होगी। कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर होंगे। अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलेगा।

कन्या – आज घर के नवीनीकरण पर धन खर्च कर सकते हैं। मानसिक तनाव में कमी आएगी। किसी जरूरी काम को निपटाने का दबाव रहेगा। करियर में उच्च पद प्राप्त होगा। कला जगत से जुड़े लोगों की प्रशंसा होगी।

तुला – आज महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कन्फ्यूजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। परेशानियों का हल ढूंढने में लगे रहेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। नव विवाहित लोग कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक – आज आपको बुरे सपने परेशान कर सकते हैं। आपको अति स्पष्टवादी बयान देने से बचना चाहिए। परिवार का वातावरण अत्यंत सहयोगात्मक रहेगा। आप दिखावे में अत्यधिक धन खर्च कर सकते हैं। बजट का ध्यान रखकर ही कोई काम करें।

धनु – आज आप अनुशासन को अत्यधिक महत्व देंगे। संतान की उन्नति से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन से अपने मन के मनोभावों को व्यक्त कर सकते हैं। दांपत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखें। बड़े भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर – आज पूरा दिन स्वयं को तरोताजा महसूस करेंगे। सकारात्मक रवैया अपनाने के कारण आपके सभी काम समय पर हो जाएंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ आपका तालमेल शानदार रहेगा।

कुंभ – आज कानूनी मामले उलझने के योग बन रहे हैं। किसी से शत्रुता मोल न लें। विदेश यात्रा के दौरान कठिनाइयां आएंगी। रिश्तेदारों की बातें आपको बुरी लग सकती हैं। बिना जांच-परख के किसी अजनबी से मित्रता न करें।

मीन – आज मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। अपने स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। सहकर्मियों के साथ आपको अपने संबंध खराब नहीं करना चाहिए। दांपत्य जीवन में कुछ विघ्नता रहेगी। प्रियजनों का व्यवहार आपको दु:ख पहुंचा सकता है।

सुडोकू -137

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	5	4				
2	3				9			
4				6				
8			9					
	7						5	
			1		7			
	1			9		6		4
	9		4					8
5				3	2	7		

सुडोकू - 136 का हल

4	5	8	3	1	6	2	9	7
9	3	1	5	7	2	6	8	4
6	7	2	4	9	8	1	5	3
7	2	9	8	6	3	5	4	1
1	8	5	2	4	9	7	3	6
3	6	4	7	5	1	8	2	9
2	9	3	1	8	7	4	6	5
8	4	7	6	3	5	9	1	2
5	1	6	9	2	4	3	7	8

जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, मैं उससे खुश नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। एक कप्तान के रूप में मैं हमारे खेलने के तरीके से खुश नहीं हूं। हमारी टीम वास्तव में बहुत अच्छी है पर हम अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए।
-अटापट्टू, श्रीलंका की कप्तान

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 22 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रिजवान की जगह शाहीन कप्तान

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को अपनी वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया है, जो मुहम्मद रिजवान की जगह लेंगे। पीसीबी ने सोमवार को कहा कि शाहीन चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व करेंगे।

मुक्केबाजी टीम बहरीन रवाना

नई दिल्ली : भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों में भाग लेने के लिए मनामा, बहरीन के लिए रवाना हो गई है। टीम में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरशी पुजारी जैसे मुक्केबाज शामिल हैं जिन्होंने हाल में भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम में कई ऐसे मुक्केबाज भी शामिल हैं जिन्होंने जुलाई 2025 में एशियाई अंडर-17 चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने 43 पदक जीते थे और कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया था।

भारतीय एथलेटिक्स टीम रांची पहुंची

रांची : भारतीय एथलेटिक्स दल का पहला जत्था 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी स्थित प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होने वाली दक्षिण एशियाई सैफ सीनियर चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंच गया। धावक प्रणव गुरव, उत्तम पाटिल और अर्नव टाकलकर अपने कोच के साथ सबसे पहले पहुंचे, जिससे तीन दिवसीय महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारतीय अभियान की तैयारी की शुरुआत हुई। भारत का 92 सदस्यीय दल इस प्रतियोगिता में भाग लेगा। वक प्रणव ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा व्यवस्था बहुत अच्छी है। मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हूं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली हुईं बाहर

इंदौर : आस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडली की चोट के कारण बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले महिला विश्व कप मैच में नहीं खेल पाएंगी। उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्रा कप्तानी करेंगी। पिछले दो मैचों में शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान को शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी। आस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली निश्चेके ने मंगलवार को मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा हां, यह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसकी पिंडली में हल्का खिंचाव है।

लक्ष्य फ्रेंच ओपन में हारकर बाहर

पेरिस : भारत के लक्ष्य सेन मंगलवार को यहां पुरुष एकल के पहले दौर में आयरलैंड के एनहात एनगुएन के खिलाफ सीधे गेम में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। लक्ष्य शुरुआत से ही लय में नहीं दिखे और उन्हें दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 7-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पिछले हफ्ते डेनमार्क ओपन के पहले दौर में तीन गेम में एनगुएन को हराया था लेकिन पेरिस में उनका प्रदर्शन अनियमित रहा।

पंत फिट, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड दौरे के दौरान पैर में लगी चोट से पूरी तरह उबरने के बाद मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ लाल गेंद की श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लग गई थी और इसके बाद वह एशिया कप और हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी, लेकिन इसके बावजूद वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरे और उन्होंने अर्धशतक बनाया।

चयनकर्ताओं ने उन्हें 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में होने वाले दोनों मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया है। इससे पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का मौका मिलेगा। साई सुदर्शन को इन दो चार दिवसीय मैचों के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है। उनके अलावा केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में शामिल किया गया है। यह सभी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। प्रसिद्ध, सिराज, आकाश दीप और जुरेल छह से नौ नवंबर तक होने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। पहले मैच के लिए एन जगदीसन टीम में दूसरे विकेटकीपर होंगे। घरेलू खिलाड़ियों में यह देखना दिलचस्प होगा कि तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और खलील अहमद कैसा प्रदर्शन करते हैं।

पहले चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका की ए टीम की कप्तानी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन करेंगे, जबकि सीनियर टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा भी इसमें शामिल होंगे, जो पिंडली की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। द. अफ्रीका ए टीम 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में भारत ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी।

मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर

दुबई, एजेंसी

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं।

कोहली की वापसी को पटरी से उतारने की ऑस्ट्रेलियाई योजना

शॉर्ट ने कहा-ऑफ स्टंप के बाहर विराट की कमजोरी का फायदा उठाएंगे तेज गेंदबाज

एडीलेड, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हाल ही में मिली सफलता की लय को बरकरार रखते हुए भारतीय दिग्गज विराट कोहली की वापसी को उनके सबसे शानदार मैदान पर बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में एडिलेड ओवल में आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे। इस महान भारतीय खिलाड़ी ने एडिलेड ओवल में सभी प्रारूपों में पाँच शतक लगाए हैं - जो उनके करियर में दुनिया के किसी भी मैदान से ज़्यादा है। कोहली ने एडिलेड में चार अर्धशतक भी लगाए हैं, जहां उनका औसत 65 का है। पर यह भारतीय धुरंधर यह जानते हुए एडिलेड लौट रहा है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले रविवार को पर्थ में हुए सीरीज के पहले मैच की तरह ही उन पर दबाव बनाए रखेगा, जहां वह शून्य पर गली में कैच आउट हो गए थे। इस आउट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों द्वारा ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति को जारी रखा।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का मानना है कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफ हाल की कमजोरी का फायदा उठाना जारी रखेंगे। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में शून्य पर आउट हुए कोहली एडीलेड ओवल में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जो विदेशी सरजमीं पर उनका सबसे सफल मैदान हैं। इस मैदान पर उन्होंने पांच अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और सभी प्रारूपों में 65 की औसत से रन बनाए हैं।

शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा मैं तेज गेंदबाजों की बैठक में नहीं था लेकिन ऐसा लगता है कि वह (कोहली) हाल ही में इसी तरह आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा हॉफ (जोश हेजलवुड) और स्टार्सी (मिचेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। शॉर्ट ने कहा, पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया। विकेट पर थोड़ी स्विंग और थोड़ी सी उछाल थी इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे। भारत को पहले एकदिवसीय में ऑप्टस स्टेडियम में 42,423 दर्शकों की मौजूदगी में भारी समर्थन मिला था जिनमें से अधिकांश सात महीने से अधिक समय के बाद रोहित शर्मा और कोहली की टीम में वापसी देखने आए थे। खेल के अन्य प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद ये दोनों पूर्व कप्तान नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। दोनों ने सिर्फ एकदिवसीय मुकाबले खेलने का फैसला किया है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पता चलेगा कि रोहित व कोहली विश्व कप तक खेल सकते हैं या नहीं: पोंटिंग

दुबई : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विराट कोहली व रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन यह निर्धारित करेगा कि यह स्टार भारतीय जोड़ी 2027 विश्व कप तक खेल सकती है या नहीं। अब केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले कोहली और रोहित मार्च के बाद जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए। भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को एडिलेड में होगा, जहां की परिस्थितियां पर्थ की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल होंगी। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ आईसीसी रिव्यू पर बात करते हुए कहा कि इस दिग्गज जोड़ी को केवल 2027 वनडे विश्व कप के बारे में सोचने के बजाय अपने लिए अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए।

- बृहस्पतिवार को होगा दूसरा एकदिवसीय मैच

मैं मानसिक रूप से अब जल्दी थक जाता हूं : स्मिथ

सिडनी : टेस्ट क्रिकेट पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने से स्टीव स्मिथ पूरे सत्र में तरोताजा बने रहे हैं जबकि कुछ वर्ष पहले वह तीनों प्रारूपों में समान जुनून से खेलने के बाद पूरी तरह से थक जाते थे।

एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास ले चुके स्मिथ ने तरोताजा होने के लिए ब्रेक लिया था और अब वह 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। यह 36 वर्षीय बल्लेबाज अब ऑस्ट्रेलियाई सर्दियों के दौरान न्यूयॉर्क में रहता है और अगस्त के बाद से उन्होंने बल्ला नहीं उठाया है।

स्मिथ ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद यहां संवाददाताओं से कहा मैं मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं। उन्होंने कहा दस साल पहले मुझे वापसी करके हर संभव मैच खेलना बहुत पसंद था। अब जसहिर है कि टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए बड़ी प्राथमिकता बन गया है। स्मिथ ने कहा मुझे पता है कि जब मैं शुरुआत में बहुत अधिक खेलता हूं तो तो गर्मियों के अंत तक मैं मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। अपनी ऊर्जा बचाने और प्रारूपों को प्राथमिकता देने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को रौंदा

कोलंबो, एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
द.अफ्रीका	6	5	1	0	10	0.276
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड	5	4	0	1	9	1.490
भारत	5	2	3	0	4	0.526
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
श्रीलंका	5	0	3	2	2	-1.564
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
पाकिस्तान	6	0	4	2	2	-2.651

कप्तान लॉरा वोलवार्ट की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका वर्षा से प्रभावित महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान को मंगलवार को यहां डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 150 रन से रौंदकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके साथ ही विश्व कप में पहली बार लगातार पांच जीत दर्ज की।

इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका के शीर्ष पर है। टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार कर रहा पाकिस्तान दो अंक के साथ अंतिम स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है जबकि पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है।

सलामी बल्लेबाज लॉरा ने 82 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा सुने लूस (61 रन, 59 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके टीम के 40 ओवर में नौ विकेट पर 312 रन रन के मजबूत स्कोर की नींव रखी। अनुभवी मारिजेन कैप (नाबाद 68, 43 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) और नेदिन डि क्लर्क (41 रन, 16 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से नाशरा संधू ने 45 जबकि सादिया इकबाल ने 63 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पाकिस्तान को मैच में बारिश के कई बार खलल डालने के बाद अंततः 20 ओवर 234 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और अंततः सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कैप ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कैप ने सलामी बल्लेबाज ओमैमा सोहेल (06), सिदरा अमीन (13) और आलिया रियाज (03) को पवेलियन भेजा।

- डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 150 रनों से हराया

दक्षिण अफ्रीका की मरीजान काप ने शुरुआत में तीन विकेट लेकर पाकिस्तान लय बिगाड़ दी। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी प्रकरण | एशियाई क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं

बीसीसीआई को श्रीलंका और अफगानिस्तान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध बना हुआ है और बीसीसीआई को श्रीलंका तथा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन मिलने के बावजूद एशिया क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं हैं।

ट्रॉफी अभी तक चैंपियन भारतीय टीम को मिली नहीं है। एसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को बताया कि नकवी ने कहा है कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी उनसे ले सकता है लेकिन भारतीय बोर्ड ने इससे इनकार किया। बीसीसीआई अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मसला उठायेगा।

एसीसी सूत्र ने कहा बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया, एसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका तथा अफगानिस्तान समेत अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिये कहा। उन्होंने कहा लेकिन उनका जवाब था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिये मामले में गतिरोध बना हुआ है बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में होगा। आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय पर है चूंकि भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद इसे नकवी से लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद वह ट्रॉफी लेकर चले गए। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं और भारत विरोधी रवैये के लिये जाने जाते हैं।

नकवी ने बीसीसीआई के पत्र का दिया जवाब

नकवी ने कहा-उन्हें पहले बताया नहीं गया था कि भारतीय खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी लेने का बहिष्कार करने वाले हैं। पत्र में कहा गया जब समारोह होने वाला था और मंच पर सभी अतिथि पहुंच गए थे, तब बीसीसीआई के प्रतिनिधि ने बताया कि भारतीय टीम एशिया कप ट्रॉफी और पुरस्कार नहीं लेगी। इसमें कहा गया एसीसी अध्यक्ष ने तमाम अतिथियों के साथ करीब 40 मिनट तक इंतजार किया ताकि पुरस्कार वितरण समारोह की गरिमा बनी रहे और इस पर राजनीति का प्रभाव नहीं पड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पत्र में कहा गया एसीसी ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट टीम की है और इसे तब तक यहां रखा जाएगा जब तक कि बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। इसमे आगे कहा गयाइस तरह से ट्रॉफी लेने को निश्चित रूप से बहुत धूमधाम और कवरेज के साथ किया जाएगा क्योंकि स्थापित प्रथाओं से अलग कुछ नहीं होना चाहिए और कोई मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था।

बादशाहत के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

इंदौर : गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा।

दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, पर ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है।

भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के लिए अंतिम स्थान की दौड़ में

बेंगलुरु, एजेंसी :

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, और चौथे और अंतिम स्थान के लिए दौड़ अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच सिमट गई है, क्योंकि दोनों टीमों के दो-दो लीग मैच बाकी हैं। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम (9 अंक, नेट रन रेट 1.818), इंग्लैंड महिला टीम (9 अंक, नेट रन रेट 1.490) और दक्षिण अफ्रीका महिला टीम (8 अंक, नेट रन रेट -0.440) पहले ही नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत, जो 4 अंकों और 0.526 के अच्छे नेट रन रेट के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और 26 अक्टूबर को बंगलादेश के खिलाफ अपने बाकी बचे मैच जीतने पर ही सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना रहेगा। दो जीत से भारत के 8 अंक हो जायेंगे, जिससे सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो जाएगी। न्यूज़ीलैंड, जिसके भी 4 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट (-0.245) कम है, के लिए राह और भी कठिन है। उसे टूर्नामेंट में बने रहने के लिए भारत और इंग्लैंड दोनों को हराना होगा, और उसका क्वालीफिकेशन नेट रन रेट पर भी निर्भर हो सकता है। श्रीलंका कम नेट रन रेट के कारण लगभग बाहर हो चुकी है।